भारत में सोने की मांग अप्रैल जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटी - 12

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, बैठक दिनभर के लिए स्थगित-12

तमिलनाडु में मां-बेटी ने एक साथ पास की नीट - 13

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप : क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित- 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.36

सूर्यास्त 07.06

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी 04:58 विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 124, पृष्ठ 14 मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बालटाल मार्ग से फिर अमरनाथ यात्रा शुरू

श्रीनगर/जम्मू। कश्मीर घाटी में बालटाल मार्ग से गुरुवार को अमरनाथ यात्रा फिर से शुरू हो गई लेकिन खराब मौसम के कारण इसे जम्मू से स्थगित कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह जम्मू से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर तक तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को जाने की अनुमति नहीं दी गई। बारिश के बाद अमरनाथ यात्रा मार्ग के पहलगाम मार्ग पर रखरखाव कार्यों के मद्देनजर, यात्रा केवल बालटाल मार्ग से ही जारी रहेगी। कश्मीर में मूसलाधार बारिश के कारण सड़कों पर आवाजाही असुरक्षित हो गई थी, जिसके बाद बुधवार को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई थी। आज सुबह बालटाल मार्ग से यात्रा फिर से शुरू हो गई।

एयर इंडिया की लंदन जाने वाली उड़ान रद्द

नई दिल्ली। लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का बोइंग 787-9 विमान तकनीकी समस्या के कारण गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान नहीं भर सका। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि 31 जुलाई को दिल्ली से लंदन जाने वाली 'एआई2017' संदिग्ध तकनीकी समस्या के कारण उड़ान नहीं भर सकी। चालक दल के सदस्यों ने मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए उड़ान नहीं भरने का फैसला किया और विमान को एहतियाती जांच के लिए वापस लाया गया। एक सूत्र ने बताया कि उड़ान का संचालन बोइंग 787-9 विमान से किया जाना था। यात्रियों को जल्द से जल्द लंदन ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की जा रही है।

अंदर देखें ... यूरेका

यूपी के नए मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनोज कुमार सिंह से संभाला पद का दायित्व

अमृत विचार : यूपी कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अफसर शशि प्रकाश गोयल को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया है। गोयल ने दोपहर बाद मुख्य सचिव कार्यालय जाकर कार्यभार संभाला। उन्होंने मनोज कुमार सिंह से कार्यभार ग्रहण किया।

30 जून 2024 से मुख्य सचिव रहे मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार की उम्मीद थी, लेकिन केंद्र सरकार से आदेश नहीं आया। केंद्र ने योगी आदित्यनाथ के पहली बार

मुख्यमंत्री बनने के साथ 19 मई 2017 से उनके कार्यालय प्रमुख का दायित्व संभाल रहे शशि प्रकाश गोयल को मुख्य सचिव बनाने के आदेश जारी किए। गोयल जनवरी 2027 तक पद पर रहेंगे।

ट्रंप का प्रहार, कहा-भारत-रूस की इकोनॉमी डेड

वाशिंगटन, एजेंसी

- बोले-दोनों अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे परवाह नहीं
- अमेरिका आज से लागू करेगा भारत पर 25 फीसदी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और रूस के करीबी संबंधों को लेकर उन पर तीखा प्रहार किया और कहा कि दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने नई दिल्ली और मॉस्को की आलोचना करते हुए यह टिप्पणी तब की है जब कुछ घंटों पहले उन्होंने भारत के खिलाफ 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ उसके व्यापार के लिए जुर्माना लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुझे परवाह नहीं है कि भारत, रूस के

साथ क्या करता है। वे एक साथ अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को गर्त में ले जा सकते हैं, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके शुल्क बहुत अधिक हैं। ट्रंप ने एक अगस्त से भारत पर 25 प्रतिशत से अधिक शुल्क लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उन्होंने रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने के लिए भी भारत पर जुर्माना लगाने की घोषणा की। यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इससे एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। इस घोषणा को दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसने हाल ही में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने भारत की व्यापार नीतियों को अप्रिय बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर 'जुर्माना' भी देना होगा।

भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ाया

यह जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि भारत ने रूस से तेल और सैन्य उपकरणों की बड़ी खरीद की है। भारत रूसी आयात के लिए जुर्माने का सामना करने वाला पहला देश है। रूस से भारत का कच्चा तेल आयात रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले कुल खरीद का 0 .2 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 35-40 प्रतिशत हो गया है। चीन के बाद, रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारत हमारा मित्र है कि लेकिन हमने पिछले कई वर्षों में उनके साथ अपेक्षाकृत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं, जो दुनिया में 'सबसे अधिक' हैं। उनके पास सबसे कठोर और अप्रिय गैर-मौद्रिक व्यापार बाधाएं हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भारत ने रूस से अपने सैन्य उपकरण और ऊर्जा उत्पाद तब खरीदे हैं जब हर कोई चाहता है कि रूस, यूक्रेन में हत्याएं बंद करे।

50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राइमरी स्कूलों का विलय नहीं

पेयरिंग स्कूल की दूरी भी एक किलोमीटर से ज्यादा नहीं होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कोई स्कूल बंद नहीं होगा और न ही समाप्त किए जाएंगे पद

अमृत विचार : प्रदेश में अब एक किलोमीटर से अधिक दूरी और 50 से ज्यादा छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों का विलय (पेयरिंग) नहीं होगा। साथ ही, जहां इन मानकों के विपरीत विलय हो गया है, उसे फिर से बहाल किया जाएगा। परिषदीय विद्यालयों के विलय को लेकर विपक्षी दलों और शिक्षकों-अभिभावकों के भारी विरोध के बीच राज्य सरकार ने गुरुवार को यह फैसला लिया। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने गुरुवार को लोक भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार के फैसले की जानकारी दी।

राज्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले के तहत अब विलय होने वाले परिषदीय विद्यालयों की दूरी एक किलोमीटर के अंदर होगी। उन्हीं विद्यालयों का विलय होगा जिनमें छात्रों की संख्या से 50 से बहुत कम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विलय के बाद न तो कोई स्कूल बंद होगा

और न ही पद समाप्त किए जाएंगे। छात्रों की संख्या बढ़ने पर पुराने विद्यालयों को फिर शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया शुरू होने के बाद जिलों से कई शिकायतें आईं हैं, जिसके बाद कुछ स्कूलों को पूर्ववत संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं।

अन्य भवनों में बाल वाटिकाएं और आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किए जाएंगे। साथ ही बताया कि स्कूलों का विलय होने के बाद यदि कहीं बैठने की असुविधा होगी या बच्चों की संख्या बढ़ेगी तो पुराने भवन में फिर से स्कूल शुरू किया जाएगा।

राज्य सरकार का प्रयास है कि 15 अगस्त तक कोई भी स्कूल खाली न रहे। सभी विद्यालयों में प्री प्राइमरी और बाल वाटिका संचालित हो जाएं। उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया के बाद प्रत्येक कक्षा के लिए शिक्षक उपलब्ध होंगे। शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर होगा और शिक्षण गुणवत्ता बढ़ेगी।

शिक्षक भर्ती पर कोर्ट के फैसले का पालन करेंगे

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण के मुद्दे पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होगा सरकार उसका पालन करेगी। सरकार कोर्ट की किसी भी प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकती है। पहले शिक्षक अपनी जगह दूसरों को पढ़ाने के लिए नियुक्त कर देते थे पर अब ऐसा नहीं हो रहा। अब हर शिक्षक खुद ही पढ़ा रहा है।

कई राज्यों में भी हो चुकी है स्कूलों की पेयरिंग

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि यूपी कोई पहला राज्य नहीं है जहां पर स्कूलों की पेयरिंग (विलय) की जा रही है। इसके पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और उड़ीसा जैसे राज्यों में यह प्रक्रिया अपनाई जा चुकी है। संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल और बच्चों के भविष्य को और बेहतर बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। राजस्थान में वर्ष 2014 में इस प्रक्रिया के तहत 20 हजार स्कूलों का विलय किया गया। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में पहले चरण में 36 हजार विद्यालयों को और लगभग 16 हजार समेकित परिसरों को निर्मित किया गया। उड़ीसा में वर्ष 2018-19 में 1800 विद्यालयों को पेयर किया जा चुका है। हिमाचल प्रदेश में भी वर्ष 2022 व 2024 में चरणबद्ध तरीके से विलय की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया है।

मालेगांव विस्फोट मामला : 17 साल बाद विशेष अदालत ने सुनाया फैसला

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल पुरोहित समेत सभी सातों आरोपी बरी

मुंबई, एजेंसी

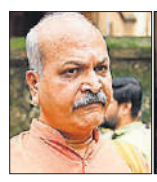

समीर कुलकर्णी

रमेश उपाध्याय

पुरोहित

प्रज्ञा सिंह ठाकुर

अजय राहिरकर

सुधाकर चतुर्वेदी

सुधाकर द्विवेदी

- ठोस सबूत नहीं, धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकते : कोर्ट

मालेगांव विस्फोट में छह लोगों की मौत होने के करीब 17 साल बाद एक विशेष अदालत ने भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सातों आरोपियों को गुरुवार को बरी करते हुए कहा कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं हैं। अदालत ने कहा कि कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता है। कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन सिर्फ धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहरा सकते। एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए यहां नियुक्त विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और जांच में कई खामियों को उजागर किया और कहा कि आरोपी व्यक्ति संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में 29 सितंबर 2008 को एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी और 101 अन्य लोग घायल हो गए थे। इस मामले के आरोपियों में ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। न्यायाधीश ने कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई बाइक ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी और विस्फोट मोटरसाइकिल पर लगाए गए बम से हुआ था।

आतंकवाद न कभी भगवा था और न होगा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फैसले की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद न कभी भगवा था और न कभी होगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस फैसले ने हिंदू समुदाय पर लगे कलंक को मिटा दिया है। शिंदे ने दावा किया कि हिंदू कभी भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो सकते।

सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामला

पहली बार अंडमान और निकोबार में ईडी के छापे

पोर्ट ब्लेयर/नई दिल्ली, एजेंसी

- पोर्ट ब्लेयर में नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर जांच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के एक पूर्व कांग्रेस सांसद से जुड़े सहकारी बैंक कर्ज 'धोखाधड़ी' से जुड़ी धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को पहली बार इस केंद्र शासित प्रदेश में छापे मारे।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पोर्ट ब्लेयर और उसके आसपास के नौ स्थानों और कोलकाता में दो जगहों पर छापेमारी की। यह पहली बार है जब एजेंसी ने बंगाल की खाड़ी में स्थित इस केंद्र शासित प्रदेश में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत छापेमारी की है। यह मामला अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक (एएनएससीबी) और उसके पूर्व उपाध्यक्ष कुलदीप राय शर्मा से संबंधित है।

कांग्रेस नेता शर्मा (57) इस केंद्र शासित प्रदेश के पूर्व सांसद (2019-24) हैं। अंडमान और निकोबार पुलिस ने मामले की जांच के सिलसिले में एक स्थानीय अस्पताल से 18 जुलाई को उन्हें गिरफ्तार किया था। पोर्ट ब्लेयर में एक अदालत ने उन्हें 29 जुलाई को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज

दिया था। पुलिस ने इस मामले में बैंक के एक प्रबंध निदेशक और कर्मचारी समेत सात अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। धन शोधन का यह मामला अंडमान निकोबार पुलिस की अपराध एवं आर्थिक अपराध शाखा की 15 मई को दर्ज एक प्राथमिकी से उपजा है।

सूत्रों ने दावा किया कि एजेंसी को कुछ दस्तावेज मिले हैं जो एएनएससी बैंक द्वारा ऋण सुविधाएं प्रदान करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की ओर इशारा करते हैं। कांग्रेस के पूर्व सांसद शर्मा की भूमिका भी ईडी की जांच के दायरे में है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा को लाभ पहुंचाने के लिए संदिग्धों द्वारा लगभग 15 संस्थाओं/कंपनियों का एक समूह बनाया गया और इन संस्थाओं द्वारा एएनएससीबी से धोखाधड़ी कर 200 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सुविधाएं ली गईं।

विधायकों की अयोग्यता पर 3 माह में लें फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने दिए तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि वह सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने में फैसला करें।

न्यायालय ने कहा कि यदि राजनीतिक दलबदल पर अंकुश नहीं लगाया गया तो यह लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता पर फैसला करते समय विधानसभा अध्यक्ष एक न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करते हैं, लिहाजा उन्हें न्यायिक जांच के खिलाफ संवैधानिक प्रतिरक्षा प्राप्त नहीं है। संविधान की दसवीं अनुसूची दल-बदल के आधार पर अयोग्यता के प्रावधानों से संबंधित है।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने में निर्णय करने का निर्देश देते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राजनीतिक दलबदल राष्ट्रीय बहस का विषय रहा है। अगर इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह लोकतंत्र को छिन्न-भिन्न कर सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने में स्पीकर की ओर से की जाने वाली देरी से निपटने के लिए एक तंत्र विकसित करना संसद का काम है। अदालत ने कहा कि हालांकि हमारे पास कोई परामर्श देने का अधिकार नहीं है, फिर भी यह संसद को विचार करना है कि दलबदल के आधार पर अयोग्यता के मुद्दे पर निर्णय लेने का महत्वपूर्ण कार्य अध्यक्ष/सभापति को सौंपने की व्यवस्था राजनीतिक दलबदल से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य की पूर्ति कर रही है या नहीं। पीठ ने कहा कि अगर हमारे लोकतंत्र की बुनियाद और उसे कायम रखने वाले सिद्धांतों की रक्षा करनी है, तो यह पता लगाना जरूरी है कि मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त है या नहीं।

निर्वाचन आयोग ने निर्वाचक मंडल को दिया अंतिम रूप

उपराष्ट्रपति चुनाव

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफे के कारण आवश्यक हो गया है। आयोग ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के सदस्य शामिल होते हैं। चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से आयोग कार्यालय में एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी।

मानसून के दूसरे चरण में अधिक बारिश की संभावना

नई दिल्ली। भारत में मानसून ऋतु के दूसरे चरण (अगस्त और सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के आसपास के इलाकों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अगस्त में सामान्य बारिश होने की संभावना है। सितंबर में बारिश सामान्य से अधिक होने का अनुमान है। महापात्र ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दूसरे चरण के दौरान देश भर में सामान्य से अधिक वर्षा (422.8 मिमी की दीर्घावधि औसत का 106 प्रतिशत) होने की संभावना है।

कैबिनेट का फैसला | **महाराष्ट्र, मप्र, प. बंगाल, ओडिशा, बिहार और झारखंड के 13 जिले होंगे कवर**

छह राज्यों के लिए चार रेल परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- लाइन क्षमता के विस्तार पर खर्च किए जाएंगे 11,169 करोड़ रुपये
- मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट से लगभग 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की लगभग 11,169 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

सरकार ने इन परियोजनाओं के जरिए रेल नेटवर्क के विस्तार के बारे में बात करते हुए कहा कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। नई परियोजनाओं में इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन का निर्माण, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) और परभणी के बीच रेलवे लाइन का दोहरीकरण तथा अलुआबाड़ी रोड और न्यू जलपाईगुड़ी एवं डांगोआपोसी और जरोली के बीच तीसरी व चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। कहा गया कि लाइन क्षमता के विस्तार से गतिशीलता में वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए हैं। इन परियोजनाओं की योजना 'पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और रसद संबंधी दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

प्रस्तावित 'मल्टी-ट्रैकिंग' परियोजना से लगभग 2,309 गांवों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए 6,520 करोड़ स्वीकृत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के लिए बजटीय परिव्यय 1,920 करोड़ रुपये बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में प्रदान की जाने वाली बढ़ी हुई धनराशि का उपयोग 50 बहु-उत्पाद खाद्य विकिरण इकाइयों और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएमकेएसवाई का परिव्यय बढ़ाकर 6,520 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

सुपरमैक्स हॉस्पिटल
(A Unit of Supermax Health Care Pvt. Ltd.)

पेट, लीवर एवं आंत रोग विशेषज्ञ
डॉ. एस.के. सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. मेडिसिन (गोल्ड मेडलिस्ट)
के.जी.एम.यू. लखनऊ
DNB, FACG गेस्ट्रो (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गेस्ट्रोइन्टोलॉजी)
डायग्नोस्टिक एण्ड थेराप्यूटिक एण्डोस्कॉपिस्ट
भूतपूर्व परामर्श चिकित्सक
विवेकानन्द सुरपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुरादाबाद
पेट एवं लीवर रोग विभाग, के.जी.एम.यू. लखनऊ
निम्न रोगों के विशेषज्ञ
★ लीवर सिरोसिस तथा लीवर (जिगर) सम्बन्धित बीमारियाँ
★ साधारण पीलिया, डिपोटाइटस बी/सी (काला पीलिया)
★ लीवर (जिगर) तिल्ली का बड़ा होना, फैटी लीवर
★ गले में रूकावट, खाना निगलने में तकलीफ
★ खाने के बाद उल्टी का इलाज
★ गैस, बदहजमी (खाना न पचना) अफरा या पेट फूलना
★ छाती में जलन/दर्द, खट्टी डकार
★ खून की उल्टी और लैट्रिन (टट्टी) में खून आना
★ बार-बार दस्त लगना, खूनी दस्त
★ भूख न लगना, वजन घटना
★ लीवर में मवाद (पस) / फोड़ा
★ पेट में दर्द होना
★ पेट/आंतो में टी.बी.
★ कब्ज/पेट साफ न होना
★ पेंक्रियाज की सूचन
★ शराब से हुई लीवर (जिगर) की बिमारियाँ
★ अल्सरेटिव कोलाइटिस (आई.बी.डी.)
★ पित्त की नली, पेंक्रियाज की नली की पथरी या सिकड़न का इलाज
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीतू वर्मा
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (कानपुर)
स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाँझपन रोग विशेषज्ञ
भूतपूर्व परामर्श चिकित्सक
महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झाँसी
परामर्श
समय प्रातः 10:00 बजे से
सायं 03:00 बजे तक
निम्न रोगों के विशेषज्ञ
★ गर्भवती महिला का सम्पूर्ण जाँच
★ नॉर्मल डिलीवरी एवं दर्द रहित नॉर्मल डिलीवरी
★ ऑपरेशन द्वारा बच्चे का जन्म
★ बच्चेदानी व अण्डेदानी से रसौली का दूरबीन विधि द्वारा ऑपरेशन
★ निःसंतान रोगी का जॉच व इलाज
★ बच्चेदानी के कैंसर की जाँच व इलाज
जनरल सर्जरी-दूरबीन विधि के द्वारा पित्ते की थैली का ऑपरेशन हार्निया, हाइड्रोसिल एवं अपेंडिक्स के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
ENDOSCOPY ERCP
COLONOSCOPY FIBROSCAN
SIGMOIDOSCOPY
Ph.: 0591-3560194
9410477870, 9758362794
Z-16
आशियाना-2, 24 मी. रोड,
निकट विवेकानन्द हॉस्पिटल, अम्बेडकर पार्क, मुरादाबाद
समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक एवं
सायं 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक
(रविवार में केवल इमरजेन्सी)
24 घंटे इमरजेन्सी की सुविधा
24 घंटे इमरजेन्सी पैथोलॉजी की सुविधा

आमजन के साथ ही किसानों के चेहरों पर भी आई रौनक

रिमझिम बरसे मेघ, मौसम सुहावना होने से मिली राहत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कामगार भीगने से बचने का प्रयास करते नजर आए तो लोगों ने लिया बारिश का आनंद

अमृत विचार : कई दिनों से लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल थे। गुरुवार को दोपहर 1:30 बजे इंद्रदेव मेहरबान हुए और आसमान से राहत बरसने लगी। रिमझिम बारिश से तापमान में गिरावट आई। आमजन के साथ ही किसानों के चेहरों पर भी रौनक आ गई।

गुरुवार को सुबह से बादल छाए हुए थे। ऐसे में हर किसी को उम्मीद थी कि बारिश से राहत मिली। बारिश की शुरुआत के साथ ही घने बादल छा गए और मौसम सुहावना हो गया। बारिश में जहां कामगार सड़कों पर किनारे भीगने से बचने का प्रयास करते नजर आए तो वहीं लोगों ने करीब एक घंटे बारिश का आनंद लिया। बारिश के बाद मौसम भी ठंडा हो गया। दो सप्ताह पहले की बात करें तो तापमान 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चल रहा था, जिससे आमजन परेशान थे। आसमान में बादल घिरने के साथ ही जब बारिश हुई तो अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक डिग्री पारा गिरा। बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

गुरुवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसान भी इस बदले मौसम से खुश नजर आ रहे हैं। फसलों को पर्याप्त नमी मिलने से पैदावार बढ़ने की उम्मीद है।

बारिश में भीगते हुए बच्चों को लेकर जाता युवक। ● अमृत विचार

ग्रेटर नोएडा में होगा यूपीआईटीएस

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के प्रथम अंतर्राष्ट्रीय मेले यूपीआईटीएस 2023 व द्वितीय 2024 की सफलता के बाद अब 25-29 सितबर के बीच मध्य इण्डिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा में यूपीआईटीएस तृतीय संस्करण के आयोजन का निर्णय लिया गया है। संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार ने बताया कि यूपी आईटीएस 2025 में प्रदेश में निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने और विदेशी बाजार में उनकी सुदृढ़ पहचान स्थापित करने के लिए प्रदर्शनी लगाने के साथ कांफ्रेन्स, नॉलेज सेशन, फैशन शो व अन्य कार्यक्रम होंगे। बताया कि नवोदित निर्यातकों की श्रेणी में ऐसे निर्यातक शामिल किए गए हैं जिन्होंने 2020-21 या उसके बाद निर्यात शुरू किया है। इच्छुक स्टॉल बुक करा सकते हैं।

टूटी सड़कों पर जलभराव से कॉलोनियों का हुलिया बिगड़ा

महानगर की आशियाना, रामगंगा विहार, जिगर कॉलोनी व बुद्धि विहार में भी कई जगह भरा पानी, हादसे का डर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- लोग हो रहे परेशान, थोड़ी सी बरसात में खुल गई सड़क निर्माण में गुणवत्ता की कलई
- स्कूली बसें व ऑटो के अलावा हजारों वाहन प्रतिदिन इन सड़कों से होकर गुजरते हैं

अमृत विचार : टूटी सड़कों पर थोड़ी देर की बारिश में पानी भरने से कॉलोनियों का हुलिया बिगड़ गया है। सड़क के गड्ढों में पानी भरने से हादसे की आशंका बढ़ी है। स्कूली बसें व ऑटो के अलावा हजारों वाहन प्रतिदिन इन सड़कों से होकर गुजर रहे हैं। सड़क निर्माण में गुणवत्ता की कलई खुल गई है।

महानगर के आशियाना फेज एक और दो की मुख्य सड़क पर अधिकांश जगह गड्ढे हैं। टूटी सड़क के गड्ढों में पानी भरने से हादसे की आशंका बढ़ गई है। बारिश के दौरान गड्ढों की गहराई पता न चलने से अचानक वाहन चालक ब्रेक लगाकर गड्ढों से बचने का प्रयास कर रहे हैं जिससे वाहन असंतुलित हो रहे हैं कई बार हादसा होते होते बचा। गुरुवार को भी सुबह बारिश के दौरान आशियाना फेज एक की मुख्य सड़क के गड्ढों में छात्र छात्राओं को स्कूल ले जाने वाले ऑटो पलटने से बच गए। यही स्थिति रामगंगा विहार, जिगर कॉलोनी व बुद्धि विहार में भी कई जगह टूटी सड़क के गड्ढों में पानी भरने से हुई जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात से पहले कई जगह पैचवर्क किया गया लेकिन थोड़ी देर की बारिश में ही कार्यों के गुणवत्ता की हकीकत नागरिकों के सामने आ गई। लोग सड़कों की मरम्मत न होने से व्यवस्था पर उंगली उठा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों के अलावा दूर दराज से मरीजों को लेकर आने वाले एंबुलेस चालक भी सड़कों की दुर्दशा से मरीजों को बचाने में संभल कर चल रहे हैं।

आशियाना कॉलोनी में टूटी सड़क में भरे पानी से गुजरते लोग। ● अमृत विचार

निगम के अधिकारियों ने निरीक्षण कर कराई जलनिकासी व सफाई

मुरादाबाद, अमृत विचार : नगर निगम के अधिकारियों ने गुरुवार को बारिश के दौरान जलभराव और सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए निरीक्षण किया। अपर नगर आयुक्त अतुल कुमार, अजीत कुमार आदि ने अपने जोन के क्षेत्रों में सुबह बारिश बंद होने के बाद निरीक्षण किया। कई जगह सड़क पर पानी भरा मिला। जेसीबी से नालों की सफाई कराई। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने सार्वजनिक शौचालयों में सफाई, पानी की आपूर्ति आदि देखी। जो कमी मिले उसे तत्काल ठीक करने का निर्देश दिया। सभी ने जियो टैग्ड फोटो निगम के कंट्रोल रूम और व्हाट्सएप समूह में साझा किया। नगर आयुक्त ने भी कार्यों की मॉनीटरिंग की। नगर स्वास्थ्य अधिकारी नरेंद्र कुमार ने कान्हा गोशाला का निरीक्षण कर संरक्षित गोवशों के स्वास्थ्य परीक्षण व चारा-भूसा व्यवस्था की निगरानी की।

रिश्वत लेने के आरोपी बाबू की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: नलकूप लगवाने के लिए विद्युत कनेक्शन देने के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोपी बाबू ब्रजेश कुमार की जमानत अर्जी स्पेशल जज एंटी करप्शन एक्ट कोर्ट कमलेश्वर पाण्डेय ने खारिज कर दी।

सरकारी वकील पंकज कुमार ने बताया कि 1 जुलाई को मुरादाबाद ग्राम बैरमपुर थाना छजलैट निवासी प्रशान्त शर्मा ने थाना सिविल लाइन्स मुरादाबाद में तहरीर देकर बताया था कि पिता के नाम पर नलकूप लगवाने को बिजली कनेक्शन लेने के लिए ऑनलाइन फार्म भरा था। 13 जून को विद्युत कार्यालय में तैनात बाबू ब्रजेश ने नोटिस देकर उक्त भूखंड के सभी सह खातेदारों के शपथपत्र व आईडी उपलब्ध कराने को कहा। उसके पिता काफी अस्वस्थ चल रहे हैं उनकी जगह वह ही पैरवी कर रहा है। बाबू ने कहा कि 15 हजार रुपये लेकर आओ तो कनेक्शन हो जायेगा नहीं तो चक्कर काटते रहोगे। पहली किस्त 10 हजार मांगी। 4 जुलाई को ट्रैप टीम ने रिश्वत लेते पकड़ लिया, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कोर्ट में पेश किया था। अदालत ने आरोपी का रिमांड मंजूर कर जेल भेज दिया था।

नर्सिंग कोर्स से जॉब की संभावना अधिक

मुरादाबाद, अमृत विचार: इंटरमीडिएट के बाद नर्सिंग हमेशा से लोकप्रिय प्रोफेशन है। नर्सिंग ऐसा पेशा है, जिसका सेवा भाव अनमोल है। बारहवीं के बाद तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी से संचालित तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग और तीर्थंकर पार्श्वनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग बेहतर विकल्प हैं।

नर्सिंग की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी ने बताया कि टीएमयू के सभी नर्सिंग कोर्सेज यूपी नर्सेस एंड मिडवाइफ काउंसिल, लखनऊ एवं इंडियन नर्सिंग काउंसिल, न्यू दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। कोई भी नर्सिंग कोर्स करने के बाद करियर के कई द्वार खुले हैं। युवा सरकारी, निजी क्षेत्र के अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर, नर्सिंग सर्विस एडमिनिसट्रेटर, सहायक नर्सिंग अधीक्षक, उप नर्सिंग अधीक्षक के रूप में जॉब कर सकते हैं। नर्सिंग कॉलेज में शिक्षक बन सकते हैं। हेल्थ इंडस्ट्री में इंडस्ट्रियल नर्स के रूप में कार्य कर सकते हैं। मिलिट्री नर्स, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर-सीएचओ, स्कूल हेल्थ नर्स के रूप में भी अपनी सेवाएं देने का विकल्प रहता है।

स्टेडियम में जल निकासी की सुविधा को खेल निदेशालय को पत्र भेजेंगे अधिकारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- स्पोर्ट्स स्टेडियम में जलभराव से प्रभावित होता है खिलाड़ियों का अभ्यास
- एथलेटिक्स ट्रैक, क्रिकेट पिच के साथ अन्य दिक्कतें का होगा जल्द समाधान

अमृत विचार : नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में अब खिलाड़ियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी। थोड़ी से बारिश से ही होने वाले जलभराव के कारण उनका अभ्यास भी प्रभावित नहीं होगा। इसके लिए खेल विभाग के अधिकारी तैयारियों में जुटे हैं। स्पोर्ट्स स्टेडियम में एथलेटिक्स ट्रैक, क्रिकेट पिच के साथ ही अन्य जो भी दिक्कतें हैं उसका जल्द समाधान होगा।

शहर में 10 मिनट की बारिश से ही स्टेडियम में जल भराव की समस्या को देखते हुए जल निकासी की सुविधा के लिए खेल निदेशालय को पत्र भेजने की तैयारी चल रही है। जिला क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ के इंजीनियर के साथ प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। 400 मीटर के एथलेटिक ट्रैक पर मिट्टी का भराव होना है। स्टेडियम में जल निकासी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में ड्रेनेज सिस्टम के तहत किनारे से नाली का निर्माण कराया जा जाएगा। इसके अलावा भविष्य में क्रिकेट खिलाड़ियों की सुविधा के लिए पवेलियन की ओर फेंसिंग कराने की तैयारी है। इस कार्य में आने वाली अनुमानित लागत निकाली जा रही है। इसके बाद अगले सप्ताह तक प्रस्ताव भेजने की तैयारी है।

स्टेडियम में एथलेटिक ट्रैक पर जलभराव के किनारे फुटबॉल खिलाड़ी कर रहे अभ्यास।

आए दिन निरस्त हो रही प्रतियोगिताएं

स्टेडियम में जल भराव के कारण न सिर्फ खिलाड़ियों का अभ्यास करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बल्कि, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का भी अवसर नहीं मिल पा रहा है। बारिश के चलते आए दिन प्रतियोगिताएं निरस्त होती रही हैं। बीते सप्ताह की ही बात करें तो पहले जिला स्तरीय क्रिकेट और अब एथलेटिक्स प्रतियोगिता निरस्त की गई। निर्धारित तिथि पर खिलाड़ी स्टेडियम पहुंचे लेकिन, आयोजन न होने पर उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

स्कूलों के भवनों की तकनीकी समिति करे जांच

मुरादाबाद,अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष व मंत्री ने डीएम को पत्र दिया है। इसमें बेसिक के स्कूल भवनों की तकनीकी समिति से सुरक्षा की जांच कराने की मांग की है।

संघ के जिलाध्यक्ष सर्वेश कुमार शर्मा और मंत्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा डीएम को दिए पत्र में मांग की गई है कि परिषदीय विद्यालयों के संपूर्ण भवन की सुरक्षा कारणों से जांच करानी जरूरी है। क्योंकि यहां पढ़ने वाले छात्र छात्राएं, शिक्षक व स्टाफ बारिश के दौरान जर्जर भवन में असुरक्षित महसूस करते हैं। भवनों के सुरक्षा मानकों की तकनीकी जांच करने में प्रधानाध्यापक या शिक्षक सक्षम नहीं है इसलिए ग्रामीण अभियंत्रण सेवा व लोक निर्माण विभाग के कुशल अभियंताओं या जिले स्तर पर तकनीकी समिति से जांच कराई जाए।

ये कैसी स्मार्ट सिटी | हर साल नाला सफाई पर दो करोड़ और निर्माण पर 1.5 करोड़ होते हैं खर्च

करोड़ों खर्च ... जरा सी बारिश में इंतजाम ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: स्मार्ट सिटी, नाम से खूबसूरत शहर का अहसास। कई बड़ी परियोजनाओं ने इसको नये सिरे से पहचान भी दी, लेकिन महानगर में नाला निर्माण व सफाई व्यवस्था में लापरवाही अच्छाई पर पानी फेर रही है।

नगर निगम प्रशासन नाला निर्माण व सफाई में प्रतिवर्ष साढ़े 3 करोड़ रुपये खर्च करता है। इसके दम पर स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंक भी आई। लेकिन अभी घनघोर बारिश की जगह सामान्य बारिश में ही नाला सफाई व निर्माण के नाम पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपये की सार्थकता लोगों के समझ में नहीं आई। नगर निगम हर साल नाला सफाई पर 2 करोड़ और निर्माण पर 1.5 करोड़ रुपये खर्च करता है। अभी हाल में नगर निगम के अतिरिक्त स्मार्ट सिटी के बजट से 49 करोड़ रुपये से करुला नाला का नया निर्माण कराया गया। फिर भी बरसात में जलभराव की समस्या महानगर में पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। थोड़ी देर की बारिश में पॉश कॉलोनियों नाला-नाली उफान पर आ जाता है। जिससे नाला-नाली की गंदगी सड़कों पर बहती है। बारिश में सड़क पर बरसात के पानी के साथ नाला-नाली की गंदगी और कचरा बहने से लोग खिन्न हो जाते हैं। गंदगी देखकर कई लोग स्मार्ट सिटी में ऐसी व्यवस्था को कोसते हुए दिखते हैं। निगम के महानगर को खूबसूरत बनाने के सभी प्रयासों पर थोड़ी सी अनदेखी भारी पड़ जाती है। वहीं बरसात में गंदगी से संक्रामक रोगों की आशंका महानगर में लोगों को सता रही है। अन्यथा करोड़ों रुपये की महत्वपूर्ण परियोजनाओं ने शहर को नई रंगत दी है लेकिन नाला निर्माण की गुणवत्ता व सफाई पर लचर रवैया इनको बदरंग बना रही है।

बारिश के बाद नाला चोक होने के कारण सड़कों पर भरा पानी। ● अमृत विचार

- बरसात में नाला-नाली उफनाने से सड़कों पर बहती है गंदगी, दिक्कत झेलते हैं लोग

शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बनवाएं नाले : सांसद

रामपुर, अमृत विचार : संसद सत्र के दौरान सांसद मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी ने लोकसभा में आवास एवं शहरी मंत्रालय से प्रश्न करते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की समस्या को देखते हुए नाले और नालियों का निर्माण करवाने का मामला उठाया। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार वर्षा जल निकासी और जल संरक्षण के लिए कई परियोजनाएं चला रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश में अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। केंद्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू ने सांसद को लिखित रूप आश्वासन देते हुए बताया कि केंद्र सरकार शहरी नियोजन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान कर रही है। कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन के तहत नालियों व तूफान जल निकासी के लिए निर्माण और सुधार का कार्य कर रही है।

100 से अधिक कारीगर शामिल 25 को मिलेगा इलेक्ट्रॉनिक चाक

कारीगरों की दक्षता परखते जिला विकास अधिकारी गोविंद बल्लभ पाठक।

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- माटी कला योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक चाक वितरण के लिए हुआ साक्षात्कार

अमृत विचार : माटी कला से जुड़े परंपरागत कारीगरों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने के लिए जिला विकास अधिकारी कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक चाक वितरण के लिए साक्षात्कार किया गया। इसमें जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सत्यवीर सिंह भी मौजूद रहे। आवेदनकर्ताओं से माटी के द्वारा बनाए नमूनों के बारे में जानकारी ली गई।

गुरुवार को माटी कला योजना के अंतर्गत जिला विकास अधिकारी गोविंद बल्लभ पाठक के कार्यालय में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सत्यवीर सिंह ने संयुक्त रूप से साक्षात्कार प्रक्रिया का संचालन किया। साक्षात्कार में जिले के माटी कला से जुड़े 100 से अधिक कारीगर पहुंचे। इस वर्ष माटी कला योजना के लक्ष्य के तहत 25 पात्र कारीगरों को इलेक्ट्रॉनिक चाक प्रदान किए जाएंगे।इसके लिए साक्षात्कार के माध्यम से 25 कारीगरों का चयन किया गया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि अब पात्रों की सूची शासन को भेजी जाएगी। जिसके बाद चाक वितरण करने की तिथि निर्धारित की जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने यह कदम अपने कार्य को अधिक कुशलता और दक्षता से कर पाने के लिए सकें।

न्यूज ब्रीफ

पीके भटनागर बने उरमू के सहायक मंडल मंत्री

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तरी रेलवे मजदूर यूनियन (उरमू) में चुनावों के बाद संगठनात्मक फेरबदल का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय के विद्युत विभाग में कार्यरत पीके भटनागर को सहायक मंडल मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन में हुए चुनावों के बाद पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों में लगातार बदलाव किया जा रहा है। इस क्रम में पीके भटनागर को पहले ब्रांच सचिव, फिर ब्रांच अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। अब उन्हें प्रोन्नत कर सहायक मंडल मंत्री बनाया गया है। पीके भटनागर अपनी सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जुझारूपन के लिए रेलकर्मियों के बीच विशेष पहचान रखते हैं। उनके सहायक मंडल मंत्री बनने से रेलकर्मियों में खुशी है। सहकर्मियों ने उन्हें बधाई देकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की उम्मीद जताई है।

पांच गोतस्कर गैंगस्टर में निरुद्ध

भोजपुर, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक ने डीएम की अनुमति से लंबे समय से गो तस्करी में संलिप्त पांच तस्करों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक ने बुधवार को गैंग लीडर मुस्तकीम, जीशान उर्फ जसीम निवासी गुलाब बाड़ी, थाना डिलारी के गांव ढकिया जट निवासी तंजीम व गांव तुमड़ियाकला निवासी जहांगीर और बदांयू के थाना बिसौली के गांव मिठाई निवासी मुनब्बर हाल निवासी आरटीओ मुरादाबाद पर अवैध रूप से धन अर्जित करने के लिए संरक्षित पशुओं का कटान करने के आरोप में गैंगस्टर एक्ट में केस दर्ज कराया है। बताया कि आरोपियों के खिलाफ भोजपुर समेत कई थानों में गोवंशीय पशुओं की तस्करी कर वध करने के आरोप में मुकदमें दर्ज हैं। आरोपी दबंग प्रवृत्ति के शातिर अपराधी हैं। समाज में कोई भी इनके खिलाफ गवाही नही देता।

घर में घुसे नकाबपोश चोर ले गए 16 हजार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : नगर के ठाकुरद्वारा काशीपुर मार्ग पर स्थित समाधि स्थल के निकट हसनपुर अमरोहा निवासी दानवीर सिंह 19 वर्षों से मोहल्ले के तेजराम सिंह के मकान किराए पर रहता है। गत्ता प्लास्टिक व कबाड़ का सामान खरीद कर घर परिवार का भरण पोषण करता है। कुछ दिन पूर्व वह दुर्घटना में घायल हो गया था। 30 जुलाई की सुबह 4:30 बजे नकाबपोश चोर उसके घर में घुस आए। दानवीर को डरा धमका कर उसकी जेब में रखे 16 हजार रुपये चोरी कर फरार हो गए। शरीर से लाचार होने के कारण वह कुछ कर नहीं पाया। दो-चार दिन बाद वह अपने गांव जाने वाला था। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की ।

इंस्टाग्राम पर आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का आरोप

मुरादाबाद, अमृत विचार : थाना मझोला के नया गांव क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कोई व्यक्ति इंस्टाग्राम पर आईडी बना उसके फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट लिख रहा है। साथ ही रिश्तेदारों और पति के पहचान वालों को भेज रहा है। बताया कि दो अलग-अलग नंबर से कॉल कर आरोपी उसे और पति को परेशान कर रहा है। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक रवींद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

मंडी स्थल कहीं और बनाकर व्यापारियों को करें आवंटन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- संयुक्त व्यापार मंडल के व्यापारियों ने दीवान बाजार में की बैठक

अमृत विचार : संयुक्त व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश की बैठक गुरुवार को शिविर कार्यालय दीवान में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जॉनी ने की। उन्होंने कहा कि नवीन मंडी स्थल मझोला में लगभग 550 व्यापारियों के लाइसेंस बनाए गए जबकि 258 आढ़तियों की दुकान हैं।

उन्होंने बताया कि मंडी लगभग 40 वर्ष पुरानी हो गई है जो दुकान पहले बनी हुई थी वह सवा मीटर नीचे सड़क से हो गई है। जलभराव से सड़क की हालत जर्जर रहती है। मंडी में आसपास के निवासियों के लिए रास्ता खोलने से आवागमन बना रहता है। फूड कॉरपोरेशन के गोदाम भी अंदर है। दुकानदारों ने कच्चे टीनशेड धूप और पानी से बचने के लिए लगाया है। 40 साल पहले बना मंडी स्थल आज भी सुविधाओं के लिए तरस रहा है।

संयुक्त व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता ने मांग की कि मंडी स्थल का पुनर्निर्माण किया जाए या किसी और जगह बनाकर 550 लाइसेंसी व्यापारियों को बसाया जाए। इस मांग को मंडी सचिव को बताया गया लेकिन उन्होंने अनसुनी कर दी। तब नगर विधायक रितेश गुप्ता ने मंडी सचिव से फोन पर बात की थी।

उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि मांग की कि मंडी का पुनर्निर्माण कराकर गेट बंद करने और एफसीआई के गोदाम को अन्यत्र बनाया जाए। मंडी सचिव को निलंबित करने की मांग की। बैठक में सुप्रीत खन्ना, राजेंद्र गुप्ता, मनी आनंद, विशाल अग्रवाल, सैयद यूसुफ राजा, विकास, आकाश, शुभम यादव, राजेंद्र प्रजापति, राहुल भटनागर, दीपक आदि मौजूद रहे।

मंडी के माहौल पर प्रशासन व जन प्रतिनिधियों की नजर, बरती जा रही सतर्कता

पुलिस सुरक्षा में चला कामकाज, सहमे हैं सचिव और कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 28 जुलाई को मंडी सचिव के कार्यालय में घुसकर की गई थी मारपीट

अमृत विचार : मंडी के माहौल पर गुरुवार को प्रशासन व जन प्रतिनिधियों की भी नजर रही। हर पल के माहौल को लेकर सभी सतर्क रहे। आढ़ती के सुसाइड के बाद मंडी में संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन और पुलिस अधिकारी हर गतिविधि पर नजर रखे हैं।

28 जुलाई को मंडी सचिव के कार्यालय में घुसकर मारपीट के मामले के बाद हर दिन यहां सबकी निगाहें टिकी है। खुद को विधायक बताने वाले व्यक्ति के साथ 20-25 लोगों ने मंडी सचिव के कार्यालय कक्ष में घुसकर उनके साथ मारपीट करने और कार्यालय में तोड़फोड़ के बाद यहां का माहौल संवेदनशील हो गया। हालांकि पहले भी मंडी में अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर विधायक और एक राजनीतिक दल के लोग धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। मंडी में अवैध निर्माण व अतिक्रमण को लेकर मंडी प्रशासन व जिला प्रशासन की कार्रवाई का कुछ लोग निजी स्वार्थ के लिए विरोध जताते रहते हैं। आढ़तियों के माध्यम से वोट बैंक की राजनीति साधी जाती है। 30 जुलाई को आढ़ती के छत से कूदकर जान देने के बाद मुरादाबाद भ्रमण पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने परिवार वालों से पोस्टमार्टम हाउस में मुलाकात की थी। गुरुवार को मंडी पर सबकी नजर गड़ी रही। पुलिस सुरक्षा में कार्यालय में भी कामकाज चला। मंडी सचिव अभी भी अराजक तत्वों की पिटाई से सहमे हैं। कर्मचारियों के चेहरे पर भी डर है।

मृतक आढ़ती के परिजनों से मिले कांग्रेसी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मंडी समिति के आढ़ती चेतन सैनी की आत्महत्या के बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पीड़ित परिवार से मिला और संवेदना प्रकट की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने परिजनों को पक्की दुकानें देने, नुकसान की भरपाई करने, आश्रित को नौकरी देने और दोषी अधिकारियों पर हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर ने टीम के साथ पीड़ित परिवार से मिलने की घोषणा की थी। प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से इस मुलाकात को रोकने का प्रयास किया, लेकिन गुम्बर ने इसे राजनीति से इतर सामाजिक दायित्व बताया। अंततः चौकी प्रभारी बुध बाजार व मझोला पुलिस की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं को मृतक के परिजनों से मिलने दिया गया। नेताओं ने पीड़ित परिवार की प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से फोन पर वार्ता भी कराई। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा, दुकानें, नौकरी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई। हालांकि, सुरक्षा कारणों से केवल प्रवक्ता सुधीर पाठक, विवेक गुप्ता, मोहम्मद. अब्बास और विजयराज सैनी को ही पुलिस अभिरक्षा में पीड़ित परिवार से बातचीत करने दी गई। कई नेताओं को जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर के निवास पर ही रोक दिया गया था।

मृतक आढ़ती चेतन के परिजनों से मुलाकात करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

आनंद मोहन बने बार अध्यक्ष, 822 वोटों से जीते

अमीरुल हसन जाफरी को हराया, महासचिव पद पर कपिल गुप्ता ने 41 वोट से दर्ज की जीत

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी के आनंद मोहन गुप्ता अध्यक्ष तो कपिल गुप्ता महासचिव बन गए है। आनंद मोहन ने अमीरुल हसन जाफरी को 822 वोटों से हरा दिया। जबकि महासचिव के कड़े मुकाबले में कपिल गुप्ता ने राजेश कुमार को 41 वोटों से हराकर जीत प्राप्त की। कोषाध्यक्ष के दो प्रत्याशी के वोट-वोट मतगणना में बराकर निकले। दोबारा मतगणना होने पर अजय बंसल ने पारुल अग्रवाल को दो वोटों से हरा दिया। जीत के बाद सभी पदाधिकारियों के समर्थकों ने ढोल पर थिरकते हुए खुशी जाहिर की। एक दूसरे को मिठाई खिलाई। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ने शहर में विजयी जुलूस निकाला।

दि बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए मतदान 29 जुलाई को हुआ था। 2221 अधिवक्ताओं ने मतदान किया था। बुधवार की सुबह दस बजे से मतगणना शुरू हो गई थी, लेकिन शाम 6.30 बजे

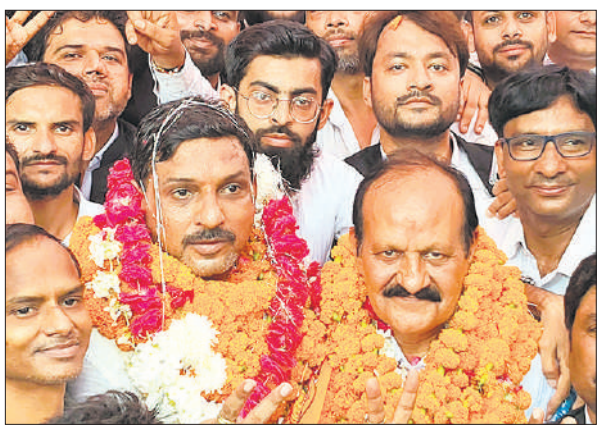

समर्थकों के साथ अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता व महासचिव कपिल गुप्ता। ● अमृत विचार

वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अंजार हुसैन विजयी घोषित। ● अमृत विचार

- दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी का चुनाव, अध्यक्ष ने निकाला विजयी जुलूस

16 राउंड की मतगणना के बाद मतगणना को रोक दिया गया था। गुरुवार की सुबह फिर से दस बजे से मतगणना शुरू की गई। सबसे पहले महासचिव पद का परिणाम घोषित किया गया। इसके बाद अध्यक्ष पद के परिणाम भी घोषित कर दिया। अध्यक्ष पद के आनंद मोहन को कुल 1509 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अमीरुल हसन को केवल 687 वोट प्राप्त हुए। जीत के बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और शहर में भव्य विजयी जुलूस निकाला।

महासचिव पद पर मुकाबला बेहद कड़ा रहा। कपिल गुप्ता और राजेश कुमार के बीच कांटे की टक्कर हुई। कपिल गुप्ता को 531 वोट मिले तो राजेश कुमार को 490 वोट मिले। कपिल गुप्ता ने 41 वोटों से बढ़त बनाकर महासचिव पद पर जीत हासिल की। यह जीत उनके समर्थकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं रहा।

अजय बंसल कोषाध्यक्ष निर्वाचित

कोषाध्यक्ष पद के लिए शुरुआत से ही कड़ा मुकाबला चल रहा था। मतगणना पूरी होने के बाद अजय बंसल और पारुल अग्रवाल को 773-773 वोट मिले। इसके बाद दोनों प्रत्याशियों ने दोबारा से मतगणना कराने की मांग की। दोबारा मतगणना हुई तो अजय बंसल के 774 वोट मिले और पारुल अग्रवाल को 772 वोट मिले। जिसके बाद अजय बंसल को दो वोटों से विजयी घोषित कर दिया गया।

आढ़तियों ने प्रशासन से मांगा नुकसान का मुआवजा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- मंडी सचिव से मारपीट के बाद हुई कार्रवाई पर आढ़तियों ने जताया आक्रोश

अमृत विचार : मंडी समिति के सचिव के साथ विधायक द्वारा मारपीट करने के मामले के बाद मंडी में आढ़तियों पर चले बुलडोजर से आढ़ती नाराज हैं। गुरुवार को मंडी समिति परिसर में आढ़तियों ने बैठक की। इसमें मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बजाय निर्दोष आढ़तियों पर कार्रवाई कर उनका नुकसान पहुंचाने पर नाराजगी जताकर क्षतिपूर्ति की मांग की गई।

आढ़तियों ने एक स्वर में प्रशासन की कार्रवाई की निंदा की। फल-सब्जी विक्रेता कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने बताया कि प्रशासन को मारपीट करने वालों पर कार्रवाई करनी चाहिए थी। इसके बजाय कमजोर आढ़तियों को क्षति पहुंचाई। किसानों के सामान का नुकसान कर दिया। बताया कि शुक्रवार को मंडल स्तरीय बैठक होगी। जिसमें मंडल भर के आढ़ती यूनियन के अध्यक्ष शामिल होंगे। इसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मंडी समिति में आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

पति व ससुर पर फैसला करने के दबाव में धमकी देने का आरोप

पाकबड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के कस्बा की निवासी प्रियांशी सक्सेना ने अपने पति प्रियांशु सक्सेना एवं ससुर प्रदीप सक्सेना के खिलाफ तहरीर देकर बताया कि उसका ससुरालियों से पारिवारिक विवाद चल रहा है।

30 अप्रैल को उसके पिता नरेश चंद्र सक्सेना के व्हाट्सएप नंबर पर पति प्रियांशु सक्सेना के नंबर से धमकी भरी कॉल आई। पिता व भाइयों को जान से मारने की धमकी दी। कुछ समय बाद ही भाई आशुतोष सक्सेना का एक्सीडेंट करा दिया गया। 14 जुलाई को धमकी भरा पत्र स्पीड पोस्ट से आया जिसमें ससुराल का पता लिखा था। ससुर प्रदीप सक्सेना ने धमकी दी थी कि मुकदका वापस लेकर पक्ष में गवाही दे दो। पीड़िता ने पति एवं ससुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि महिला की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

संविदा कर्मी को हटाने का आदेश भाकियू ने किया था धरना- प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- डीटीआई शाखा में किसानों से रुपये की मांग करने का था आरोप

अमृत विचार: डीटीआई शाखा में कार्यरत रिश्वतखोरी के आरोपी संविदा कर्मचारी पर आखिरकार कार्रवाई हो गई है। इसके खिलाफ भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने संभागीय परिवहन विभाग के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन भी किया था। जिसका संज्ञान लेकर निदेशालय ने आरोपी संविदा कर्मचारी को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश जारी कर दिया है। संभागीय परिवहन अधिकारी को विभागीय मेल भेजी गई है।

गुरुवार को संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि डीटीआई शाखा में स्मार्ट चिप कंपनी की ओर रिंकू नाम का कर्मचारी कार्यरत था। जिसको लेकर भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी शुभम राठी और जिलाध्यक्ष धीरेंद्र शर्मा ने किसानों से लाइसेंस के नाम अवैध वसूली करने के विरोध प्रदर्शन किया था।

इस मामले की रिपोर्ट निदेशालय को भेजी गई थी। जिसमें उन्होंने संबंधित संविदा कर्मचारी के खिलाफ जांच कर उसे हटाने की संस्तुति की थी। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया था कि स्मार्ट चिप कंपनी की जगह किसी दूसरी सेवा प्रदाता कंपनी को चयनित किया जाए। कई किसानों ने इसको लेकर शिकायत दर्ज कराई थी।

> मेल तीन चार दिन पहले ही आ गई है। संबंधित संविदा कर्मचारी की आईडी बंद कर दी गई है। जिसका मतलब कार्य से हटाना है। वहीं शुभम राठी ने बताया कि संभागीय परिवहन अधिकारी ने इसके लिए आश्वासन दिया था।
>
> - आंज्यनेय कुमार, एआरटीओ प्रशासन

आज स्थायी डिपो से नहीं चलेंगी रोडवेज बसें

मुरादाबाद, अमृत विचार : सावन के आखिरी सोमवार को महानगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से रोडवेज प्रशासन ने बसों का संचालन शुक्रवार से डिपो से बंद करेगा। शुक्रवार से सोमवार दोपहर तक अस्थायी बस स्टैंड से रोडवेज की बसों का संचालन किया जाएगा।

शुक्रवार से यात्री निर्धारित अवधि तक अस्थायी बस स्टैंड से ही यात्रा कर सकेंगे। स्थानीय पुलिस और प्रशासन द्वारा यातायात की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान तीन अस्थायी स्टैंड बनाए गए हैं। रामपुर बरेली जाने के प्रेम वंडरलैंड पुल के नीचे , संभल चंदौसी, अलीगढ़ ,बहजोई, बदायूं मेरठ गाजियाबाद दिल्ली जाने के लिए ट्रांसपोर्ट नगर और हरिद्वार और बिजनौर मुजफ्फरनगर जाने के कांठ रोड शेरूआ धर्मपुर चौराहे पर अस्थाई बस स्टैंड बनाए गए हैं।

अवैध खनन करने वालों पर कार्रवाई ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को उनके कार्यालय सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व प्रगति की मंडलीय समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने बिक्री व्यापार कर एवं निबंधन, परिवहन, खनन, आबकारी, राजस्व, विद्युत आदि विभागों की समीक्षा कर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कहा कि अधिकारी ऑडिट आपत्तियों का समय से निस्तारण कराएं।

मंडलायुक्त ने कहा कि लंबित आडिट आपत्तियों का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट भेज दें। व्यापार कर में मंडल की प्रगति वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष 17 प्रतिशत व परिवहन विभाग की मंडल में लक्ष्य के सापेक्ष 21.84 प्रतिशत वसूली पर बढ़ाने के लिए कहा। अवैध खनन के विरुद्ध प्रवर्तन कार्य की प्रगति खराब होने पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कर करेत्तर व राजस्व प्रगति की बैठक करते मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह व मौजूद अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

अनफिट बसों के संचालन पर सख्ती, मनमानी कर रहे स्कूलों की मान्यता करें निरस्त:मंडलायुक्त

मंडलायुक्त ने मंडल के सभी आरटीओ को निर्देश दिया कि ई-रिक्शा को कंट्रोल करें, पुलिस की मदद लें और ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करें। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों की बसों की फिटनेस नहीं हुई है, उन्हें नोटिस जारी करें और गंभीर लापरवाह स्कूलों की मान्यता निरस्त करने की कार्रवाई करें। बैठक में डीएम मुरादाबाद अनुज सिंह, डीएम बिजनौर जसजीत कौर, डीएम अमरोहा निधि गुप्ता वत्स, डीएम रामपुर जोगिंदर सिंह, डीएम संभल राजेंद्र पैंसिया के साथ ही सभी जिलों के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व अन्य विभागों के मंडलीय अधिकारी मौजूद रहे।

ओटीएस डिफाल्टर योजना: 16.55 करोड़ बकाए का 10 प्रतिशत भी नहीं हुआ जमा

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

- योजना की प्रगति जिले में निराशाजनक
- बड़े बकायेदारों के घर तक नहीं पहुंच पाए कर्मचारी

अमृत विचार : बिजली विभाग की ओटीएस (वन टाइम सेटलमेंट) डिफाल्टर योजना की जिले में प्रगति निराशाजनक है। 16.55 करोड़ रुपये की बकाया धनराशि में से अब तक सिर्फ 10 प्रतिशत की वसूली भी नहीं हो पाई है।

अधीक्षण अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि देहात वितरण खंड में 4 लाख 25 हजार और नगर में 4 लाख 59 हजार की वसूली की गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पुराने बकायेदारों को राहत देकर बकाया राशि की वसूली करना था। लेकिन विभाग के प्रयासों में गंभीरता की कमी साफ नजर आ रही है। जिसमें शहर के सापेक्ष देहात वितरण खंडों दस से बारह गुना बकाया है। बड़े बकायेदारों के घर तक विभागीय कर्मचारी नहीं पहुंच पाए। जिसका परिणाम वसूली में काफी कमी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग केवल छोटे उपभोक्ताओं पर ही ध्यान केंद्रित कर रहा है। जबकि जिन उपभोक्ताओं पर लाखों रुपये का बकाया है, उन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही।

बिल जमा फिर भी काट दिया बिजली कनेक्शन

मुरादाबाद, अमृत विचार : शहर के ताड़ीखाना पारकर रोड क्षेत्र में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। उपभोक्ता प्रिया मलिक का बिजली कनेक्शन है। उनके बेटे का आरोप है कि बिल भुगतान करने के बाद भी बकायेदार दर्शाते हुए कनेक्शन काट दिया गया। पीड़ित उपभोक्ता प्रिया मलिक के बेटे विक्की ने क्षेत्रीय अवर अभियंता (जेई) पर मनमानी करने और बिना जांच के कनेक्शन काटने का आरोप लगाया है। इसकी शिकायत उपभोक्ता ने अधिशासी अभियंता से भी की है। आरोप है कि 21 जुलाई को किए गए भुगतान की रसीद भी दिखाई लेकिन कोई सुनवाई नहीं की और कनेक्शन काटने का आदेश दे दिया। अधीक्षण अभियंता को लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई है।

अब सीसीटीवी से होगी गोशालाओं की निगरानी

मुरादाबाद, अमृत विचार: जिले की 30 गोशालाओं में गोवंश की बेहतर देखरेख और सुरक्षा के लिए अब सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। डीएम अनुज सिंह ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया है कि जिले की सभी गोशालाओं की परिधि का आंकलन कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सुनील दत्त प्रजापति ने बताया कि जिले की 30 गोशालाओं में वर्तमान में 7,500 गोवंश रह रहे हैं। इन गोशालाओं में निगरानी की व्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से हर गोशाला में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की लाइव फीड खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और जिला विकास अधिकारी के मोबाइल फोन से लिंक की जाएगी। जिससे किसी भी समय और किसी भी स्थान से निगरानी की जा सके।

योजना का लेखा-जोखा | तीन साल में 29 .87 लाख के सापेक्ष 18 .81 लाख की बनीं आभा आईडी

जागरुकता का अभाव, आईडी बनवाने से कतरा रहे लोग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- जिला अस्पताल में पंजीकरण काउंटर पर मरीजों की बनवाई जा रही आईडी

अमृत विचार : आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा आईडी) बनाने में जिले की प्रगति अच्छी नहीं है। तीन साल में अभी तक केवल 18.81 लाख लोगों की आभा आईडी बन सकी है। सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं शहरी क्षेत्र के भी कई लोगों को आभा आईडी के बारे में जानकारी ही नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कभी जिले में लोगों को इसके प्रति जागरूक ही नहीं किया गया। यही कारण है कि आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को भी कार्ड बनवाने में दिक्कतें आ रही हैं। वहीं, जिला अस्पताल में आने वाले मरीज जानकारी के अभाव में खुद आईडी बनवाने से कतरा रहे हैं।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिले में 2022 में आभा आईडी बनाने की योजना शुरू हुई थी। जिले का लक्ष्य 29.87 लाख है। इसके सापेक्ष अब तक 18.81 लाख लोगों की आभा आईडी बन पाई है। प्रमुख अधीक्षक एवं अपर निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता ने बताया कि जिला अस्पताल में 1.50 लोगों की आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं। अस्पताल की ओपीडी में इलाज के लिए पर्चा बनवाने, टीकाकरण कराने के लिए आने वाले सभी लोगों की आभा आईडी बनाई जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है जल्द ही लक्ष्य के सापेक्ष कार्ड बना दिए जाएंगे, लेकिन लक्ष्य पूरा होता नहीं दिख रहा है। इसका कारण जमीनी स्तर पर प्रचार- प्रसार और जानकारी का अभाव है। लोगों का डिजिटल स्वास्थ्य खाता तैयार किया जा रहा है। इसमें मरीज की बीमारी, दवा और इलाज का डाटा रहेगा। इस आईडी के माध्यम से मरीज को अस्पताल में लाइन लगाकर पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अस्पताल में लगे बार कोड को स्कैन करके आप अपना स्वयं पंजीकरण कर सकते हैं। इसके बाद चिकित्सकों को भी दिखा सकते हैं। इससे मरीज के पूर्व में चले इलाज की भी जानकारी खुद ही मिल जाएगी। उसी आधार पर वह इलाज शुरू कर देंगे।

क्या है आभा आईडी

आभा कार्ड एक डिजिटल हेल्थ कार्ड होता है। इसमें लोगों का मेडिकल रिकॉर्ड रहता है। कब बीमार हुए, क्या इलाज चला, किस डॉक्टर को दिखाया, बीमारी से संबंधित कौन-कौन सी जांच हुई, कौन-कौन सी दवाइयां लिखी गईं आदि रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है। आभा आईडी बनने से अस्पताल में बनने वाले पर्चे संभालकर रखने की जरूरत नहीं है। आभा कार्ड की मदद से पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। दोबारा कभी अगर आप बीमार होते हैं और डॉक्टर के पास जाते हैं, तो डॉ. आपकी आभा आईडी से पुराने चले उपचार का पता कर इलाज शुरू करेंगे।

> आईडी बनाने का कार्य जिला अस्पताल के साथ ही सभी 59 सीएचसी और पीएचसी पर तेजी से चल रहा है। आशा कार्यकर्ता, सीएचओ और एएनएम को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। हर सप्ताह इस समीक्षा की जा रही है।
>
> - डॉ. कुलदीप सिंह, सीएमओ

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार,1अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बुलेट की टक्कर से दो युवक घायल

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांवलालपुर गोसाई निवासी सुरेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 जुलाई की रात 9 :45 बजे उनका बेटा दीपेंद्र सिंह, राजीव चौहान काशीपुर फैक्ट्री में पेपर देने जा रहे थे। काशीपुर ठाकुरद्वारा मार्ग स्थित सहारा हॉस्पिटल के पास सामने से तेज रफ्तार बुलेट चालक ने बाइक में टक्कर मार दी जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए काशीपुर भेजा गया। हालत नाजुक बताते हुए उन्हें मुरादाबाद के लिए रेफर किया गया । लेकिन दीपेंद्र की हालत अत्यधिक खराब होने पर ऋषिकेश स्थित एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है ।पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बुलेट बाइक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है ।

एसडीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

कांठ, अमृत विचार : 4 अगस्त को सावन माह का अंतिम सोमवार है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का जन सैलाब हाईवे पर लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को एसडीएम संत दास पवार ने कांवड़ पथ एवं नगर की सड़कों पर घूमकर कांवड़ यात्रा की सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्य मार्गों पर सफाई व्यवस्था, बिजली व्यवस्था आदि का निरीक्षण कर शिविर में चिकित्सा सुविधा, आपात कालीन व्यवस्था आदि का जायजा लिया।

सड़क दुर्घटना में कांवड़िया की मौत, एक गंभीर घायल

डिलारी के धारक नगला के तीन युवक हरिद्वार से ला रहे थे गंगाजल

संवाददाता, डिलारी

अमृत विचार : जलाभिषेक के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे तीन कांवड़ियों को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में एक कांवड़िया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक सुमित।

- सड़क किनारे बैठकर कर रहे थे आराम, अनियंत्रित बाइक ने मारी टक्कर

घटना बुधवार रात करीब 10 बजे की है। तीनों युवक सुमित (25), सतवीर और राजीव हरिद्वार से 51-51 लीटर गंगाजल लेकर धारक नगला लौट रहे थे। कोतवाली अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव मनोहरवाली के पास थकान के कारण वह सड़क किनारे बैठकर आराम करने लगे, तभी पीछे से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुमित की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका साथी सतवीर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल पुलिस की सहायता से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। राजीव को कोई चोटें नहीं आई हैं। पुलिस ने सुमित का शव बिजनौर में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार मां-बेटे को मारी टक्कर, महिला की मौत

भोजपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अक्का भीखनपुर तिराहे पर बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने सामने की टक्कर में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। बेटा मामूली रूप से घायल हो गया।

गुरुवार को मोहल्ला घासमंडी निवासी मुस्तकीम सैफी मां रौशन जहां (48) पत्नी अलाउद्दी को मुरादाबाद से दवाई दिलवाकर बाइक से घर को लौट रहा था। पीपलसाना इस्लामनगर मार्ग पर गांव अक्का भीखनपुर तिराहे पर गनीमत नगर दिशा से तेज गति से आ रहे सीमेंट से भरे अनियंत्रित ट्रैक्टर चालक ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बेटे के मामूली चोटें आई। ग्रामीणों की मदद से बेटा घायल मां को उपचार के लिए महानगर स्थित निजी अस्पताल को ले गया। उपचार के दौरान कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक ने बताया महिला का शव अस्पताल में रखा हुआ है। परिजनों ने पुलिस को अभी कोई तहरीर नही दी है।

अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : एसएसपी के निर्देश पर डिप्टी एसपी ने गुरुवार को कोतवाली परिसर में उपनिरीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, लंबित प्रार्थनापत्रों और आईजीआरएस मामलों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

डिप्टी एसपी रुद्र कुमार सिंह ने कोतवाली पहुंचकर सबसे पहले अभिलेखों की जांच की और उपनिरीक्षकों का ओआर (ऑर्डर रजिस्टर) चेक किया। इसके बाद उन्होंने लंबित विवेचनाओं, शिकायतों और जनसुनवाई से संबंधित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामले समयबद्ध रूप से और पूरी गंभीरता से निपटाए जाएं ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके और पुलिस की छवि मजबूत हो। उन्होंने आगामी त्योहारों और जयंतियों को ध्यान में रखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त और खुफिया निगरानी सुनिश्चित की जाए।डिप्टी एसपी ने कहा कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखना और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस क्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी जसपाल सिंह, क्राइम इंस्पेक्टर संजय कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक बिजेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह, किरंत पंवार, बलराम दीक्षित सहित कोतवाली के सभी उपनिरीक्षक मौजूद रहे ।

ठाकुरद्वारा कोतवाली में बैठक लेते डिप्टी एसपी रुद्र कुमार सिंह। ● अमृत विचार

- डिप्टी एसपी ने ठाकुरद्वारा कोतवाली में आयोजित समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

मित्रता का हवाला दे 30 हजार रुपये की ठगी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : मित्रता का हवाला देकर साइबर ठग ने 30 हजार रुपये अपने अकाउंट में डालवा लिये । ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम तो ऑनलाइन तहरीर भेजी ।

कोतवाली क्षेत्र के गांव शरीफ नगर निवासी सचिन कुमार एक पब्लिक स्कूल में शिक्षक है । 30 जुलाई को सचिन के मोबाइल पर फोन आया। युवक ने खुद को उसका मित्र बताते हुए कहा कि अमेरिका से घर लौट रहा हैं । दिल्ली एयरपोर्ट पर वहां की पुलिस ने रोक लिया है । उसके पास विदेशी करेंसी है । 55000 रुपये उसके खाते में डाल दें । सचिन ने कहा कि वह उसे नहीं जानता। उधर से युवक ने खुद का नाम डॉ. जार्ड युसूफ बताया। कहा कि तुम मेरे बचपन के मित्र हो । सचिन झांसी में आ गया। उसने अपने मित्र शरीफ नगर निवासी संजीव कुमार से 30 हजार रुपये बताए गए अकाउंट नंबर में डलवाए । रकम पहुंचते ही उक्त व्यक्ति ने अपना नंबर बंद कर दिया । बार-बार फोन करने के बाद सचिन को ठगी का एहसास हुआ । उसने साइबर क्राइम को ऑनलाइन तहरीर भेज रकम वापस दिलाए जाने की मांग की ।

गैरहाजिर चल रहे दो वारंटी गिरफ्तार

कांठ, अमृत विचार : थाना कांठ के ग्राम शाहपुर निवासी सोनू, मोनू उर्फ भूपेंद्र के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा चल रहा है।

काफी दिनों से वह न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ तो अदालत ने दोनों भाइयों के गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिए थे। गुरुवार को पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री से मिले कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह

मुख्यमंत्री से मुलाकात करते कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह, साथ में महापौर व अन्य।

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कुंदरकी के विधायक रामवीर सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

विधायक ने बताया कि कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों, जनहित से जुड़े मुद्दों और परियोजनाओं पर चर्चा हुई। कुंदरकी में चल रही विकास परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन प्रेरणादायी एवं विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त करता है। भेंट के दौरान महापौर विनोद अग्रवाल, रविंदर पाल सिंह भी मौजूद रहे।

बाइक खड़ी करने के विवाद में महिलाओं सहित चार को पीटा

छजलैट, अमृत विचार: छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम फत्तेपुर विश्नोई निवासी छोटे सिंह व राजेंद्र आदि में रास्ते में बाइक खड़ी करने को लेकर 28 जुलाई को कहा सुनी के के बाद गाली गलौज होने लगी। शोर शराबा सुनकर राजेंद्र पक्ष के जितेंद्र उर्फ छोटू, अशोक, सूरज, जिशु ग्राम फत्तेपुर विश्नोई, राजीव निवासी पीतल नगरी लाठी डंडे लेकर आ गए और उन्होंने छोटे, उसकी पत्नी, पुत्र धर्मेंद्र, पुत्रवधू पूजा चारों के साथ लाठी डंडों से मारपीट की और गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों को लेकर परिजन थाना छजलैट पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सभी छह आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर घायलों का उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांठ भेज दिया है और मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

भाजपा कार्यकर्ता चेतन सैनी के निधन पर की शोकसभा

कार्यकर्ता के निधन पर मौन धारण कर श्रद्धांजलि देते भाजपाई। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार: मंडी समिति प्रकरण मेंकार्यकर्ता चेतन सैनी के आत्महत्या करने पर भाजपा मंडल के कैंप कार्यालय पर शोक प्रकट किया। मृत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरुवार को नगर मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता एडवोकेट ने सरकार से दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की। जिससे कार्यकर्ता के परिवार को न्याय मिले सके। शोकसभा पर मण्डल अध्यक्ष विकास गुप्ता एडवोकेट, मंडल अध्यक्ष पारस शर्मा, विधानसभा संयोजक विश्वास यादव, मंडल महामंत्री मनोज ठाकुर, मंडल उपाध्यक्ष मेघपाल सिंह, प्रशांत चौधरी, नवनीत यादव, संजय शर्मा, अखिल कुमार, अतुल शर्मा, प्रदीप चौधरी, पंकज चौहान, इमरान पाशा आदि उपस्थित रहे ।

संभल के युवक का बिलारी में मिला शव

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र की ग्राम ढकिया नरू के जंगलों में सड़क किनारे धान के खेत में एक अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने अज्ञात में पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिजनों को व्हाट्सएप पर फोटो के जरिए घटना की जानकारी हुई।

संभल के थाना कुढ फतेहगढ़ के गांव मिठनपुर मौजा निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि उनका भाई किशन वीर(35) पुत्र पर्वत सिंह बुधवार की शाम घर से स्योंडारा बाजार से सब्जी लेने की बात कह कर निकाला था । देर रात तक वह घर नहीं लौटा। फोन बंद आ रहा था, देर रात तक खोजबीन की पर पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह व्हाट्सएप ग्रुप पर आए फोटो से उन्हें जानकारी हुई। बताया कि मां-बाप की पहले ही मौत हो गई है।

वह तीन भाई हैं बड़े भाई सतपाल यादव की एक महीने पहले मौत हुई है। तीनों अपने परिवार के साथ अलग रहते थे। किशन वीर किसान था। उसके परिवार में पत्नी पिंकी व डेढ़ साल का बेटा है। कोतवाली प्रभारी अमरनाथ वर्मा ने बताया कि मौत की सही वजह पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी। परिवार द्वारा तहरीर देने पर कार्रवाई की जाएगी।

- बुधवार की शाम घर से बाजार जाने को कहकर निकला था किशन वीर
- गुरुवार की सुबह राहगीरों ने देखा शव, पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

बिलारी में घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति से बांधा समां

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज (मुसांस) की ओर से गुरुवार की शाम महानगर के एक शादी हॉल में इंद्रधनुष सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद के साथ दीपक बाबू, सुरेश चंद्र अग्रवाल, अनिता गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में डॉ. अर्चना गुप्ता द्वारा रचित व साध्वी गुप्ता द्वारा संगीत में पिरोया गया मुसांस ध्येय गीत प्रस्तुत किया गया।कोषाध्यक्ष ममता गर्ग ने रिपोर्ट पढ़ी। सचिव डॉ पंकज अग्रवाल तथा भारती अग्रवाल और श्रुति व मनीष गोयल ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया।

- मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज की ओर से इंद्रधनुष सांस्कृतिक संध्या आयोजित
- कुशल संचालन के लिए भारती व अर्चना समेत सभी प्रतिभागियों को किया सम्मानित

कविता पाठ सुबोध भारद्वाज ने किया। विशेष आकर्षण रही नाटिकाएं रूही व सुषमा रस्तोगी ने जहां सास बहू की हास्य झलकी प्रस्तुत की वहीं सीमा खन्ना व संदीप मेहरोत्रा ने झलकी से गुदगुदाया। अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने सभी का आभार जताते हुए भविष्य में भी अपनी संस्था के सदस्यों द्वारा अधिक से अधिक विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम कराने का आश्वासन दिया। कुशल संचालन के लिए भारती व अर्चना के साथ ही सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया।

दर्पण अग्रवाल ने संचालन कर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजिका भारती अग्रवाल व अर्चना जैन ने हाऊजी खिला सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कराए। संगीता भटनागर, अजीत अग्रवाल, संदीप रस्तोगी, अंजना गुप्ता, रेनु गुप्ता, करण सिंह ने गीतों से तीज, जन्माष्टमी व स्वतंत्रता दिवस आदि पर्वों की सुगंध बिखेरी। पूनम रस्तोगी ने एकल व अनुज

घर से सामान लेने गई किशोरी से दुष्कर्म, केस दर्ज

पाकबड़ा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री बुधवार दिन में 2 बजे दही लेने गई थी। आसपास ढूंढा तो फटे कपड़ों में बदहवास हालत में करीब 4:00 घर पहुंची। रोते हुए उसने बताया कि वापसी में गांव निवासी फैजान उसे खंडहर में ले गया और जबरदस्ती कर दुष्कर्म किया। पिता ने थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पिता की ओर से मुकदमा पंजीकृत किया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्दी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बारिश से राहत, जलभराव बना आफत

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : दो दिन से मौसम खुश गवार है। कभी बारिश तो कभी बादल छाए रहने से उमस भरी गर्मी से राहत है। वहीं रुक-रुक कर हो रही बारिश आफत भी बनती दिख रही है। गुरुवार को आधा घंटे की बारिश से जहां जगह-जगह नाले उफ़ना गए, तो वहीं नालों से बाहर निकला पानी सड़कों पर बहता दिखाई दिया।

- कांठ के मोहल्ला पट्टीवाला के वाशिंदे परेशान

कांठ नगर में रामलीला मार्ग,मोहल्ला फकीरगंज, संत रविदास धर्मशाला, पट्टीवाला मार्ग आदि स्थानों पर सड़के नदियों जैसी दिखाई दीं। वहीं दूसरी ओर किसानों ने इस बारिश को गन्ने एवं धान की फसल के लिए लाभदायक बताया है। इस बारिश से किसानों के चेहरे खिले खिले नजर आ रहे है।

नगर के मोहल्ला पट्टीवाला में हुआ जलभराव। ● अमृत विचार

कॉलोनी दिलाने के नाम पर रुपये ठगे

भोजपुर, अमृत विचार: मोहल्ला बगियवाला निवासी ग्रामीण नवी हसन अल्वी ने नगर पंचायत कार्यालय में तैनात संविदा कर्मी एवं कॉलोनी का सर्वेक्षण करने वाले युवक पर आवास के नाम पर रुपए ठगने का आरोप लगाया है।

ग्रामीण का आरोप है कि रुपये दिए चार वर्ष हो गए पर आवास के लिए धन का आवंटन नही हुआ। बरसात होने पर छत टपक रही है। छत गिरने के डर से रातें जागकर बिता रहे है। बता दें प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत मकान का निर्माण कराने के लिए निर्धनों को सरकार द्वारा ढाई लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। ग्रामीण का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

धर्म कर्म | जलाभिषेक के लिए हरिद्वार और बृजघाट से जल भरने जा रहे कांवड़िये, कई जत्थे जल लेकर लौट रहे, सावन के आखिरी सोमवार को करेंगे जलाभिषेक

जुबां पर भोले का नाम, पांव के छालों की फिक्र नहीं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: सावन के आखिरी सोमवार 4 अगस्त को जलाभिषेक करने के लिए गुरुवार को कांवड़िये हरिद्वार और बृजघाट से जल भरने और कई कांवड़ बेड़े जल लेकर लौट रहे थे। कांवड़िये बोल बम, हर हर महादेव का जयघोष कांठ और दिल्ली रोड से होकर गंतव्य की ओर जा रहे थे।

कांवड़ियों को यात्रा के दौरान लंबी दूरी में न तो अपने पांव के छालों की फिक्र है और न उबड़ खाबड़ रास्ते पर चुभने वाले कंकड़ पत्थर की। वह तो शिव की भक्ति में लीन होकर जुबां पर बस भोलेनाथ का नाम लेकर आगे बढ़ते जा रहे हैं। बड़े कांवड़ बेड़े भी डीजे के साथ रवाना हो रहा है। वहीं कांठ और दिल्ली रोड पर कांवड़ मार्ग पर सेवा शिविरों में शिवभक्तों की सेवा करने में लोग जुटे हैं। वह शिवभक्तों की सेवा कर खुद को धन्य समझ रहे हैं। व्यवस्था बनानो में जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी जुटे हैं। कांवड़ पथ पर सफाई, प्रकाश, पेयजल, यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में अधिकारी और कर्मचारी दिन रात एक कर रहे हैं। जिससे शिवभक्तों को कोई परेशानी या असुविधा न हो। डीएम ने अधिकारियों को अपने स्तर से प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

हरिद्वार से गंगा जल लेकर मुरादाबाद से गुजरते शिव भक्त। ● अमृत विचार

कलश में गंगाजल लेकर आता शिव भक्त।

कांठ रोड से कावड़ लेकर जाते कावड़िया। ● अमृत विचार

कांठ से गुजरता कांवड़ियों का जत्था। ● अमृत विचार

बम बम भोले के जयकारों से शिवमय हुआ वातावरण

कांठ, अमृत विचार : सावन माह के चौथे और अंतिम सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला जारी है। दूरदराज के कांवड़िये कांधे पर कांवड़ धारण कर कांठ से गुजर रहे हैं। गुरुवार को नगर की सड़कों पर कांवड़ियों काफ़ी भीड़ दिखाई दी। लगातार जत्थे कांठ से होकर गुजरते नजर आए। पूरा दिन कांवड़ियों की वापसी होती रही। वहीं हरिद्वार जाने के लिए भी कांड़ियों के वाहन नगर से होकर गुजरते दिखाई दिए। कोई ढोल की थाप पर भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए जाता दिखाई दिया तो कोई डीजे व धार्मिक भजनों पर झूम रहा था। इससे कांठ का वातावरण पूरी तरह से शिव भक्ति में सराबोर हो गया। 4 अगस्त को सावन माह के चौथे एवं अंतिम सोमवार को कांवड़िये क्षेत्र के मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे।

ग्राम प्रधान ने शिकायतकर्ता पर लिखाई मारपीट की रिपोर्ट

संवाददाता, भोजपुर

अमृत, विचार: सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहीं बहेड़ी ब्रहमान की प्रधान ने शिकायतकर्ता के खिलाफ मारपीट,जान से मारने की धमकी एवं गाली गलौज करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में ग्राम प्रधान अल्पना शर्मा ने बताया कि बुधवार की शाम वह अपनी जेठानी अंशू शर्मा के साथ गांव में टहलने निकलीं। विकास कौशिक ने दोनों से मारपीट व गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। उधर आरोपी विकास कौशिक ने बताया कि सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच से बचने के लिए प्रधान ने झूठा मुकदमा लिखाया है। बताया कि वह मुरादाबाद में रहते हैं और मंगलवार को भी मुरादाबाद में थे। मई में डीएम को शिकायती पत्र भेजकर प्रधान के कार्यों की जांच की मांग की थी। इस पर सीडीओ ने जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच के निर्देश दिए । पिछले सप्ताह डीपीआरओ ने सहायक विकास अधिकारी ब्लाक भगतपुर टांडा एवं डिलारी की दो सदस्यीय टीम बना 31 जुलाई तक जांच कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए थे। शनिवार को जांच होनी थी इसलिए मंगलवार को झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। प्रधान ने यह सब दबाव डालने के लिए किया। पर गुरुवार को जांच टीम ने पक्ष और विपक्ष की बातें सुनकर ग्राम विकास अधिकारी से पत्रावली तलव कर जांच में शामिल कर लिया।

- शिकायतकर्ता ने कहा, भ्रष्टाचार की जांच से बचने को लिखाई झूठी रिपोर्ट

आप सभी को सावन माह की हार्दिक शुभकामनाएं

पूरे भारत में सबसे कम फीस में अपने Business का रजिस्ट्रेशन कराएं घर बैठे

REGISTRATION INDIA™©

हजारों संतुष्ट ग्राहक

ITR फाइलिंग मात्र ₹ 999/-

We Provide all consultancy related Services to NGO, Trust, Society, Private Limited Company, GST Registration, ITR Filing, TDS, FSSAI, Income tax

अपना काम Expert CA और Expert Advocate से ही करायें और भविष्य में होने वाली परेशानियों से बचें।

- MSME ₹ 499
- NGO Registration ₹12999
- 12 A ₹4999
- Niti Ayog (NGO Darpan) ₹999
- 80G ₹4999
- E- Anudan ₹999
- Trade Mark ₹7999
- Private Company Registration ₹11999

अपने संस्थान की किसी भी प्रकार की वेबसाइट बनवायें।

ISO Registration ₹4999

Contact: 7500223290 7500277920

T&C Apply

एल.आई.सी. रोड, सिविल लाइन्स, रामपुर 244901 (यू.पी.) Email: teamindia5050@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

कक्षा 9 और 11 में विद्यार्थी प्रवेश लें

रामपुर, अमृत विचार : जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने बताया कि कक्षा 9 और 11 में छात्र-छात्राओं के प्रवेश लेने की अंतिम तिथि 5 अगस्त है। हाईस्कूल कम्पार्टमेंट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं कक्षा 11 में 20 अगस्त तक प्रवेश ले सकते हैं। कक्षा 9 और 11 में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के अग्रिम पंजीकरण शुल्क 50 रुपये प्रति विद्यार्थी की दर से चालान के माध्यम से कोषागार में जमा किया जाएगा। पंजीकरण शुल्क की सूचना और छात्र-छात्राओं के विवरणों को परिषद की वेबसाइट पर 25 अगस्त तक अपलोड कर सकते हैं।

पुरानी पेंशन के लिए विकल्प भरवाने की मांग

रामपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह मौर्य व जिलामंत्री केदार सिंह ने बीएसए को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा कि सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत ऐसे शिक्षक जो पूर्व में शिक्षा मित्र थे। उनका पुरानी पेंशन के लिए विकल्प भरवाने की बीएसए से मांग की। सचिव बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा जारी आदेशानुसार ऐसे शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कार्मिक जिनके चयन के लिए 28 मार्च 2005 से पूर्व विज्ञप्ति जारी हुई हो। उनसे पुरानी पेंशन का विकल्प पत्र जमा करवाना है।

मोबाइल से दूरी बनाकर रहें विद्यार्थी

दलित विद्यार्थी सम्मान समारोह में सम्मानित होने पर मेधावियों के खिले चेहरे

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी मोबाइल से दूरी बनाकर रहें। कहा कि मोबाइल बच्चों की आंखों और उनके मस्तिष्क पर बुरा असर डाल रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि शिक्षा के माध्यम से समाज में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकते हैं। मंडलायुक्त के हाथों सम्मानित होने पर मेधावियों के चेहरे खिल उठे।

गांधी समाधि के निकट गुरुवार शाम वाल्मीकि समाज द्वारा आयोजित दलित विद्यार्थी सम्मान समारोह में वाल्मीकि समाज के सैकड़ों विद्यार्थी और समाज के लोग शामिल हुए। जिसमें हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि मंडलायुक्त ने शील्ड और पेन देकर सम्मानित किया। कहा कि अधिक से अधिक शिक्षा पाकर भविष्य का निर्माण करें और बाबा साहब को अपना आदर्श बनाकर वाल्मीकि

मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह का माला पहनाकर स्वागत करते संगठन के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● वाल्मीकि समाज द्वारा आयोजित किया गया था कार्यक्रम

समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के आयोजक विक्की राज ने मंडलायुक्त के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 49 साल के होने पर 49 पौंड का केक मंडलायुक्त के हाथों केक कटवाकर उनका जन्मदिन वाल्मीकि समाज की मौजूदगी में मनाया। मंडलायुक्त ने आयोजक समेत सभी लोगों का आभार जताया।

आयोजक ने कहा कि वाल्मीकि समाज के लोगों के आयुष्मान कार्ड विशेष शिविर लगवाकर बनवाए जाएं। मंडलायुक्त ने शीघ्र ही शिविर लगवाने की घोषणा की। कार्यक्रम में सम्मानित होकर मेधावियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इससे पहले मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह का माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दीप सिंह राही, प्रेम नरेश वाल्मीकि, राकेश सिंधवासी, कपिल, संजय चौधरी, अनिल राज, सोनू वाल्मीकि, जानू चौहान समेत सैकड़ों की तादाद में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन लववीर चौहान ने किया।

ज्वालानगर में बनेगा एक और रेलवे ओवरब्रिज

रामपुर, अमृत विचार : ज्वालानगर वासियों को जल्द ही रेलवे ओवरब्रिज पर पुल की सौगात मिलेगी। इसके लिए शहर विधायक आकाश सक्सेना ने रेल मंत्रालय और उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिखा था। जिसके बाद शासन स्तर से कवायद शुरू हो गई है। राज्य सेतु निगम के उप परियोजना प्रबंधक ने रेलवे को पत्र भेजा है।

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की ओर से रेलवे को पत्र भेजकर संयुक्त स्थलीय निरीक्षण करने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने भी रेलवे के अधिकारियों को पत्र भेजकर स्थलीय निरीक्षण करने के लिए कहा है। ज्वालानगर क्षेत्र में करीब 75 हजार की आबादी निवास करती है। जनता की समस्या को देखते हुए शहर विधायक आकाश सक्सेना ने ज्वालानगर रेलवे क्रॉसिंग पर एक और ओवरब्रिज बनवाने व वर्तमान ओवरब्रिज के चौड़ीकरण के लिए रेल मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। शहर विधायक आकाश सक्सेना ने बताया कि ज्वालानगर और सिविल लाइंस की कनेक्टिविटी के लिहाज से रेलवे ओवरब्रिज के चौड़ीकरण अथवा नया ओवरब्रिज आवश्यक हो गया है। शहरवासियों को अच्छी खबर मिलेगी।

भगवान पार्श्वनाथ का किया मस्तकाभिषेक

भगवान श्री जी पालकी यात्रा में शामिल महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : धर्म, आस्था और श्रद्धा के रंगों से सजा श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महापर्व दिगंबर जैन समाज द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भगवान श्रीजी की पालकी यात्रा निकाली गई।

यात्रा का नेतृत्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार जैन व महामन्त्री कस्तूर चन्द जैन द्वारा किया गया। पालकी में सौ धर्म इन्द्र संजय जैन द्वारा भगवान को विराजमान किया गया। मनोज जैन, शिखर जैन, अजय जैन सेठी, अंजू जैन, सुरभि जैन, शोभा जैन, अर्चना जैन, नमन जैन शामिल रहे। वर्षा जैन मंगल कलश लेकर चलीं। पालकी यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर बैजनाथ गली से निकली और पुनः मंदिर प्रांगण में प्रवेश कर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में भक्तों ने भगवान श्री जी की जय-जयकार से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। ढोल-नगाड़ों की मधुर धुनों के साथ पालकी यात्रा अत्यंत भव्य और आकर्षक रही। यात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में भगवान श्री पार्श्वनाथ का प्रथम अभिषेक संजय जैन द्वारा श्रद्धापूर्वक संपन्न किया गया। अंत में भगवान को लड्डू का भोग अर्पित किया और सभी श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया।

पुरानी पेंशन को बहाल करे सरकार : मनोज

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में ज्ञान सौंपते शिक्षक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षक संघ चन्देल गुट ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को दिया।

जिला अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि संगठन पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता रहा है। इसके अभाव में शिक्षक अपने भविष्य के प्रति आशंकित रहता है। कहा कि गोरखपुर का सांसद रहते हुए आपने पुरानी पेंशन बहाली का समर्थन किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था। अब आप को पुरानी पेंशन बहाल करनी चाहिए। इस अवसर पर संगठन के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश, डॉ. शहनाज रहमान, मुनीश चंद्र शर्मा, जिला मंत्री पीयूष श्रीवास्तव जिला कोषाध्यक्ष श्यामबाबू शर्मा, लालेन्द्र कुमार राय, जितेन्द्र कुमार यादव, कमल सहारा, ओमप्रकाश, मुरारी लाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

व्यापारियों ने की स्मार्ट मीटर हटाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में व्यापारियों ने पनवड़िया बिजली घर में अधीक्षण अभियंता विद्युत महफूज आलम को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें विद्युत समस्या को लेकर मुद्दा उठाया है। साथ ही मांग की गई कि स्मार्ट मीटरों को हटाया जाए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि ज्ञापन में प्रदेश में बेतहाशा बिजली कटौती, उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा बिजली दरों में प्रस्तावित 45 प्रतिशत की वृद्धि न करने, फिक्स चार्ज समाप्त करने तथा विद्युत मंत्री द्वारा व्यापारियों पर की टिप्पणियां आदि शामिल हैं। ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में प्रदेश में हो रही बिजली कटौती गंभीर समस्या बन गई है। बिजली कटौती के कारण व्यावसायिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने दरों और फिक्स चार्ज में वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों के हितों पर इसका बुरा असर पड़ेगा और गरीबी रेखा से नीचे आने वाले उपभोक्ताओं को भी 3 रुपये की जगह 4 रुपये प्रति यूनिट का भुगतान करना पड़ेगा। प्रस्तावित दरों में 100 यूनिट के आधार पर 4.40 रुपये प्रति किलोवाट जो वर्तमान में 6.80 रुपये है, जिसके अनुसार यथास्थिति में दरों में लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

अधीक्षण अभियंता विद्युत को ज्ञापन देते व्यापारी। ● अमृत विचार

यह व्यापारी रहे मौजूद

शाहिद शम्सी, हरीश अरोड़ा, शोएब मोहम्मद खान, प्रदीप खंडेलवाल, अवतार सिंह, हारिस शम्सी, बिलाल शम्सी, इमरान सलीम, राम गुप्ता, मुकेश आर्य, वाजिद खान, फैसल, हबीब, मोहसिन खान, उजैर अहमद, शहाब खान, मुराद खान, गुलशन अरोड़ा, शाकेब अहमद, चंद्र प्रकाश रस्तोगी आदि।

न्यूज डायरी

सफाई कार्यों की अनदेखी को लेकर सौंपा ज्ञापन

मिलक, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष आदेश शंखधार ग्राम जमापुर में सफाई कार्यों की अनदेखी और रास्ते में भरे पानी की शिकायत को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ तहसील पहुंचे। उन्होंने बताया कि ग्राम जमापुर में अधिकांश रास्तों पर निकलना दुश्वार हो गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को असुविधा हो रही है। सफाईकर्मी द्वारा गांव में सफाई कार्य नहीं कराया जाता है। उपजिलाधिकारी के नहीं मिलने पर उन्होंने स्टेनो प्रेमशंकर को ज्ञापन देकर रिसीव कराया। ज्ञापन में सभी रास्तों को ठीक कराने तथा पिछले 5 वर्षों में हुए सभी विकास कार्यों की जांच कराने का आग्रह किया। ज्ञापन पर राजेश यादव, प्रदीप सिंह, ओमकार सिंह, बॉबी यादव, अंकित यादव, रविन्द्र यादव, अखिलेश, शंकर एवं रवि यादव के हस्ताक्षर हैं।

आज होगा भोलेनाथ का अभिषेक

रामपुर, अमृत विचार : मिस्टन गंज स्थित अग्रवाल धर्मशाला में कथा का आयोजन हो रहा है। जिसमें गुरुवार को श्रावण मास शुक्ल सप्तमी गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर विशेष रूप से विश्व कल्याण के लिए यज्ञ में आहुतियां देकर कामनाएं पूर्ण करने के लिए प्रार्थना की। पंडित विश्वनाथ मिश्रा ने बताया कि 1 अगस्त शनिवार को भगवान भोलेनाथ शिव का अभिषेक किया जाएगा। प्रार्थना करते हुए भगवान भोलेनाथ शिव को प्रसन्न किया जाएगा। इस मौके पर काफी भक्त मौजूद रहे।

डीएम और एसपी ने हाईवे का किया निरीक्षण

निरीक्षण करते डीएम और एसपी।

रामपुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह और पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत कोसी नदी के जीरो प्वाइंट से बी अम्मा गेट तक सड़क मार्ग का जायजा लेकर यातायात व्यवस्था साफ सफाई का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने हाईवे पर निरीक्षण कर सभी को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

आयोजन रजा लाइब्रेरी में लगी मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर उनके साहित्य की प्रदर्शनी

प्रेमचंद साहित्य की दुनिया के अंतर्राष्ट्रीय लेखक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रजा लाइब्रेरी में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर विशेष प्रदर्शनी लगी। गुरुवार को प्रदर्शनी का उद्घाटन लाइब्रेरी के निदेशक डॉ. पुष्कार मिश्र ने किया।

रजा लाइब्रेरी के दरबार हाल में लगी प्रदर्शनी के उद्घाटन पर निदेशक ने कहा कि हिंदी और उर्दू दोनों भाषाओं का स्रोत एक समान है, भाषा संरचना भी मिलती-जुलती है, काल खंड भी एक जैसा है, और विकास क्रम भी समान है। अंतर केवल लिपि का है उर्दू को अरबी लिपि में तथा हिंदी को देवनागरी लिपि में लिखा जाता है, किंतु दोनों भाषाओं के भीतर जो भाव-भाषा है, वह एक जैसी है। हिंदी के शब्द उर्दू में और उर्दू के शब्द हिंदी में प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। हिंदी और उर्दू को एक साथ देखना हो तो वह मुंशी प्रेमचंद के साहित्य में संभव है। कहा कि मुंशी प्रेमचंद अपनी रचनाओं में ऐसे यथार्थपूर्ण चित्र प्रस्तुत करते हैं कि ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई समाजशास्त्री घटनाओं का सूक्ष्म दृष्टि से अध्ययन कर रहा हो। जिस कालखंड में मुंशी प्रेमचंद ने लिखा, उस समय का समाज और जनजीवन उनके साहित्य में अत्यंत यथार्थ और मार्मिक रूप में परिलक्षित होता है। इस दृष्टिकोण से मुंशी प्रेमचंद मानव इतिहास के सबसे महान साहित्यकारों और उपन्यासकारों में गिने जाते हैं। यह विशेष प्रदर्शनी 31 जुलाई से 10 अगस्त तक प्रत्येक दिन प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक पुस्तकालय परिसर में आमजन के लिए खुली रहेगी। इस अवसर पर अरुण कुमार सक्सेना, सैयद तारिक अजहर, हिमांशु सिंह, शाजिया हसन, पूनम सैनी, पुष्पा आदि मौजूद रहे। संचालन शबाना अफसर ने किया।

रजा लाइब्रेरी में प्रदर्शनी का उद्घाटन करते निदेशक डॉ. पुष्कर मिश्र। ● अमृत विचार

इन पुस्तकों की लगी है प्रदर्शनी

गोदान, रंगभूमि, कर्मभूमि, गबन, कर्बला, प्रेमाश्रम, पूस की रात, बड़े घर की बेटी, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी, प्रतिज्ञा, स्त्री जीवन की कहानियां, प्रेमचंद के विचार, सेवासदन, कायाकल्प, गांधी और प्रेमचंद, मुंशी प्रेमचंद के कथा-साहित्य में सामाजिक चेतना जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रो. मृदुला सिन्हा, ललित कला विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के बनाए चित्रों को भी प्रदर्शनी में स्थान दिया गया है।

कांवड़ियों के जत्थे हरिद्वार व बृजघाट हो रहे रवाना

रामपुर, अमृत विचार : 4 अगस्त को सावन के चौथे सोमवार को देखते हुए कांवड़ियों के जत्थे जिलेभर से हरिद्वार और बृजघाट के लिए रवाना होने लगे हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से युवक और उनके परिवार रवाना हो रहे हैं। जबकि बहुत से जत्थे पैदल जल लेकर लौट रहे हैं। जिले भर से युवक कांवड़ लेने के लिए रवाना हो रहे हैं। लौट रहे कांवड़िये भगवान भोले शंकर के जयकारे लगाते हुए चल रहे हैं। रामपुर जीरो प्वाइंट से कांवड़िये बृजघाट और हरिद्वार के लिए जा रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। ताकि कांवड़ियों के साथ कोई घटना न हो। चौथे सोमवार को काफी संख्या में भक्त जल लाकर चढ़ाएंगे। चौथे सोमवार पर कांवड़ियों का रेला आने के आसार हैं। जिसको देखते हुए पुलिस सतर्क हो गई है। सुरक्षा के लिहाज से गुरुवार से ही पुलिस बल तैनात हो गया है। शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर रूट डायवर्ट कर दिया जाएगा। जिसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तेजी से तैयारियां चल रही है।

न्यूज ब्रीफ

वाहन स्टैंड के नाम पर वसूली की शिकायत

रामपुर, अमृत विचार : विकास भवन में वाहन के स्टैंड के नाम पर लोगों से वसूली की जा रही है। जिसको देखते हुए कुछ लोगों ने जिला अधिकारी जोगिन्दार सिंह को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है। राष्ट्रीय लोकदल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव उस्मान बबलू पदाधिकारियों के साथ एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उसके बाद जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा है कि विकास भवन में कुछ लोग स्टैंड के नाम पर अवैध वसूली कर रहे हैं। ज्ञापन देकर जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर फिरोज आलम खां, महफूज खां रहे।

पुलिस लाइन में हुआ विदाई समारोह

रामपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने पर पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में विदाई समारोह का आयोजन हुआ। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस कर्मियों को अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुमार द्वारा उपहार भेंट कर एवं माला पहना कर विदाई दी। दरोगा मिश्री लाल, जयवीर सिंह, रामपाल गौतम, रजी अहमद और मुख्य आरक्षी कुवंर सिंह, ब्रहमस्वरुप, भगवान सिंह, उर्दू अनुवादक नईम अहमद, फालोवर रामगोपाल सहित सभी को विदाई दी।

लूट के आरोपी को किया गिरफ्तार

मसवासी, अमृत विचार : मसवासी पुलिस ने लूट में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसको जेल भेज दिया गया। चौकी क्षेत्र के गांव किशनपुर मौलागढ़ निवासी शकील अहमद पुत्र रईस अहमद पिछले काफी दिनों से लूट के मामले में फरार था। पुलिस को सूचना मिली कि वह परिवार सहित मौलागढ़ में ठहरा हुआ है। पुलिस ने मुखबिर की निशानदेही पर गांव पहुंचकर उसके घर की घेराबंदी कर ली और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को रामपुर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसको जेल भेज दिया गया। दरोगा पुनित कुमार ने बताया कि वह काफी दिनों से फरार था। पुलिस को उसकी से तलाश थी।

विवाद को लेकर दो पक्षों में टकराव

मसवासी, अमृत विचार : चौकी क्षेत्र के गांव खुशहालपुर में रास्ते को विवाद को लेकर दो पक्षों में तनावपूर्ण स्थिति हो गई है। पुलिस ने दोनों पक्ष के दो लोगों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया। चौकी क्षेत्र के गांव खुशहालपुर में संजय पुत्र शमशेर सिंह और दूसरे पक्ष के रमेश पुत्र नन्हे में रास्ते को लेकर काफी दिनों से विवाद है। गुरुवार को दोनों पक्ष लाठी डंडे लेकर आमने-सामने आ गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के दोनों लोगों को मौके से गिरफ्तार कर पुलिस चौकी ले आई। शांति भंग करने के आरोप में एसडीएम न्यायालय में चालान कर दिया।

महिलाओं को किया जागरूक

रामपुर, अमृत विचार : महिला विशेष सुरक्षा दल की टीम द्वारा बालिकाओं, महिलाओं को मिशनशक्ति अभियान के बारे में महिलाओं की सुरक्षा एवं स्वावलंबन के लिए छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दी। जिसमें साइबर अपराध, महिला हेल्पलाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, पुलिस आपात कालीन सेवा 112, माननीय मुख्यमंत्री, हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर के बारे में बताया। साथ ही महिलाओं के सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक किया गया।

11 घंटे के लिए यातायात रहेगा बंद

बिलासपुर, अमृत विचार : केमरी-मनकरा के समीप रेलवे फाटक संख्या 28 सी पर ट्रैक मशीनों द्वारा मेन्टीनेंस का होगा। 2 अगस्त को 11 घंटे के लिए यातायात बंद रहेगा। रेलवे विभाग के सीनियर सेक्शन इंजीनियर संतोष कुमार ने यह जानकारी दी। बताया कि दो अगस्त को मशीनों द्वारा रेलवे ट्रैक का मरम्मत कार्य किया जाएगा। जिसके चलते सवेरे 9 से रात आठ बजे तक यातायात मार्ग पूर्ण रूप से बंद रहेगा। कहा कि सड़क यातायात हेतु वैकल्पिक मार्ग रेलवे फाटक संख्या 31बी केमरी मार्ग चालू रहेगा।

ईओ को आज ज्ञापन सौपेंगे व्यापारी

रामपुर, अमृत विचार : उप्र उद्योग व्यापार मंडल द्वारा गृह एवं जलकर के संबंध में 1 अगस्त को पालिका परिसर में ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी को ज्ञापन दिया जाएगा। यह जानकारी जिला अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा ने दी है।

सवारी बैठाने के विवाद में ई-रिक्शा चालक की पेंचकस घोंपकर हत्या

आरोपी दूसरा चालक आलाकत्ल सहित गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में दो ई-रिक्शा चालक आपस में भिड़ गए। उसके बाद एक चालक ने दूसरे रिक्शा चालक सलीम के पेट में पेचकस घोंप दिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

मृतक सलीम।

मौके पर मौजूद एएसपी और थाना प्रभारी। ● अमृत विचार

तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गंज थाना क्षेत्र के घेर चंदन खां का निवासी सलीम (63) ई रिक्शा चालक था। वह गुरुवार सुबह 10 बजे रोजाना की तरह सवारियां लेकर सिविल लाइन आ रहा था। इस दौरान वह सवारियां मैगजीन मोहल्ले में उतारने के बाद वह दूसरी जगह की सवारियां बैठाने लगा। इस दौरान उसका पहले से वहां खड़े दूसरे ई-रिक्शा चालक आरिफ से सवारियां बैठाने को लेकर विवाद हो गया। उसके बाद आरोपी ने उस पर पेचकस से हमला कर दिया। इसमें वह लहूलुहान हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हमले में घायल सलीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी पर अस्पताल में परिजन पहुंच गए। एएसपी अतुल कुमार श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे थे। सिविल लाइंस थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि सवारियां बैठाने को लेकर दो ई रिक्शा चालकों में विवाद हुआ था। कोतवालान निवासी आरिफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जिसे शाम को आलाकत्ल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

गुस्से में पेचकस को बना लिया हथियार

रामपुर, अमृत विचार : ई रिक्शा में सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में पहले दोनों चालकों के बीच विवाद हो गया। उसके बाद दोनों में मारपीट हुई, लेकिन आरोपी ई रिक्शा चालक का उसके बाद भी गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसने गुस्से में आकर पेचकस को हथियार बनाकर सलीम के शरीर पर कई वार कर दिए। जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हत्या के बाद तीन थानों की फोर्स पहुंची

रामपुर, अमृत विचार : हत्या होने की जानकारी पुलिस को मिली तो तीन थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। उसके बाद घटना स्थल सिविल लाइन क्षेत्र का होने के कारण कोतवाली और गंज कोतवाल ने राहत की सांस ली। हत्या के बाद मौके पर सनसनी फैल गई। सवारियां भी वहां से चली गईं।

दो बहनों से सोने की चेन लूटकर बदमाश फरार

रामपुर, अमृत विचार : बुधवार रात को घर से अर्थी निकलते ही बदमाश घर में घुस गए। उसके बाद दो बहनों के गले पर चाकू रखकर चेन लूटकर फरार हो गए। मामले में पुलिस को सूचना दी गई है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के जगतपुर का मझरा निवासी पवन का कोतवाली क्षेत्र में हुए हादसे में घायल हो गए थे। बेहतर इलाज के लिए उनको दिल्ली रेफर कर दिया था। जहां बुधवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

शाम को शव घर लाकर, उसके बाद रात को 8:30 शव को लोग अंतिम संस्कार के लिए गांव के श्मशान घाट में लेकर चले गए। जबकि, महिलाएं घरों पर थीं। बताया जा रहा है इसी दौरान कुछ बदमाश घर में घुस गए। उसके बाद मृतक की बहन प्रमिला और वीरवती के गर्दन पर चाकू रखकर उनके गले से सोने की चेन लूटकर ले गए। बदमाशों को देखकर महिलाएं घरों में बंद हो गईं। उसके बाद दोनों बहनों ने शोर मचा दिया। लोगों को आता देखकर बदमाश मौके से भाग गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। बाद में मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

भगवान का नाम लेने से होता है मनुष्य का मंगल : राजेंद्र

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : स्वामी राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि भगवान का नाम कल्पवृक्ष है। जिनका स्मरण करने मात्र से कलिकाल में मनुष्य का मंगल होता है। कलिकाल में भगवान के नाम के अतिरिक्त कोई दूसरा साधन अपनाना बहुत ही कठिन है।

गुरुवार को वह मोहल्ला साहूकारा स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में 35वें श्रीमद् गोस्वामी तुलसीदास जयंती महोत्सव में प्रवचन कर रहे थे। तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन उन्होंने रामचरितमानस का वर्णन किया। कहा कि कुसंग से हमारे जीवन में कितनी हानि हो सकती है। इसका कैकयी प्रसंग के माध्यम से बड़ा ही विषद वर्णन किया। महोबा के पंडित अरुण गोस्वामी ने कहा भगवान के नाम एवं कथा की वर्तमान में आवश्यकता है। भदोही के पंडित सुरेश मिश्र ने भगवान के नाम का महत्व बताया। पंडित अयोध्या प्रसाद पाठक ने दीप प्रज्ज्वलित किया। हरिओम अग्रवाल, रामाधार अग्रवाल, आदर्श अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, डॉ. रामपाल सिंह, जगदीश पाल चौहान, अशोक कुमार, विवेक कुमार, गिरिराज किशोर, अरविंद कुमार, अरुण गर्ग, गिरीश गुप्ता, बच्चन सूजी, डीबी मिश्रा, ऋचा, करुणा, अंजू, कुसुम अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, शोभना अग्रवाल, विवेक अग्रवाल रहे।

महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर कुंडल लूटे

बिलासपुर, अमृत विचार : मोहल्ला साहूकारा निवासी डालचंद्र राठौर अपनी पत्नी प्रेमवती के साथ नगर से कुछ दूर नैनीताल हाईवे स्थित राधा स्वामी सत्संग व्यास गए थे। यहां दंपती सत्संग में शामिल हुआ। दोनों करीब 10 बजे घर वापस लौटने लगे। इसी बीच पति को कुछ कार्य याद आ गया। उसने पत्नी को ई रिक्शा से घर भेज दिया। पुत्र के अनुसार ई-रिक्शा ने उन्हें मुख्य चौराहे पर लाकर छोड़ दिया। उनका पीछा कर रहे व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया और नशीला पदार्थ सुंघा दिया। इससे प्रेमवती की स्थिति बिगड़ गई और वह सड़क पर गिर गईं। आरोपी उनके कानों से सोने के कुंडल नोंच लिए और वहां से फरार हो गया। महिला की पहचान करने के बाद लोगों ने उसके परिजनों को इस हादसे की जानकारी दी। महिला को इलाज के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को तहरीर दी है।

टेंपो चालक को पीटने का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, मिलक

अमृत विचार : क्षेत्र में ड्रोन और चोर की अफवाहों के बीच लोगों ने टेंपो चालक को चोर समझकर उसकी पिटाई कर दी थी। मामले में पुलिस ने जांच की तो पता चला कि पीड़ित व्यक्ति टेंपो चालक थाना पाकबड़ा के मोहल्ला मोबीननगर निवासी आसिफ है, जो मुरादाबाद से मिलक में सामान देने आता है।

मंगलवार को वह मुरादाबाद से सामान पहुंचाने आया था। उसकी कमर में दर्द हो गया था। जिसके कारण वह मेडिकल से दवा लेकर तहसील में पड़ी बेंच पर आराम कर रहा था। इसी दौरान किसी ने चोर के होने की अफवाह फैला दी। इस दौरान लोगों ने टेंपो चालक को पीट दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने टेंपो चालक को बचाया। टेंपो चालक ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मंगलवार को कोतवाली में तहरीर दी थी। पुलिस ने उसका मेडिकल कराने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली। मारपीट के दो आरोपी मोहल्ला बशीर नगर निवासी जितेंद्र गोस्वामी और विक्की गोस्वामी को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। कोतवाल धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि टेंपो चालक को चोर बताकर मारपीट की घटना हुई थी। जिसके संबंध में पीड़ित ने तहरीर देकर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। मारपीट के दो आरोपियो को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। अन्य आरोपियो की तलाश की जा रही है।

पुलिसकर्मियों को पीटने का आरोपी पकड़ा

रामपुर, अमृत विचार : 28 जुलाई की रात को हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि मिलक थाना क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी रामपाल सिंह द्वारा डायल 112 पर सूचना दी थी कि उसकी पत्नी कमलेश को शिवम नाम का युवक फोन करके अभद्र व्यवहार करता है, जोकि अपने नाना चुन्नीलाल के घर पर रहता है। उसके बाद पुलिसकर्मी शिवम के घर के सामने जानकारी करने पहुंचे। तभी कुछ लोग एकत्र हो गए। उसके बाद पुलिसकर्मियों को वर्दी उतारने की धमकी देने लगे। जब हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र मोबाइल से वीडियो बनाने लगा तो उन लोगों ने विरोध करते हुए अभद्रता शुरू कर दी थी। उसके बाद महिलाएं और पुरुष एकत्र हो गए थे। हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र के पैर में डंडा मार दिया। इसके अलावा सिपाही मयंक राज को पीछे से सिर में लाठी से प्रहार कर घायल कर दिया। वहीं होमगार्ड चालक रंजीत के हाथ में लाठी मार दी। पुलिसकर्मियों की वर्दी तक फाड़ दी। हेड कांस्टेबल की तहरीर के आधार पर पुलिस ने कई लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। गुरुवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी शिवम को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, कोर्ट ने उसको जेल भेज दिया।

बुजुर्गों से अकीदत रखने वाला दुनिया में होता है कामयाब

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : हाफिज शाह जमालुल्लाह के 238वें सालाना उर्स पर उलमा ने मजार शरीफ में तकरीर की और हजरत की जिंदगी से रुबरु कराया। कारी मोहम्मद इकबाल ने कहा कि बुजुर्गों से अकीदत रखने वाला दुनिया में भी कामयाब और आखिरत में भी कामयाब रहेगा।

हाफिज शाह जमालुल्लाह के सालाना उर्स में हाजिरी के लिए दूर-दराज से अकीदतमंद पहुंच रहे हैं। विसाली कुल शरीफ में मुरादाबाद मंडल, बरेली मंडल से आए हुए उलमा ने मजार शरीफ के परिसर में तकरीर की। इस मौके पर खतीबे हिन्दुस्तान कारी मोहम्मद इकबाल ने कहा कि बुजुर्गों के आस्तानों से कोई खाली हाथ नहीं लौटता है। ताहिर रजा रामपुरी, सईद अख्तर जोखन पुरी, नाजिर रजा, अलीमुद्दीन रामपुरी, गुलफाम हस्सानी ने कलाम पेश किए। उर्स जमाली के मौके पर आस्ताने में इदारा ए जामिया फैजाने जमाल आस्ताने से 4 बच्चों द्वारा हिफ्ज करने पर दस्तारबंदी की। नवेद जमाली ने कहा कि अगर दुनिया के उलूम पर महारत हासिल करना चाहते हो तो कुरआन पढ़ो।

एसपी से विवेचना कराने की मांग

रामपुर, अमृत विचार : सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मोहल्ला वीपी कालोनी निवासी गगन लाल अरोरा ने एसपी को पत्र देकर कहा कि 13 फरवरी 2013 को वह दुकान क्वालिटी बार पर बैठा था। वह जिला सहकारी संघ का किरायेदार था। इस दौरान तत्कालीन सिविल लाइंस के इंस्पेक्टर आले हसन खां, सपा नेता आजम खां, कामिल खां, महाप्रबंधक अंजुम खां, एआर कॉपरेटिव मोहम्मद असलम भी मौजूद थे। इन्होंने आते ही दुकान का सामान फेंकना शुरू कर दिया था। उसके बाद तजीन और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के फर्जी कागजात बनाकर अलाटमेंट दिखाया था। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था। 19 अक्टूबर 2019 को लूट के साक्ष्य दिए गए थे, लेकिन साक्ष्य छिपाकर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कर दिए गए। इस मामले में पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र को पत्र सौंपकर विवेचना कराने की मांग की है।

कंपोजिट विद्यालय बीसरा विकास क्षेत्र चमरौआ, रामपुर

पत्रांक- एस. एस. ए. 8503-08/ जर्जर भवन /2024-25 दिनांक : 01.08.2025

नीलामी सूचना

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रामपुर के आदेश पत्रांक एस. एस.ए 8503/08/ जर्जर भवन / 2024-25 दिनांक 03-12-2024 आदेश के अनुपालन में कंपोजिट विद्यालय बीसरा विकास खण्ड-चमरौआ, रामपुर के एक अतिरिक्त कक्ष की नीलामी दिनांक 05.08.2025 को दोपहर 12 बजे विद्यालय परिसर में होगी। इच्छुक बोलीदाता समय से पहुँचकर बोली प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। नीलामी की प्रक्रिया, नियम व शर्तें नीलामी के समय पढ़कर सुनाई जायेंगी। बोलीदाता अपने साथ एक आई. डी. लेकर आयें। नीलामी स्वीकार करना या न करना विद्यालय प्रबंध समिति के अधीन होगा। यदि 05.08.2025 को नीलामी नहीं छूट पाती है तो दिनांक 12.08.2025 को पुनः नीलामी की जायेगी।

अध्यक्ष-विद्यालय प्रबन्ध समिति, कंपोजिट विद्यालय बीसरा, वि.क्षे. चमरौआ, रामपुर

सचिव-विद्यालय प्रबन्ध समिति, कंपोजिट विद्यालय बीसरा, वि.क्षे. चमरौआ, रामपुर

मौलाना रशीदी पर कार्रवाई की मांग

शाहबाद, अमृत विचार : तहसील परिसर में आशुतोष यादव के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी शाहबाद को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार राजेश यादव को सौंपा।

ज्ञापन में मौलाना शाजिद रशीदी द्वारा समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के विरुद्ध की आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी के मामले में एफआईआर दर्ज कर उन्हें तत्काल जेल भेजने की मांग की। मांग की गई कि प्रशासन आईटी एक्ट, महिला अपमान अधिनियम, तथा दंगों से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करे और मौलाना को अविलंब गिरफ्तार करे। ज्ञापन देने वालों में आशुतोष यादव, सौरम यादव, जितेन्द्र यादव, अनुज पांडे, अनिल यादव, यशवीर यादव ,सचिन यादव, गुड्डू यादव, हर्षित सागर, राहुल दिवाकर, प्रेम आर्य, विशेष रहे।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने बढ़ाया सफाईकर्मियों का मान

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज का लखनऊ में सफाई कामगार दिवस पर कृष्णा नगर आलमबाग में सफाई सैनिक सम्मान कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि वीरेश भीम अनार्य ने कहा कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने देश के वाल्मीकि समाज को सफाई जैसे घृणित कार्य करने पर मजबूर किया। उससे पहले घरों में शौचालय नहीं हुआ करते थे। लोग खुले में शौच करते थे, लेकिन मुगलों के भारत आक्रमण करने के बाद जो व्यवस्था उन्होंने बनाई, वे उन्हें अपने घरों के शौच साफ करने के लिए मजबूर कर दिया।

रिटायर्ड आईएएस अजयदीप सिंह ने कहा कि सफाई कर्मचारी वर्ग को देश में जो सम्मान मिलना चाहिए वह नहीं मिला। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने सफाई कर्मचारियों का सम्मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान चलाकर प्रत्येक वर्ग को इस कार्य से जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सफाई कर्मी को 18000 रुपये मानदेय देने की घोषणा कर उनका शोषण रोकने का प्रयास किया है। कार्यक्रम के संयोजक एवं भावाधस के संरक्षक पूर्व विशेष सचिव दिनेश चंद्र ने कहा कि सफाई कर्मियों को सम्मानित कर गर्व हो रहा है। कार्यक्रम में सैकड़ों सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय संचालक राकेश दानव, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री कैलाश एकलव्य, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री सतीश प्रजापति, विजय आनंद, संजय धनगर आदि रहे।

निशानेबाजी की मंडल प्रतियोगिता में रहनुमा और खुशी का चयन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज के तत्वावधान में जिला स्तरीय रायफल शूटिंग प्रतियोगिता हुई। गुरुवार को अंडर 14, 17 एवं अंडर 19 वर्ग में बालिका एवं बालक वर्ग में शूटिंग प्रतियोगिता राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज और सुंदरलाल इंटर कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विजेताओं का मंडल स्तीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ।

राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कालेज में प्रतियोगिता का उद्घाटन कालेज प्रधानाचार्य डॉ. शालू कौशल ने निशाना लगाकर किया। प्रतियोगिता में राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज, हीरा इंटर कॉलेज मिलक, रामलीला इंटर कॉलेज, हसरत इंटर कॉलेज खौद के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंडर 14 बालिका वर्ग में रहनुमा राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज, अंडर 19 में खुशी ठाकुर राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज एवं चाइना हसरत इंटर कॉलेज खौद का चयन मंडल प्रतियोगिता के लिए हुआ। बालक वर्ग में शानू सागर सुंदरलाल इंटर कॉलेज, मुन्ना कुमार रामलीला इंटर कॉलेज एवं सूरज हीरा इंटर कॉलेज मिलक का चयन मंडल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिला क्रीड़ा सचिव सलीम यूसुफ जैदी, रविकांत चंद्रा, तुषार शर्मा, मनोज, प्रातेश श्रीवास्तव, ममता देवी, जीनत परवीन, राजेश कुमार रहे। प्रधानाचार्य डॉ. शालू कौशल एवं संजय कुमार ने शिक्षकों का आभार जताया। इस अवसर पर राजकीय जुल्फिकार बालिका इंटर कॉलेज से शमीम खान, रेनू देवी, कल्पना सिंह, प्रगति गोयल, पूजा, बबीता गुप्ता, तबस्सुम, नाजिया, अफीफा, खदीजा, राकेश कुमार, दिव्या, नितिन कुमार, सुरेंद्र कुमार, बाबू आदि मौजूद रहे।

दलित युवक को पीटने का आरोप, तहरीर दी

शाहबाद, अमृत विचार : थाना शाहबाद के ढकिया चौकी क्षेत्र में पकोड़ी के ठेले पर शराब बेचने का विरोध करने पर युवक को पीट दिया।

थाना शाहबाद क्षेत्र के ग्राम भौरकी जदीद निवासी पीड़ित ओमप्रकाश का आरोप है कि वह खेत से 27 जुलाई को शाम 5 बजे अपने घर आ रहा था। ओमप्रकाश के गांव के कुछ लोग गांव के बाहर सड़क किनारे अपनी पकौड़ी की दुकान लगाते हैं व उसी दुकान पर चारों भाई ब्लैक से शराब बेचते हैं। ओमप्रकाश पकौड़ी लेने के लिए रुका, तभी उसने देखा कि चारों भाई पकौड़ी की दुकान पर शराब बेच रहे हैं। तभी उसने उन चारों से शराब न बेचने की बात कही। तब चारों भाइयों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए युवक को गालियां दीं। जाति सूचक शब्द प्रयोग किया। पीड़ित ने चौकी पहुंचकर लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया है।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक, मुरादाबाद सम्भाग, मुरादाबाद

पत्रांक : 936/स्वी.अनु./सी.एम.आर.परि.-ई-निविदा/2025-26 दिनांक : 29 जुलाई 2025

सी.एम.आर. ई-टेण्डर विज्ञप्ति (परिवहन कार्य हेतु)

कार्यालय अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के कार्यालय पत्रांक-2216/मु.वि.अ./धा./खा-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10 जून, 2025 के साथ संलग्न शासन के पत्र संख्या-358/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10 जून 2025 के द्वारा धान क्रय सत्र 2025-26 के लिए निर्गत समय-सारिणी में हैण्डलिंग एवं परिवहन ठेकेदारों की नियुक्ति कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके अनुपालन में शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023 शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022 शासनादेश सं-571/29-4-2023/4013(099)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29-4-2023-385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के कार्यालय पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि.दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) के कार्यवृत्त दिनांक 10.07.2023 व राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.)के कार्यवृत्त दिनांक 18.09.2024 एवं राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की नवीनतम बैठक में निर्गत कार्यवृत्त दिनांक 15.04.2025 के क्रम में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु सी.एम.आर. परिवहन कार्य के लिए ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन ई-निविदाएं आंमत्रित की जा रही है। मुरादाबाद सम्भाग में जनपद रामपुर मुरादाबाद, बिजनौर, सम्भल एवं अमरोहा में खाद्य विभाग की विपणन शाखा के प्रस्तावित धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध राइस मिलों से भारतीय खाद्य निगम के निर्धारित डिपो तक सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदाएं आंमत्रित की जाती है।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी, मुराराबाद, रामपुर, अमरोहा, बिजनौर एवं सम्भल द्वारा उपलब्ध करायी गयी राइस मिलों की सूची अनुसार जनपद मुरादाबाद में 26, जनपद बिजनौर में 17, जनपद सम्भल में 13, जनपद रामपुर में 97 एवं जनपद अमरोहा में 03 राइस मिलें प्रस्तावित है। यदि प्रस्तावित राइस मिलों में से एक मिल का चयन/सम्बद्धीकरण नहीं किया जाता है अथवा चयन/सम्बद्धीकरण के उपरान्त निरस्त किया जाता है, तो सम्बन्धित मिल हेतु डाली गयी निविदाएं तत्काल प्रभाव से निरस्त समझी जायेगी अथवा निविदा सम्बन्धी आदेश स्वत: निरस्त समझा जायेगा। परिवहन कार्य हेतु एस.एल.सी. द्वारा निर्गत एस.ओ.आर. से 10 प्रतिशत कम से अधिक कम दर की निविदाएं स्वीकार नहीं की जायेंगी।

1. प्रति मिल निविदा प्रपत्र शुलक रूपये 500+90=590/- (मात्र पांच सौ नब्बे रूपये जी.एस.टी. सहित)।
2. प्रति मिल धरोहर धनराशि रूपये 15,000/- (मात्र पन्द्रह हजार रूपये)
3. सम्भागीय वरिष्ठ लेखाधिकारी (खाद्य) मुरादाबाद, सम्भाग मुरादाबाद के खाता सं. 34446938072 एवं आई.एफ.एस.सी. कोड- SBIN0000682 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी./ आईनलाइन के मध्यम से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ पृथक-पृथक निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि की ''स्कैन्ड कॉपी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्रों के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।
4. निविदा अपलोड किये जाने की दिनांक 31.07.2025 के प्रात: 10:00 बजे से दिनांक 11.08.2025 की सायं 10:00 बजे तक तथा टेक्निकल बिड खोले जाने की दिनांक 11.08.2025 के पूर्वान्ह 12:00 बजे।
5. टेक्निकल बिड परीक्षाणोपरान्त स्वीकार्य/अर्ह पाये जाने वाले निविदादाताओं की फाइनेंशियल बिड निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी।
6. इच्छुक निविदादाता ऑनलाइन वेबसाइट https://etender.up.nic.in एवं विभागीय वेबसाइट www.fcs.up.gov.in का अवलोकन करते रहे, चूंकि निविदा का विवरण एवं प्रपत्र, टेण्डर फार्म में नियम व शर्ते/निविदा की शर्ते, निर्धारित प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि, निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं निविदा सम्बन्धी अन्य सम्बन्धित जानकारी तथा निविदा की किसी भी शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की जानकारी उक्त ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे व निविदा सूचना के अनुसार निविदा सम्बन्धी जानकारी ऑनलाइन/ऑफलाइन अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। किसी भी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक, मुरादाबाद, सम्भाग मुरादाबाद के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा की किसी भी शर्तो में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
मुरादाबाद सम्भाग, मुरादाबाद।

ब्रीफ न्यूज

चोरी की बाइक समेत तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

हसनपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव हथियाखेड़ा निवासी किसान महेंद्र की बाइक 30 जुलाई को मिल से चोरी हो गई थी। पुलिस ने इस प्रकरण में लठीरा गांव से भूसे के कमरे से बरामद कर ली है। बाइक के कई पुर्जे गायब मिले हैं। पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से बाइक बरामद हो चुकी है।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

हसनपुर, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला लाल बाग निवासिनी शाहीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका निकाह वर्ष 2019 में रहरा रोड निवासी इरफान के साथ हुआ था। बुधवार देर रात पति इरफान, ससुर, जेठ और जेठानी ने उनके साथ मारपीट करके घर से निकाल दिया। आरोप है कि सभी ने गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी अक्सर उसके साथ मारपीट करते हैं। पीड़िता ने पुलिस से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

महाकवि तुलसीदास की जयंती पर हुई विचार गोष्ठी

सैदनगली, अमृत विचार : सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सैदनगली में रामचरितमानस के रचयिता महाकवि तुलसीदास की जयंती का कार्यक्रम उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सत्यवीर सिंह ने गोस्वामी तुलसीदास के बाल्य काल, प्रारंभिक शिक्षा, उनके वैवाहिक जीवन, वैराग्य प्राप्त करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने श्री राम की भक्ति आराधना करते हुए रामचरितमानस जैसे महान काव्य ग्रंथ की रचना करने के प्रसंगो को छात्र-छात्राओं से साझा किया। प्रभा शंकर तिवारी ने गोस्वामी तुलसीदास की रामभक्ति और रचनाओं के विषय में चर्चा करते हुए छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस हमें सीख देता है कि हमेशा सही कार्य करो। राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया क्योंकि वे हमेशा सत्य के साथ रहे।

कब्रिस्तान की जमीन पर बनी अवैध दुकानों को किया सील

बिना अनुमति और मानचित्र के बनाईं गईं थीं दुकानें

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

दुकानें सील करने की कार्रवाई करती टीम। ● अमृत विचार

सील अवैध दुकानें।

अमृत विचार : बिना मानचित्र के अवैध तरीके से कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करके बनाई गईं दुकानों को विनयमित टीम ने एसडीएम के आदेश पर गुरुवार को सील कर दिया। टीम ने पुलिस की मौजूदगी में सील करने की कार्रवाई पूर्ण की। इस मौके पर दुकानदार बेबस निगाहों से कार्रवाई देखते रहे।

शहर के मोहल्ला सराय कोहना में कब्रिस्तान की जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध तरीके से कब्जा कर लिया। इसके बाद बिना मानचित्र पास कराए दुकानों का निर्माण करा लिया। इस प्रकरण में शिकायत के बाद एसडीएम शशि भूषण पाठक ने जांच कराई तो मामला सत्य पाया गया। इसके बाद उन्होंने विनयमित क्षेत्र की टीम को दुकानों को सील करने के निर्देश दिए। गुरुवार को दोपहर में पुलिस बल के साथ पहुंची टीम ने दुकानों को सील कर दिया।

इनकी दुकानें की गई सील :

- अवैध तरीके से दुकानों का निर्माण कराने का आरोप

कब्रिस्तान की जमीन पर सराय कोहना निवासी मोहम्मद अल्ताफ हुसैन पुत्र इसरार, दिल फराज पुत्र जमील और अजीम अहमद पुत्र याकूब ने जबरन कब्जा कर लिया था। इसके बाद दुकानों का निर्माण बिना मानचित्र पास कराए करा लिया। शिकायत के बाद जांच सही पाए जाने पर तीनों की दुकानों को सील कर दिया गया।

मंत्री ओमप्रकाश राजभर को दिया था ज्ञापन

सुभासपा के जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने 29 जुलाई को लखनऊ पहुंचकर मंत्री ओमप्रकाश राजभर को ज्ञापन देकर कब्रिस्तान पर हुए अवैध कब्जे की शिकायत की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने मिली भगत करके कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा जमा लिया है। शिकायत के बाद मामले की जांच के निर्देश हुए तो हकीकत सामने आई।

> कुछ लोगों ने सराय कोहना निवासी तीन लोगों ने अवैध तरीके से कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करके दुकानों का निर्माण करा लिया था। जांच में हकीकत सामने आने के बाद दुकानों को सील कर दिया है। इन लोगों ने नक्शा भी पास नहीं कराया था।
>
> – **शशिभूषण पाठक**, एसडीएम

गंगा का जलस्तर बढ़ने से मंडराने लगा बाढ़ का खतरा

गजरौला अमृत विचार : पहाड़ों पर हो रही बारिश के बाद बांधों से छोड़े जा रहे पानी से तिगरी गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। गुरुवार को गंगा के जल स्तर में 15 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिससे गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री सहित उस इलाकों में होने वाली वर्षा के बाद पानी हरिद्वार बैराज होते हुए बिजनौर और फिर सीधा तिगरी की गंगा में पहुचा है। पिछले कुछ दिनों से जलस्तर कम हो रहा था, लेकिन गुरुवार को इजाफा हुआ है। बिजनौर बैराज से 73 हजार क्यूसेक के अधिक पानी छोड़े जाने पर गंगा के गेज में 15 सेमी की बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को गेज 199.80 मीटर था और अब 199.95 मीटर पर आ गया है। गंगा किनारे पर बसे गांव मंदिर वाली भुड्डी, शीशो वाली, दारानगर, अलीनगर, चकनवाला ऐतवाली, ओसिता जगदेपुर, कांकाठेर, तिगरी, रसूलपुर भंवर, रसूलपुर एहतमाली, देवीपुर उर्फ मोहसनपुर, पपसरी खादर, मुकरामपुर, शाहजहांपुर छात, रमपुर खादर, चांदरा फॉर्म, रानी बसतौरा, बिसाबली, कुई वाली, देव वाली, पट्टी खादर, झुंडपुरा व हसनपुर तहसील के गांव सिरसा गुर्जर की मढैया, सतैडा की मढैया, गंगानगर आदि गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

मकान की खिड़की तोड़कर नकदी और जेवर ले गए चोर

चोरी के बाद घर में बिखरा पड़ा सामान। ● अमृत विचार

संवाददाता हसनपुर

- पीड़ित ने थाना में तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग
- थाना प्रभारी ने कहा संदिग्ध प्रतीत हो रही है घटना

अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में एक व्यक्ति के घर की खिड़की तोड़कर चोर घर में घुस गए और नकदी व सोने चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए। गृह स्वामी के अनुसार चोर उनके घर से करीब 3.50 लाख रुपये का सामान ले गए हैं।

हसनपुर थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर उर्फ भूतखदेड़ी निवासी बेगराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी मुन्नी व बेटी के साथ रहते हैं। बुधवार को सुबह घर में ताला डालकर बाग में आम तुड़वाने के लिए गए थे। देर शाम को जब वह वापस आए तो घर में बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। चेक करने पर पता चला कि चोर खिड़की तोड़कर घर में दाखिल हुए और घर में रखे 22 हजार रुपये, व करीब 3.30 लाख रुपये के सोने चांदी के जेवर ले गए। गांव में दिन दहाड़े हुई चोरी से लोगों में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा का कहना है घटना संदिग्ध लग रही है।

कर्मचारियों ने कूड़े के ढेर में फेंके किसानों के दस्तावेज

कार्यालय संवाददाता, हसनपुर

कूड़े के ढेर में पड़े दस्तावेजों को बटोरता बच्चा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गंगेश्वरी ब्लॉक के गांव मंगरौला स्थित कडुवा बहुउद्देशीय प्राथमिक विद्यालय में मर्ज की गई साधन सहकारी समिति के कर्मचारियों ने किसानों के दस्तावेज फेंक दिए। किसानों ने यूरिया लेने के लिए कागजात जमा किए थे। कूड़े के ढेर में मिले दस्तावेज का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गुरुवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद किसानों में आक्रोश पनप गया। किसानों ने बताया कि उन्होंने यूरिया के लिए दस्तावेज जमा किए थे। उन कागजों को गोदाम के कर्मचारियों ने कूड़े के ढेर में फेंक दिया। जबकि वे लोग यूरिया के लिए दिन दिन भर लाइन में लगते

- यूरिया के लिए दिए थे, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

हैं। समिति सचिव सुरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि बुधवार को काफी संख्या में किसान समिति पर आए थे, उन्होंने ही दस्तावेजों को फेंका है। किसान संगठनों के पदाधिकारियों ने कार्रवाई की मांग की है।

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पानी में बैठकर किया प्रदर्शन

हसनपुर, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी ने गंगेश्वरी ब्लॉक के गांव साथलपुर में पानी में बैठकर बदहाल सड़कों को सही कराने के लिए प्रदर्शन किया। वह एक विचार गोष्ठी में शामिल होने के लिए आए थे। प्रदर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में डॉ. भाटी घुटनों तक पानी में बैठे दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि सड़कों की जर्जर हालत की ओर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे हैं और न ही प्रशासन व जनप्रतिनिध, इससे लोगों को दिक्कत हो रही है। कहा कि जनता की समस्याओं पर जनप्रतिनिधि को भी ध्यान देना चाहिए।

समाधान न होने पर कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे किसान

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

महापंचायत में बोलते भाकियू (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (शंकर) की ओर से गुरुवार को जनजागरण अभियान के चलते किसान महापंचायत का आयोजन डिडौली गांव के सचिवालय में किया गया। इसमें किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि 6 अगस्त तक समस्याओं का समाधान न हुआ तो भाकियू सात अगस्त को कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी।

पंचायत में राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने मध्य गंगा नहर फेस टू से पानी छोड़ने, जंगली जानवरों से सुरक्षा, केसीसी खातों में हो रहे खेल पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्रेडिट कार्ड पर पांच लाख की लिमिट अब तक सपना बनी है। इस ओर भी ध्यान दिया। नकली खाद और कीटनाशकों पर

- विभिन्न समस्याओं को लेकर किसानों ने किया महा पंचायत का आयोजन
- निराकरण न होने पर सात अगस्त को कलेक्ट्रेट के घेराव करने की दी चेतावनी

लगाम लगाई जाए। इसके साथ ही कई अन्य मांगें किसान नेता ने की। इसके अलावा गजरौला औद्योगिक इकाईयों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण पर रोक लगाने समेत कई अन्य मांगों को रखा। साथ ही चेतावनी दी कि यदि छह अगस्त तक समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो किसान 7 अगस्त को कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। पंचायत की अध्यक्षता नरेश भगत और संचालन महिपाल सिंह ने किया। तमाम किसान और यूनियन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री रामायण संकीर्तन मंडल ने मनाई गोस्वामी तुलसीदास की जयंती

गोस्वामी तुलसीदास की मूर्ति पर माल्यार्पण करते संकीर्तन मंडल के सदस्य।

संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: श्री रामायण संकीर्तन मंडल (रजिस्टर्ड) की ओर से गुरुवार गोस्वामी तुलसीदास की जयंती मनाई गई। मंदिर श्री बाबा गंगा नाथ में तुलसीदास एवं प्रभु श्री राम दरबार की प्रतिमाओं पर वस्त्र पहनकर सामूहिक रूप से आरती की गई। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद कमेटी के पदाधिकारी वासुदेव तीर्थ पर पहुंचे। वहां तुलसी उद्यान में जाकर गोस्वामी तुलसीदास की विशाल प्रतिमा को जल से स्नान कराया गया और प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम मे अध्यक्ष चौनसुख गोले, महामंत्री अतुल पडित, कोषाध्यक्ष संदीप रस्तौगी, संयोजक प्रतुल शर्मा, धर्मंद्र शर्मा, पकंज बिश्नोई, शशि प्रकाश, सुभाष गुप्ता, पवन शर्मा, अरविंद रस्तौगी, आलोक शर्मा, राजवीर सिंह यादव, कौशल शर्मा, विपुल श्रीमाली आदि रहे।

ड्रोन की अफवाहों पर ध्यान न दें ग्रामीण

संवाददाता हसनपुर

ग्रामीणों से वार्ता करते सीओ दीप कुमार पंत और थाना प्रभारी दिनेश शर्मा।

अमृत विचार : ड्रोन से जुड़ी खबरों को लेकर सोशल मीडिया पर आए दिन पोस्ट होती हैं। जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। बुधवार देर रात सीओ दीप कुमार पंत और थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने कई गांवों में बैठक कर लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

सीओ और थाना प्रभारी ने बुधवार देर रात गांव शाहपुर कला, मंगरौली, मांगरोला एवं रुस्तमपुर आदि गांवों में बैठक की। लोगों को बताया कि ड्रोन की अफाहों पर ध्यान न दें। इस तरह की भ्रामक खबरों को सोशल मीडिया पर जो लोग फैला रहे हैं। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। यह खबरें पूरी तरह से असत्य हैं। गांवों में सुरक्षा समितियों का भी गठन

- बैठक कर सीओ ने लोगों को किया जागरूक

किया गया। सुरक्षा समितियों में गांव के 20 से 25 युवाओं को सम्मिलित करने की बात कही है। जिनका व्हाट्सएप नंबर हल्का इंचार्ज के पास रहेगा। थाना प्रभारी ने बताया कि 91 गांवों के लोगों से उनकी बात हो चुकी है।

पंचायत भवन के ताले तोड़कर चोरी

डिडौली, अमृत विचार : चोरों ने ग्राम पंचायत भवन के ताले तोड़कर बैटरी इन्वर्टर सहित 60 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। ग्राम प्रधान ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

डिडौली थाना क्षेत्र के गांव स्योनाली के ग्राम प्रधान खालिद हुसैन ने बताया कि मंगलवार रात को चोरों ने पंचायत भवन के ताले तोड़ दिए थे। इसके बाद चोर पंचायत भवन में रखा स्टेप्लाइजर, दो बैटरी, इन्वर्टर समेत करीब 60 हजार रुपये का सामान चोरी करके भाग गए। बुधवार की सुबह जब लोग वहां पहुंचे तो पंचायत भवन के ताले टूटे पड़े थे। लोगों ने ग्राम प्रधान को सूचना दी। ग्राम प्रधान खालिद हुसैन मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी की। इसके बाद प्रधान ने कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिव महापुराण में गौतम ऋषि की कथा का किया वर्णन

संवाददाता, हसनपुर

कथा सुनते श्रद्धालु।

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव शेखूपुर झकड़ी में कथा का आयोजन हो रहा है। गुरुवार को कथा व्यास स्वामी राजेंद्र मुनि महाराज ने शिव महापुराण में गौतम ऋषि की कथा सुनाई। बताया कि गौतम ऋषि सप्तर्षियों में से एक थे। ऋग्वेद में उनके नाम से कई सूक्त (मंत्रों) का उल्लेख है। उनकी पत्नी का नाम अहिल्या था और उनकी कहानी पौराणिक कथाओं में प्रसिद्ध है। इस मौके पर स्वामी प्रवेश मुनि महाराज, कमलेश मुनि, धर्म मुनि, नारद मुनि, शास्त्री दिनेश शर्मा बदायूं, यश वशिष्ठ, सोनू, बब्बू चौधरी, रक्षपाल सिंह, राजू, जोगेंद्र सिंह, संतवीर सिंह, महिपाल, राम सिंह, ऋषिपाल सिंह, रोहताश सिंह, रघुवीर सिंह, बलवंत सिंह, शिवनाथ सिंह, अंजू शास्त्री आदि भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

मौसम

धान की फसल के लिए संजीवनी बनी बारिश

झमाझम बारिश से फसलों को पानी और गर्मी से मिली राहत

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

बारिश में लाइट जलाकर गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

बारिश में छाता लगाकर निकलते युवक।

अमृत विचार : जिले में गुरुवार सुबह से कई स्थानों पर झमाझम बारिश होने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वहीं धान की फसलों को पानी मिल गया। इससे किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। तेज बारिश के कारण शहर और कस्बों में कुछ जगहों पर जल भराव की समस्या बन गई।

गुरुवार को सुबह से ही मौसम का मिजाज बदलने लगा। एकाएक चलीं हवाओं के बाद जमकर बारिश शुरू हो गई। करीब दो घंटे तक तेज बारिश हुई। जिससे धान की फसलों को काफी राहत मिली। वहीं बाजरा को नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है।

किसानों ने बताया कि इस बारिश से धान की फसलों को पानी मिल गया है। जिससे किसानों को काफी राहत मिली है। वहीं गर्मी से लोगों को राहत मिली है। उमस के कारण लोग पसीना पसीना हो रहे थे।

चोक नालों से बहा कीचड़

नगर पालिका की ओर से शहर में सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया। झमाझम बारिश के बाद नालों से बहा कीचड़ सड़कों पर फैल गया, जिससे लोगों का दिक्कत हुई।

शहर में जलभराव होने से लोगों को हुई दिक्कत

गुरुवार शाम हुई बरसात से शहर में जगह-जगह जलभराव की समस्या बन गई। कई स्थानों पर नालों से उफनी गदंगी सड़क तक आ गई। बारिश से शहर के आजाद रोड, कैलसा बाईपास रोड, नगर पालिका रोड, जेएस इंटर कॉलेज रोड, बसावन गंज, बड़ा बाजार, मोहल्ला लकड़ा आदि स्थानों पर जलभराव की समस्या बन गई। सड़कों पर निकले वाहन चालकों व राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद रास्तों पर कीचड़ ही कीचड़ दिखाई दिया। पालिका प्रशासन के नाला सफाई से जुड़े हवाई दावों की पोल भी खुलती नजर आई।

हत्या कर कार लूटने वाले दो लुटेरों को आजीवन कारावास की सजा

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- पुलिस की विवेचना में खुली कहानी, कोर्ट ने 1.02 लाख का लगाया जुर्माना

अमृत विचार : चालक की हत्या कर कार लूटने वाले दो आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा और 1.02 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

बिजनौर जिले के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव गोयली जलालपुर निवासी कपिल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उनका भाई अजय कुमार उर्फ गोलू टैक्सी चालक था। 13 मई 2017 को अजय बिजनौर में टैक्सी स्टैंड पर सवारियों का इंतजार कर रहा था। उसी दौरान उसी दौरान बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव कुआंखेड़ा निवासी जर्रार अली व बिजनौर जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव कराल निवासी मोहम्मद जाकिर टैक्सी स्टैंड पर पहुंचे। दोनों अजय की टैक्सी को अमरोहा के लिए बुक किया था। इसके बाद अजय उर्फ गोलू जर्रार अली व मोहम्मद जाकिर को लेकर बिजनौर से अमरोहा के लिए निकल पड़ा। रास्ते में दोनों की हत्या कर दी और शव को रेलवे ट्रैक पर शेरपुर हाल्ट के पास फेंक दिया था। घर न पहुंचने पर परिजनों ने अजय को तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला। तब कपिल ने थाना बछरायू पर गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद शव मिल गया तो परिजनों की अजय के रूप में शिनाख्त की। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने विवेचना शुरू की तो आरोपियों के नाम सामने आ गए। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई कार भी पुलिस ने बरामद कर ली थी। इस मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट द्वितीय की कोर्ट में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता नितिन बंसल कर रहे थे। गुरुवार को कोर्ट में मुकदमे की आखिरी सुनवाई हुई जिसमें पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्य के आधार पर अदालत ने जर्रार अली व मोहम्मद जाकिर को दोषी करार देते हुए दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा 1.02 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

अमृत विचार

मुरादाबाद , शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

बरसात के दौरान गिरी मकान की छत

ओबरी, अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र के गांव शहबाजपुर कलां में बुधवार देर रात तेज बारिश में छत गिर गई। याकूब ने बताया कि रात में बारिश में छत से पानी टपकने लगा और छत का बड़ा हिस्सा गिर गया। लेखपाल और ग्राम प्रधान ने मुआयना किया। बताया कि यह मकान काफी पुराना था और कमजोर हो चुका था।

दिल्ली में गड्ढे में दबकर संभल के युवक की मौत

संभल/ कैला देवी, अमृत विचार : रुदायन निवासी महेश का बेटा विकास दिल्ली के जहांगीरपुरी में पाइप लाइन बिछा रहा था। बुधवार देर शाम पाइप लाइन के लिए खोदे गड्ढे में गिरकर विकास की मौत हो गई। मृतक के परिजन दिल्ली के लिए रवाना हो गए। दिल्ली पुलिस ने विकास का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दुष्कर्म के प्रयास की रिपोर्ट दर्ज नहीं

संभल/ रजपुरा, अमृत विचार : रजपुरा के एक गांव निवासी युवती का कहना है कि 5 जुलाई को वह स्कूटी से गुन्नौर जा रही थी। गांव के युवक ने स्कूटी के आगे बाइक आगे लगा दी। इसके बाद उसे खींचकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। चीखने चिल्लाने पर चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी देकर भाग गया। युवती की रिपोर्ट 26 दिन बाद भी नहीं लिखी गई। रजपुरा थाना प्रभारी निशांत राठी ने बताया कि जांच की जा रही है। जमीन के एक विवाद की बात सामने आ रही है।

महिला की मौत, हत्या का आरोप

संभल/ रजपुरा, अमृत विचार : बदायूं के जरीफनगर थाना क्षेत्र के दहगवां निवासी अतर सिंह ने पुत्री मिथलेश की शादी आर्थल निवासी कुलदीप के साथ की थी। पिछले कुछ समय से परिवार में कलह थी। गुरुवार दोपहर 2 बजे मिथलेश की हालत खराब हो गई। परिजन अस्पताल ले गए जहां उसकी मौत हो गई। कुलदीप का कहना है कि मिथलेश ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रैक्टर ने कार में मारी टक्कर, महिला घायल

कुढफतेहगढ़ /चंदौसी, अमृत विचार : विजय कुमार निवासी अतरासी, ललिता, फूलवती और हरवीर निवासी लच्छमपुर थाना बिलारी कार से आ रहे थे। भगतपुर के निकट ट्रैक्टर ने कार में टक्कर मार दी गया। कार में बैठी ललिता घायल हो गई।

बुधवार को मायके से ससुराल आई महिला की मौत, आनन- फानन कर दिया अंतिम संस्कार

भाई ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस ने अंतिम संस्कार वाली जगह से जांच के लिए उठाई राख

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र में रात में दूसरे समुदाय के युवक के घर में मिलने के बाद मायके गई विवाहिता ससुराल लौटी तो कुछ ही घंटे में मौत हो गई। बहन का फोन रिसीव न होने पर भाई पहुंचा तो अंतिम संस्कार किया जा चुका था। पुलिस ने अंतिम संस्कार की जगह से राख जांच के लिए कब्जे में ली।

मतवाली पट्टी गांव निवासी जयपाल सिंह गार्ड की ड्यूटी करने के बाद 14 जुलाई की रात 12:30 बजे अपने घर पर पहुंचा तो कमरे में संदिग्ध व्यक्ति था। जयपाल ने चोर-चोर का शोर मचाया तो वह व्यक्ति भाग गया था। इस व्यक्ति की पहचान जयपाल ने गांव के ही शाहरुख खान उर्फ समीर के रूप में करते हुए थाना असमोली पर मुकदमा दर्ज कराया था। इस घटना के बाद गांव में जितने मुंह उतनी बात के हालात में जयपाल की पत्नी अमरोहा जनपद के गांव अपने मायके में चली गई थी। बुधवार दोपहर को महिला का भाई उसे ससुराल में छोड़कर चला गया था। रात में भाई ने बहन को फोन किया तो फोन रिसीव नहीं हुआ। बार-बार फोन करने के बाद भाई को शक हुआ और वह गुरुवार दोपहर मतवाली पट्टी जग्गू पहुंच गया।

अंतिम संस्कार की जगह से राख व अन्य वस्तुएं लेते कोतवाल राजीव मलिक।

- 14 जुलाई की रात ग्रामीण ने दूसरे समुदाय के युवक को अपने घर में पकड़ा था, कराई थी रिपोर्ट
- महिला मायके चली गई थी जहां से बुधवार को भाई सुसराल छोड़कर गया था

बताया गया कि उसकी बहन की मौत हो गई और अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। इसके बाद भाई ने पुलिस को सूचना दी तो असमोली थाना प्रभारी राजीव मलिक व सीओ असमोली कुलदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। पुलिस अधिकारी जंगल में महिला के अंतिम संस्कार वाली जगह पहुंचे। मौके से राख व अन्य वस्तुएं जांच के लिए लीं। भाई ने बहनोई पर अपनी बहन की हत्या कर सबूत मिटाने के लिए अंतिम संस्कार का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। थाना प्रभारी राजीव मलिक ने बताया कि मायके से लौटने के कुछ घंटे में महिला की मौत और अंतिम संस्कार सामान्य नजर नहीं आती है। पुलिस साक्ष्य जुटा रही है। तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

गांव में कोई बोलने को तैयार नहीं

पुलिस को उम्मीद थी कि गांव के लोग कुछ जानकारी देंगे लेकिन ग्रामीण चुप्पी साधे बैठे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला की मौत से उसके अंतिम संस्कार तक गांव के लोग चुप्पी साधे बैठे रहे वह सोचने पर मजबूर करता है। गांव के लोगों ने न तो महिला के मायके वालों को कुछ बताया और न ही पुलिस को।

शिक्षक पर कार्रवाई की मांग को लेकर परिजनों का हंगामा

बच्चे को लेकर स्कूल के गेट पर खड़े परिजन। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: बच्चे को लोहे के स्केल से पीटकर घायल करने वाले शिक्षक को स्कूल से हटाने की मांग को लेकर परिजनों ने हंगामा किया।

चार दिन पहले ट्यूशन पढ़ाते समय शिक्षक ने कक्षा 5 के छात्र विराट को लोहे के स्केल से पीटा था। शिक्षक की पिटाई से छात्र बुरी तरह घायल हो गया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने शिक्षक अर्पित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शांति भंग की कार्रवाई कर सिटी मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया था जहां से जमानत मिल गई थी। गुरुवार को छात्र के परिजन स्कूल पहुंचे। यहां शिक्षक प्रधानाचार्य है। छात्र के पिता हरिशंकर व अन्य परिजनों ने विद्यालय प्रबंध समिति से शिक्षक को स्कूल से हटाने की मांग की। पिता ने आरोप लगाया कि बेटा स्कूल गया तो उसे क्लास में नहीं बैठने दिया। तीन दिन बाद परीक्षा कैसे देगा। पिता ने कहा कि वह बाल संरक्षण आयोग और मुख्यमंत्री तक जायेगा।

राशन वितरण में धांधली को लेकर प्रदर्शन, ज्ञापन दिया

संभल में एसडीएम को ज्ञापन देते आजाद अधिकार सेना के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: आजाद अधिकार सेना के कार्यकर्ताओं ने राशन वितरण में धांधली व भ्रष्टाचार के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार के कारण लोग पीड़ित हैं। प्रत्येक लाभार्थी को 5 किलोग्राम अनाज मिलना चाहिए वहीं चार से साढ़े चार किलोग्राम अनाज दिया जा रहा है। अनाज की कालाबाजारी, कम तौल और गैर लाभार्थियों को अनाज वितरण के तमाम मामले आ रहे हैं। कई बार दुकानों पर स्टॉक की कमी का बहाना बनाकर लाभार्थियों को लौटा दिया जा रहा है। राशन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। प्रदेश महासचिव खिजर गौस, जरीफ मिर्जा, फैजान खान, डॉ. शहनवाज चौहान, रागिब हुसैन, उस्मान खान, मनोज कुमार, आसिफ एडवोकेट, आरिफ मसूदी, जावेद खान, शानू खान, रऊफ किदवई, फुरकान अल्वी, इलियास कुरैशी, फहीम, जुनैद आदि लोग रहे।

अल्फैज ने जीता दंगल का फाइनल

पहलवानों के हाथ मिलवाते आयोजक।

संभल, अमृत विचार: रसूलपुर धतरा गांव में छड़ी मेले के दंगल में फाइनल अल्फैज पहलवान ने जीता।

छोटे बड़े पहलवान में रोमांचक मुकाबला हुआ। राजू पहलवान रसूलपुर और रजा पहलवान रसूलपुर का मुकाबला बराबरी पर रहा। दूसरे मुकाबले में आंसू पहलवान को अल्फैज पहलवान सरायतरीन ने शिकस्त दी। सुल्तान पहलवानरसूलपुर और धर्मेंद्र पहलवान सौधन का मुकाबला बराबरी पर छूटा। फाइनल में मुस्तफा को अल्फैज ने हरा दिया। संचालन नाजिम मलिक ने किया। ग्राम प्रधान राजवीर ने पहलवानों को सम्मानित किया गया। शाहरुख मंसूरी , इरशाद, लियाकत ,बदलू सैफी, नासिर, शाहजेब मौजूद रहे।

पुलिस ने दिलाया जमीन व मकान पर कब्जा

- 50 साल से मकान में रह रहा व्यक्ति हुआ संपत्ति से बेदखल
- मजदूरों ने मकान खाली करने से लेकर तारकशी की

संभल में जमीन व मकान पर कब्जे के दौरान मौजूद पुलिस बल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: संभल में नौ बीघा जमीन व मकान को लेकर 50 साल से चल रहे मुकदमे में अदालत ने एक पक्ष को जमीन पर काबिज कराने का आदेश दिया। गुरुवार को भारी संख्या में पहुंचे पुलिस बल की मौजूदगी में जमीन व मकान से एक व्यक्ति को बेदखल कर दूसरे पक्ष को कब्जा दिलाया गया।

गुरुवार को एजेंटी तिराहा के निकट पुलिस की कई गाड़ियां और भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचना शुरू हुआ तो लोग चर्चा करने लगे कि आखिर क्या होने वाला है। इसके बाद पुलिस जवानों ने एक गली का रुख किया। इसके बाद अदालत के आदेश का हवाला देकर एक मकान और 9 बीघा जमीन पर कब्जे की कार्रवाई शुरू की गई। 100 से ज्यादा मजदूर मौके पर पहुंचे और मकान से सामान निकालने से लेकर निर्माण के लिए नींव खोदने और जमीन पर तारकशी करने जैसे कामों में जुट गए। इस दौरान इस इलाके में बाहरी लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

बताया गया कि 1974 में बन्नी बेगम नाम की महिला ने बशीर अहमद के खिलाफ अपर जनपद न्यायाधीश मुरादाबाद की अदालत में वाद दायर कर कहा था कि उन्होंने बशीर अहमद से जमीन खरीदी है इसके बावजूद वह उसे पर काबिज नहीं होने दे रहे। यह मामला हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को 4 महीने में प्रकरण निस्तारित करने के आदेश दिए थे। इसके बाद ही जनपद की एक अदालत से बनी बेगम पक्ष को जमीन व मकान पर काबिज करने के आदेश जारी किए गए थे।

बारिश ने गर्मी से दी राहत जलभराव से जूझे लोग

बहजोई में बरसात के बाद सड़क पर जलभराव के हालात। ● अमृत विचार

बहजोई, अमृत विचार: झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी में नागरिकों को राहत पहुंचाई वहीं घंटों तक सड़कों पर जल भराव नागरिकों की परेशानी का सबब बना।

काली मंदिर रोड , मुरादाबाद आगरा हाईवे, नारायण टोला, गोलागंज, स्टेशन रोड सहित विभिन्न सड़कें जलमग्न हो गईं। नगर पालिका के जल निकासी के दावों पर बारिश ने पानी फेर दिया। घंटो तक पानी की निकासी नहीं हो पाई तो लोग नगर पालिका को कोसते हुए नजर आए। उनका कहना था कि हर बार नगर पालिका दावा करती है कि पानी निकासी के लिए काम किया जा रहा है। लेकिन बारिश के मौसम में हमेशा ही यही हाल रहता है। व्यापारियों का कहना था कि जलभराव के कारण उनका व्यापार ठप हो जाता है।

तेंदुए की दहशत के बीच मुख्य वन संरक्षक पहुंचे सैदपुर जसकोली

कार्यालय संवाददाता,संभल/ असमोली

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के गांव सैदपुर जसकोली में तेंदुआ देखे जाने के बाद मुख्य वन संरक्षक ने गांव पहुंचे। चार-चार कर्मचारियों की दो टीमें बनाकर प्रभावित क्षेत्र की निगरानी की जिम्मेदारी दी गई।

शाहपुर सोत संपर्क मार्ग पर ग्रामीणों ने 28 जुलाई की रात तेंदुआ देखा था। वन कर्मचारियों ने गांव के बाहर कैमरा लगाया ताकि तेंदुए की हरकतें कैद हो सकें। बृहस्पतिवार को मुरादाबाद से मुख्य वन संरक्षक रमेश कुमार गांव पहुंचे। उन्होंने डीएफओ प्रीति यादव व वन दरोगा मोहित कुमार यादव के साथ उन जगहों को देखा जहां तेंदुआ नजर आया था। ग्रामीणों से ग्रुप बनाकर जंगल में जाने की अपील की। बच्चों को खेतों की तरफ न आने देने के लिए कहा। दो टीमों का गठन किया जिसमें चार-चार कर्मचारी प्रभावित क्षेत्र में गश्त करेंगे। एक टीम रात को जबकि दूसरी टीम दिन में गश्त करेगी। बताया कि कैमरा लगाने के साथ ही कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है। कुछ भी नजर आता है तो जल्द ही पिंजरा भी लगा दिया जायेगा।

सैदपुर जसकोली गांव पहुंचे मुख्य वन संरक्षक व अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

- चार-चार कर्मचारियों की दो टीमों को दी निगरानी की जिम्मेदारी

न्यूज डायरी

कथा से पूर्व कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

श्रीमद भागवत कथा से पूर्व निकाली गई कलश यात्रा

चन्दौसी, अमृत विचार : श्री गीता सत्संग भवन में 7 सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा से पूर्व गुरुवार को कलश यात्रा का आरंभ गणेश कॉलोनी से हुआ। कथा वाचक पंडित प्रशांत कुमार मिश्र आगे चल रहे थे। कलश यात्रा श्री गीता सत्संग भवन पर पहुंच संपन्न हुई। दिवाकर पाठक, ऋचा पाठक, कृष्णाकांत पांडेय, कृष्णा पाठक, सत्यप्रकाश पाठक, आईपी शर्मा, रामा शंकर शर्मा, डॉ. जयशंकर दुबे, मदन लाल शर्मा, चंद्र प्रकाश, राधेश्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

सड़क निर्माण की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

चन्दौसी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव प्रहलादपुर के लोगों ने मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारियों को पत्र भेजकर गांव की 200 मीटर कच्ची सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है किपक्की सड़क से आंबेडकर पार्क तक 200 मीटर कच्चा रास्ता है। बरसात में कीचड़ से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव प्रहलाद ग्राम पंचायत अफजलपुर डरौली का उपगांव है। गांव मेंसफाई कर्मचारी तैनात नहीं है। पत्र भेजने वालों में पीके सिंह, चौखे लाल, गुड्डू बाबू, सुखदेव, धर्मपाल दिवाकर, अमरीश कुमार, विमला, शीला देवी, सीताराम आदि शामिल रहे।

मोक्ष सप्तमी पर्व पर पूजा अर्चना करते जैन समाज के लोग।

शिव सब पर करते हैं कृपा

संभल, अमृत विचार : हल्लू सराय में चामुंडा मंदिर पर कथा के प्रथम दिन कथा व्यास आचार्य अनंतदास महाराज ने कहा कि भगवान शिव ही हैं जो जीवों के अवगुणों को नहीं देखते और सभी पर कृपा करते हैं। श्रावण मास के बारे में बताया। अन्य प्रसंग सुनाए। पंकज शर्मा, निधि शर्मा मुख्य यजमान रहे। महंत मुरली , मनोज कुमार गुप्ता, रामकिशन ठकराल, रजनीकांता चौहान, योगिता गुप्ता, मोनिका अरोड़ा, दयावती शिवओम गुप्ता शुभम गुप्ता, राजू ठाकुर, शिवम ठाकुर, संजय ठाकुर आदि मौजूद रहे।

जैन समाज ने मनाया मोक्ष सप्तमी पर्व

बहजोई, अमृत विचार : जैन समाज ने श्रावण शुक्ल सप्तमी पर मोक्ष सप्तमी पर्व श्रद्धाऔर धार्मिक उल्लास से मनाया गया। श्री दिगंबर जैन मंदिर में प्रात: काल जिनेंद्र भगवान का अभिषेक शांति धारा नित्य नियम पूजन निर्माण लड्डू अर्पण किया गया। श्री दिगम्बर जैन सभा के महामंत्री सम्भव जैन ने बताया कि श्रावण शुक्ल सप्तमी को तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जाता है। अध्यक्ष सुनील जैन, उपाध्यक्ष संजय जैन, कोषाध्यक्ष मितेश जैन, ट्रस्टी चंद्रप्रकाश जैन, राहुल जैन सर्राफ, मनोज जैन, प्रेरक जैन, अंशुल जैन, राजेन्द्र जैन आदि मौजूद रहे।

तुलसीदास, प्रेमचंद,उधम सिंह को किया याद

चन्दौसी, अमृत विचार : महापुरुष स्मारक समिति व सर्वसमाज जागरुकता अभियान की ओर से गोस्वामी तुलसीदास व मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अलावा क्रांतिकारी उधम सिंह का बलिदान दिवस राजेश कुमार पब्लिक स्कूल में मनाया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने श्री रामचरित मानस जैसा ग्रंथ लिखा। मुंशी प्रेमचंद संवेदनशील लेखक, सचेत नागरिक, कुशल वक्ता थे। वहीं उधम सिंह ने जलियावाला बाग गोलीकांड के बाद गवर्नर माइकल ओ डायर के मारने की कसम खाई। उन्होंने डायर को दो गोलियां मारकर ढेर कर दिया और भागे नहीं गिरफ्तारी दी। देवेंद्र प्रसाद शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, दिने चंद्र गुप्ता, राजेश कुमार, वेदराम मौर्य, रामकिशोर अग्रवाल, हरी सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

तुलसीदास व प्रेमचंद की जयंती मनाई

चन्दौसी, अमृत विचार : एसएम कॉलेज में रानी रामकली सांस्कृतिक क्लब की ओर से गोस्वामी तुलसीदास व मुंशी प्रेमचंद की जयंती कार्यक्रम का आरंभ डॉ. राम आधार सिंह यादव ने किया। वक्ताओं ने तुलसीदास को क्रांतिकारी कवि बताया। कहा कि मुंशी प्रेम चंद के उपन्यास व कहानियां युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इस दौरान डॉ. अंजू चौहान, डॉ. विशेष कुमार, डॉ. स्कंद, डॉ. कंचन त्रिपाठी, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. प्रीति रानी आदि मौजूद रहे।

एसएम कालेज में छात्रों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार: एसएम डिग्री कलेज में पॉलिटिकल साइंस फेल होने पर रोष व्यक्त कर छात्रों ने कालेज प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि इस विषय में सभी बच्चों को जीरो नंबर दिया गया है।

गुरुवार को बीए अंतिम वर्ष के छात्रों का गुस्सा उस समय फूट गया जब उन्होंने पॉलिटिकल साइंस पेपर में फेल होने के संबंध में अपनी मार्कशीट और प्रार्थना पत्र शिक्षक के पास जमा करने पहुंचे। शिक्षक ने उनके डॉक्यूमेंट जमा करने से इनकार कर दिया और यूनिवर्सिटी को ज्ञापन लिखकर देने को कहा। छात्रों ने बताया कि तीन दिन पहले कॉलेज प्रशासन को इस संबंध में प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसके बाद मंगलवार को काफी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय भी गए जहां कालेज व विश्वविद्यालय के रवैये से पेपर में फेल होने वाले छात्र परेशान है। जिसको लेकर छात्रों ने कालेज प्रशासन के खिलाफ कालेज परिसर में जमकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। इस दौरान पवन पाल, मुस्तफा, रवि कुमार, जितेश, प्रिंस शर्मा, मोहित श्रीवास्तव, सौरभ कुमार, सनी, नितिन, अंकित, नदीम हुसैन, मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एसएम कालेज गेट पर प्रदर्शन करते छात्र। ● अमृत विचार

- राजनीति शास्त्र में जीरो नंबर मिलने पर जता रहे आक्रोश

उन्हें कालेज की गलती बताते हुए वापस भेज दिया। साथ ही समस्या का समाधान कालेज के ऊपर छोड़ दिया। जब छात्रों ने कालेज में समस्या के समाधान को कालेज में वार्ता की तो कालेज प्रशासन ने विश्वविद्यालय से समस्या का हल होना बताया।

एसीएमओ ने लिखाई किसान नेता सहित आठ पर रिपोर्ट

संवाददाता बहजोई

अमृत विचार: 12 दिन पहले आशा वर्कर का अनुभव प्रमाण पत्र बनाने को लेकर भारतीय किसान यूनियन नेताओं के हंगामे को लेकर एसीएमओ ने मंडल महासचिव व आशा वर्कर के देवर सहित 6-7 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

19 जुलाई को मंडल महासचिव मुकेश व आशा वर्कर का देवर पप्पू आशा वर्कर का अनुभव प्रमाण पत्र बनवाने के लिए एसीएमओ दफ्तर गए थे। यहां किसी बात पर एसीएमओ डॉ. पंकज बिश्नोई व मंडल महासचिव के बीच तीखी नोकझोंक हो गई थी। इसके बाद एसीएमओ ने मंडल महासचिव पर अभद्रता का आरोप लगाया था वहीं मंडल महासचिव ने आशा वर्कर का अनुभव प्रमाण पत्र तथा अन्य समस्याएं का निस्तारण न करने का आरोप लगाया था। एसीएमओ डॉक्टर पंकज बिश्नोई की ओर से कोतवाली में मुकेश व पप्पू सहित 6-7 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

विवाहिता ने फंदा लगाया, हत्या का आरोप

सौंधन/कैला देवी, अमृत विचार: बदायूं के जरीफ नगर के गांव निवासी राजेश्वरी की शादी नंदकिशोर के साथ 2 वर्ष पहले हुई थी। कुछ दिन से परिवार में झगड़ा चल रहा था। गुरुवार शाम को राजेश्वरी ने फंदा लगा लिया। मायके वाले मौके पर पहुंच गए तथा हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। कैलादेवी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

न्यूज ब्रीफ

बीबीए में दाखिले के लिए अंतिम तिथि 31 अगस्त

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन विभाग द्वारा संचालित मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) लखनऊ में तीन वर्षीय बीबीए (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) कोर्स में दाखिला लेने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ा दी गयी है। पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक छात्र अब बढ़ाई गई समयसीमा तक लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियनों को मिलेगी पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से कार्यरत फार्मासिस्ट व लैब टेक्नीशियन, जिन्हें ससमय पदोन्नति नहीं मिली है, उन्हें पदोन्नति मिलेगी। इसके लिए स्वास्थ्य महानिदेशालय ने सभी सरकारी अस्पताल प्रशासन, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, सभी मुख्य चिकित्साधिकारी व मंडलीय अपर निदेशकों से पात्र कर्मियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टियां(एसीआर) एवं अन्य अभिलेख 15 अगस्त 2025 तक मांगे गए हैं। स्वास्थ्य विभाग में निदेशक पैरामेडिकल डॉ .रंजना खरे ने 491 फार्मासिस्टों की सूची जारी करते हुए, सभी एसीआर मांगी हैं। पुन : अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि प्रपत्र उपलब्ध करा दिए जाए ताकि चीफ फार्मासिस्ट के पद पर पदोन्नति मिल सके।

चार माह से बिना वेतन 350 कर्मचारी

अमृत विचार लखनऊ : प्रदेश में सूडा की तरफ से दीनदयाल राष्ट्रीय आजीविका मिशन (डेएनयूएलएम) में तैनात कर्मचारियों को चार माह से वेतन नहीं मिला है। योजना का विस्तार न होने की वजह से कर्मचारी अधर में हैं और कार्यालयों पर हाजिरी लगा रहे हैं। मुख्यालय और जिलों डेएनयूएलएम योजना के तहत आउटसोर्स पर स्टेट मिशन मैनेजर, सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक आयोजक, सहायक स्टाफ और कंप्यूटर ऑपरेटर समेत 350 कर्मचारी तैनात हैं। इन्हें इस वित्तीय वर्ष में वेतन नहीं मिला है। इसकी वजह जिस योजना के तहत इन कर्मियों को रखा गया है उन योजनाओं का विस्तार नहीं हुआ है। स्थितियां भी साफ नहीं हैं।

औद्योगिक मांग के अनुरूप तैयार होगी कार्यशक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कौशल विकास मिशन ने इस साल किया रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटन

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिकॉर्ड लक्ष्य आवंटन किया गया है। पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए जिलों की औद्योगिक मांग, उपलब्ध संसाधनों, सेवायोजन क्षमता और पूर्व उपलब्धियों का गहराई से विश्लेषण किया गया। इसके आधार पर प्रशिक्षण प्रदाताओं को कार्यशक्ति तैयार करने के लक्ष्य दिए गए।

इस बार हर प्रशिक्षण प्रदाता को अधिकतम पांच जिलों तक सीमित किया गया है, ताकि कुछ संस्थानों का वर्चस्व न रहे और क्षेत्रीय संतुलन बना रहे। आकांक्षी जनपदों और ब्लॉकों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शत प्रतिशत प्रशिक्षण केंद्रों से आच्छादित किया गया है। जहां पिछले वर्ष आवासीय प्रशिक्षण मात्र 1 फीसदी था, उसे बढ़ाकर 36 फीसदी कर दिया गया है क्योंकि ऐसे प्रशिक्षण में छात्रों की उपस्थिति और गुणवत्ता बेहतर देखी गई है। वहीं, औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 47 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण और बेहतर सेवायोजन सुनिश्चित हो सके।

महिलाओं और दिव्यांगों को प्राथमिकता : प्रशिक्षण प्रदाताओं के लिए महिलाओं के लिए 33 और दिव्यांगों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके। इस बार ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, डिजिटल टेक्नोलॉजी, कंटेंट क्रिएटर, ग्रीन जॉब्स और सोलर एनर्जी जैसे भविष्य के उपयोगी कौशलों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ सीपेट, यूपिको जैसी विशिष्ट संस्थाओं को भी कुल 810 लक्ष्यों का आवंटन कर युवाओं को नई दिशा देने की पहल की गई है।

मानक के अनुरूप होंगे विद्यालय में शिक्षक : संदीप सिंह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों के विलय के बाद भी शिक्षकों और रसोइयों की भूमिका यथावत रहेगी। किसी भी पद को समाप्त नहीं किया जा रहा है, बल्कि इस योजना के अंतर्गत जहां 50 छात्र पंजीकृत हैं, वहां तीन शिक्षकों की अनिवार्य तैनाती की जाएगी। 50 से अधिक छात्र वाले विद्यालयों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शिक्षकों की व्यवस्था की जा रही है। राज्यमंत्री लोकभवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अब तक 1.26 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हो चुकी है। ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत 96 प्रतिशत परिषदीय विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं से लैस किया गया है। राज्यमंत्री ने कहा कि समायोजित करते समय विद्यालय तक बच्चों की पहुंच सरल, सुगम और सुरक्षित हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। विद्यालयों के विलय होने के बाद अधिक नामांकन वाले विद्यालयों को स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, अतिरिक्त कक्ष, कम्पोजिट ग्रांट, टीएलएम और खेल सामग्री जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता करते बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह।

कम्पोजिट विद्यालय हो रहे विकसित

राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं, जो आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त होंगे और जहां प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा एकीकृत रूप से दी जाएगी। इस क्रम में ही परिषदीय शिक्षकों के लिए 2.6 लाख टैबलेट्स, 31 हजार से अधिक स्मार्ट क्लास और 14 हजार से अधिक विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अत्याधुनिक और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गयी हैं। इनमें 82 हजार से अधिक बालिकाओं को आवासीय सुविधाएं दी जा रही हैं।

प्रदेश की शिक्षा प्रणाली हुई मजबूत

राज्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 में 48 हजार से अधिक विद्यालय 'निपुण विद्यालय' घोषित किए गए हैं। स्वतंत्र एजेंसी द्वारा प्रकाशित 'असर रिपोर्ट' में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में बच्चों के स्कूल आने और सीखने की इच्छा में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही 'परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024' में प्रदेश के कक्षा तीन के छात्रों का प्रदर्शन देश के औसत से बेहतर रहा है। भाषा और गणित जैसे विषयों में छात्रों ने राष्ट्रीय औसत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जो प्रदेश की शिक्षा प्रणाली की मजबूती को दर्शाता है।

जीरो टॉलरेंस, जीरो करप्शन होगा मूल मंत्र

लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद बोले यूपी के 56वें मुख्य सचिव : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी के 56वें मुख्य सचिव बनाए गए एसपी गोयल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस, जीरो करप्शन, औद्योगिक विकास एवं आर्थिक विकास की नीतियों को धरातल पर उतारने का पूरा जोर रहेगा।

वे गुरुवार को लोकभवन में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने व प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के पूरे प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों को समयबद्धता एवं पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराना सुनिश्चित किया जायेगा। प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने के लिये ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे प्रदेशवासियों को एक खुशहाल प्रदेश एवं युवाओं को एक बेहतर भविष्य मिल सके।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक श्री एम देवराज, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मोदी-योगी सरकार में काम का अच्छा अनुभव : मुख्य सचिव बने शशि प्रकाश गोयल को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के साथ भी अच्छा अनुभव है। वे बीते आठ वर्ष से अधिक के समय से प्रमुख सचिव और अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री के पद पर तैनात रहे। प्रदेश के एक-एक जिले पर उनकी गहरी पकड़ के साथ दिल्ली की ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक समझ में भी उनकी गहरी पकड़ मानी जाती है।

आईएएस टॉपर गोयल की पहली नियुक्ति थी इटावा : लखनऊ जन्मे व पले-बढ़े एसपी गोयल 1989 बैच के आईएएस टॉपर रहे हैं। उन्होंने बीएससी (ऑनर्स), एमसीए, ईएमआईबी (आईआईएफटी) किया है। उनकी पहली नियुक्ति असिस्टेंट मजिस्ट्रेट इटावा के रूप में हुई थी। इसके बाद अलीगढ़, बहराइच व मेरठ में मुख्य विकास अधिकारी रहे। गोयल इस बाद मथुरा, इटावा, प्रयागराज व देवरिया जिले के डीएम भी रहे। बसपा सरकार में वह कैबिनेट सेक्रेटरी रहे शशांक शेखर सिंह स्टाफ अफसर थे और अखिलेश यादव सरकार में सचिव नियोजन और कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग रहे। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद वह मानव संसाधन एवं उच्च शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव रहे।

लोकभवन में कार्यभार संभालते नवनिर्वाचित मुख्य सचिव एसपी गोयल, साथ में मनोज कुमार सिंह व अन्य।

गोयल व संजय प्रसाद को मिलीं नई जिम्मेदारियां

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव के रूप में कार्य करते समय एसपी गोयल के पास नागरिक उड्डयन, राज्य संपत्ति एवं प्रोटोकॉल विभाग की जिम्मेदारी भी थी। अब इसे मुख्यमंत्री कार्यालय, गृह एवं सूचना के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को दे दी गई है। जबकि एसपी गोयल को मुख्य सचिव के साथ अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव समन्वय विभाग, अध्यक्ष पिकप, यूपीडा एवं उपशा का मुख्य कार्यपालक अधिकारी व यूपीडास्प के निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद सीएम आवासा पर मुख्यमंत्री योगी को गुलदस्ता भेंट कर मुलाकात करते एसपी गोयल।

मुख्यमंत्री से मिले गोयल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्रकूट दौरे से लौटने के बाद नए मुख्य सचिव का कार्यभार ग्रहण करने वाले एसपी गोयल ने उनसे मुलाकात की। सीएम आवास पर योगी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई दी और दायित्वबोध कराया।

एक मतदान केंद्र पर होंगे तीन हजार मतदाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

- 14 अगस्त से घर-घर जाकर मतदाताओं का पुनरीक्षण करेंगे बूथ लेवल अफसर

अमृत विचार : अगले वर्ष होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में एक मतदान केंद्र पर तीन हजार मतदाता मतदान करेंगे। मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पात्र लोगों को मतदाता बनाने के लिए 14 अगस्त से बूथ लेवल अफसर बीएलओ घर-घर जाएंगे। मतदान केंद्र पर ज्यादा मतदाता होने पर एक से अधिक बीएलओ की नियुक्ति की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस सिलसिले में निर्देश जारी किया है।

पंचायतीराज विभाग व नगर विकास विभाग के बीच क्षेत्रों के परिसीमन को लेकर विवाद की स्थिति के बीच निर्वाचन आयोग ने समय पर चुनाव कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। जारी निर्देश में कहा गया है कि वर्ष 2026 में होने वाले चुनाव को स्वतंत्र व निष्पक्ष कराने के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित किये जायं। 18 से अधिक आयु वाले अर्ह व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जायं। आयोग के अधिकारियों के अनुसार निर्देश के तहत 14 अगस्त से बीएलओ घर-घर जाकर सभी अर्ह लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित करेंगे। 29 सितंबर तक यह कार्य पूरा किया जाएगा। 14 अगस्त से 22 सितंबर तक लोग ऑनलाइन तरीके से मतदाता सूची में नाम शामिल करा सकेंगे। 23 सितंबर से 29 सिंतबर तक ऑनलाइन आवेदनों को घर-घर जाकर जांच की जाएगी। 5 दिसंबर को अनंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

केवल विवादित क्षेत्रों में टल सकते हैं चुनाव

आयोग के अधिकारियों के अनुसार परिसीमन को लेकर नगर निकाय व पंचायतीराज विभाग के बीच विवाद की स्थिति में संबंधित क्षेत्र में चुनाव टाले जाने की संभावना है। विवाद का निपटारा होने पर संबंधित क्षेत्रों में चुनाव कराए जाएंगे।

15 अपर पुलिस अधीक्षक का हुआ तबादला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अभय मिश्रा एएसपी सतर्कता अधिष्ठान व डॉ. अर्चना सिंह एडीसीपी कानपुर बने

अमृत विचार : शासन ने गुरुवार 15 अपर पुलिस अधीक्षक का तबादला किया। दोपहर में जारी आदेश के अनुसार उपसेनानायक 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या अभय मिश्रा को अपर पुलिस अधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान और एएसपी पीएसी डॉ. अर्चना सिंह को अपर पुलिस उपायुक्त कानपुर नगर बनाया गया। इसी तरह मऊ के एएसपी महेश सिंह अत्रि को पीटीएस मुरादाबाद भेजा गया है।

इसी तरह धर्मेंद सचान को मुख्य सुरक्षा अधिकारी नागरिक उड्डयन एयरपोर्ट से पुलिस मुख्यालय, प्रमोद कुमार यादव उपसेनानायक 33वीं वाहिनी पीएसी झांसी से 36वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी, राजेंद्र प्रसाद यादव को सीआईडी मुख्यालय से सतर्कता अधिष्ठान, मोहिनी पाठक को यूपी-112 लखनऊ से पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, अनूप कुमार को यातायात निदेशालय से एएसपी मऊ, रंजन सिंह को एडीसीपी वाराणसी से आईजी स्थापना स्टाफ ऑफिसर , अशोक कुमार यादव को ईओडब्ल्यू (एसआईटी) से ईओडब्ल्यू मुख्यालय, कृष्णकांत सरोज को एएसपी ग्रामीण बदायूं से अभिसूचना मुख्यालय मेरठ, डॉ. राजीव कुमार सिंह को एएसपी अभिसूचना मुख्यालय मेरठ से सतर्कता अधिष्ठान, डॉ. हृदेश कठेरिया को एडीसीपी नोएडा से एएसपी ग्रामीण बदायूं, राहुल मिश्रा पुलिस मुख्यालय से एएसपी उत्तरी देवरिया और अरविंद कुमार वर्मा-1 को एएसपी देवरिया उत्तरी से पुलिस मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है।

पुरानी पेंशन योजना लाभ लेने के लिए अंतिम तिथि 31 सितंबर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने उन राज्य कर्मियों को जो नियमानुसार पुरानी पेंशन के हकदार हैं, निर्धारित तिथियों में लाभ प्राप्त करने के लिए विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सके हैं, उन्हें पुनः मौका दिया गया है। यह मौका राज्य कर्मियों के साथ पेंशन की संस्तुति संबन्धी आदेश पारित करने वाले अधिकारियों को भी दिया गया है, निर्धारित तिथि में पात्र कर्मियों को पुरानी पेंशन लाभ से संबद्ध कर दिया जाए।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने गुरुवार को जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि 28 मार्च 2005 के पूर्व विज्ञापित पदों के सापेक्ष हुआ है, उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, इसके लिए पूर्व में ओपीएस का विकल्प देने के लिए 31 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गयी थी, जिसके बढ़ाकर अब 30 सितंबर 2025 कर दिया गया है, उन्होंने स्पष्ट किया है कि उक्त तिथियों में विकल्प प्रस्तुत कर, पुरानी पेंशन का लाभ प्राप्त करें।

13,093 एमबीबीएस सीटों पर मिलेगा दाखिला

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की प्रथम चरण की काउंसिलिंग में प्रदेश के 44 सरकारी मेडिकल कॉलेज समेत कुल 110 मेडिकल कॉलेजों की 13 हजार 93 एमबीबीएस सीटें शामिल होंगी। कॉलेजों की सीटों का व्यौरा चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया गया है।

चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि प्रथम चरण की काउंसिलिंग में पंजीकरण कराने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट सूची सार्वजनिक कर दी गयी है। मेरिट क्रम में अभ्यर्थियों को 4 अगस्त तक तीन –तीन कॉलेजों की च्वाइस देनी होंगी। रिक्त सीट की उपलब्धता पर 5 अगस्त को सीट आवंटित कर परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कॉलेजों में राज्य कोटे की 85 प्रतिशत सीटों पर यूपी नीट यूजी काउंसिलिंग से दाखिले होंगे, शेष 15 प्रतिशत सीटो पर ऑल इंडिया कोटे से दाखिले लिए जाएंगे।

दो डॉक्टर, तीन नर्स निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन टेबल पर गलत मरीज लिटाए जाने के मामले में सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु शर्मा, सीनियर रेजिडेंट डॉ. विशाल त्यागी व तीन नर्सों ऊषा देवी, अमरपाली एस लाल एवं स्नेहप्रभा को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई गुरुवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हुई। साथ ही दो सदस्यीय कमेटी गठित कर घटना की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने घटना को बेहद लापरवाही पूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन डॉ. पुनीत अवस्थी की एक संयुक्त कमेटी गठित कर की दी गयी है।

तबादला एक्सप्रेस : 39 डिप्टी एसपी इधर-उधर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

- शिव ठाकुर बुलंदशहर से मंडलाधिकारी मुरादाबाद बनाए गए

अमृत विचार : शासन ने गुरुवार को 39 डिप्टी एसपी के तबादले कर दिये। देर शाम को जारी आदेश के अनुसार गौरव कुमार शर्मा को एसीओ लखनऊ जोन से डिप्टी एसपी नागरिक उड्डयन एयरपोर्ट लखनऊ, हर्षिता गंगवार महोबा से तकनीकी सेवाएं, सीमा यादव को मंडलाधिकारी मुरादाबाद से सहायक सेनानायक 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद बनाया गया है।

इसी तरह शिव ठाकुर को बुलंदशहर से मंडलाधिकारी मुरादाबाद, दीपक कुमार सिंह-2 सीतापुर से मंडलाधिकारी आगरा, नेहा त्रिपाठी एसीपी लखनऊ से सीतापुर, सत्य प्रकाश शर्मा मैनपुरी से सहायक सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली, ऋषिकांत शुक्ला उन्नाव से मैनपुरी, तेज बहादुर सिंह एसीपी कानपुर से उन्नाव, धर्मेंद कुमार सिंह एसीपी लखनऊ से सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी, शैलजा मिश्रा मुरादाबाद से पीटीसी मुरादाबाद, विजय प्रताप यादव-1 पुलिस मुख्यालय से सहायक सेनानायक 48वीं पीएसी सोनभद्र, सुमित त्रिपाठी बाराबंकी से सहायक सेनानायक 2वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, प्रभात कुमार-2 बलिया से डिप्टी एसपी केंद्रीय वस्त्र भंडार कानपुर, रुद्र कुमार सिंह मुरादाबाद से एसीपी प्रयागराज, विजय प्रताप यादव-2 बांदा साइबर क्राइम से एसीपी कानपुर, अनुज कुमार सिंह महाराजगंज से गोरखपुर, गवेंद्र पाल गौतम खीरी से सहायक सेनानायक 45वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ बनाया गया है।

वहीं, अरविंद कुमार-2 एसीपी नोएडा से खीरी, आभा सिंह महाराजगंज से देवरिया, शिव प्रताप सिंह-1 देवरिया से महाराजगंज, आनंद कुमा-4 पुलिस मुख्यालय से सहायक सेनानायक 25वीं वाहिनी रायबरेली, श्वेताभ भास्कर अमरोहा से अमेठी, अखिलेश राजन पुलिस मुख्यालय से बांदा, राकेश कुमार नायक सहायक सेनानायक 28वीं वाहिनी पीएसी इटावा से 1वीं वाहिनी एसएसएफ लखनऊ, राम शब्द पुलिस मुख्यालय से फिंगर प्रिंट ब्यूरो, लखनऊ, अमित कुमार एसीपी कानपुर से पीटीएस मेरठ, प्रदीप कुमार यादव सहायक सेनानायक 5वीं वाहिनी एसएसएफ सहारानपुर से एसीपी लखनऊ, राम सिंह यादव-2 जालौन से एसीपी वाराणसी, अंबुज सिंह यादव एसीपी गाजियाबाद से जालौन, उमेश कुमार पांडेय जालौन से सहायक सेनानायक 3वी वाहिनी एसएसएफ प्रयागराज, जयशंकर मिश्र अलीगढ़ से बलिया, जगमोहन सिंह पुलिस मुख्यालय, शिल्पा कुमारी हरदोई से गोरखपुर, आशुतोष चंदौली से मुख्यमंत्री सुरक्षा, संगम कुमार एटीसी सीतापुर से बाराबंकी, दिनेश कुमार पाठक एलआईयू अयोध्या से एटीसी सीतापुर, शैलेंद्र सिंह को अयोध्या से एलआईयू अयोध्या और पुरूषोत्तम शर्मा सहायक सेनानायक 15वीं वाहिनी पीएसी को 43वीं पीएसी एटा का सहायक सेनानायक बनाया गया है।

ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए ट्रिपल सी व ओ लेवल के अलावा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने इस सिलसिले में अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री गुरुवार को विधानभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभागों की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

तैयारी

पुनर्वासन की रीढ़ बनेंगें वन स्टॉप सेंटर, बाल सेवा और स्पॉन्सरशिप योजनाएं

यूपी को बाल श्रम से मुक्त कराने की बनी कार्ययोजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य को बाल श्रम से पूरी तरह मुक्त कराने के लिए व्यापक और चरणबद्ध रणनीति तैयार की गई है। श्रम विभाग की इस कार्ययोजना के केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग को रखा गया है, जो न केवल संकटग्रस्त बच्चों की पहचान और सहायता करेगा, बल्कि पुनर्वासन के हर स्तर पर प्रमुख भूमिका निभाएगा।

योगी सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक प्रदेश के आठ आकांक्षी जनपदों बहराइच, बलरामपुर, चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र को बाल श्रम से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कानपुर मंडल और देवीपाटन मंडल में भी विशेष बाल श्रम विरोधी अभियान चलाया जाएगा।

'बाल सेवा योजना' के तहत अनाथ, परित्यक्त और संकटग्रस्त बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे उनकी शिक्षा और पालन-पोषण बाधित न हो। इस योजना के तहत योगी सरकार ऐसे बच्चों को 2500 रुपये प्रतिमाह उपलब्ध कराती है। इसी प्रकार, स्पॉन्सरशिप योजना के माध्यम से कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चों को प्रतिमाह सहयोग राशि दी जाती है, ताकि वे शिक्षा और जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित न रहें।

75 जिलों में होगा बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार

प्रदेश सरकार की बाल श्रमिक विद्या योजना का विस्तार अब सभी 75 जिलों में करने की योजना है। इस योजना के तहत काम में लगे बच्चों को दोबारा शिक्षा से जोड़ा जाएगा और उन्हें छात्रवृत्ति, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और विशेष शिक्षण सहायता प्रदान की जाएगी। शिक्षा विभाग इन बच्चों के पुन : नामांकन और शैक्षिक सहयोग की जिम्मेदारी निभाएगा।

पंचायत स्तर पर प्रवासी बच्चों का डाटा संग्रह अनिवार्य

पंचायत स्तर पर कामकाजी बच्चों और प्रवासी श्रमिक परिवारों के बच्चों का विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा, ताकि कोई भी बच्चा निगरानी से बाहर न रहे। पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल प्रबंधन समितियां इस कार्य में सहयोग करेंगी। इसके अलावा, बाल श्रम उन्मूलन अभियान को जनांदोलन बनाने के लिए गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और सिविल सोसाइटी की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

चुनाव में सपा को अधिक मतों से जिताने वाले स्कूल बंद किए गए हैं

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला राजनीतिक है। इस सरकार में वही स्कूल बंद किए गए हैं, जहां पर वोट पड़ते थे, और सपा चुनाव में जीतती थी। सपा प्रमुख गुरुवार को संसद परिसर में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अधिकार का कानून है कि सभी बच्चों को शिक्षा मिलेगी, स्कूल बच्चों के घर के पास हो। सपा सरकार में लखनऊ में संस्कृति स्कूल बनाया गया था। बनने के बाद स्कूल चलाया गया लेकिन भाजपा सरकार ने उसे बंद कर दिया। भाजपा का ध्यान शिक्षा पर नहीं है उसका ध्यान वोट कहां पड़ेगा, उस पर है।

बिजली समस्याओं से अनदेखी-टालमटोल पर दंडित होंगे अधिकारी : एके शर्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जिलों में तैनात अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि बिजली समस्याओं से अनदेखी व टालमटोल पर दंडित होंगे। उन्होंने कहा कि आम लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाय। ऊर्जा मंत्री गुरुवार को बिजली आपूर्ति को लेकर जिलों में तैनात अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर रहे थे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जनसुनवाई, जवाबदेही और समयबद्ध कार्रवाई ऊर्जा विभाग की कार्य संस्कृति का हिस्सा बननी चाहिए। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया कि प्रत्येक अधिकारी अपने-अपने जिलों में जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद बनाएं रखें और स्थानीय समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित रूप से हल करें। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लापरवाही, टालमटोल या जन समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि हर उपभोक्ता को चौबीस घंटे बेहतर बिजली सेवा मिले और किसी भी तरह की शिकायत का समाधान तय समय में हो। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में प्रदेश में रिकॉर्ड बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जिसे बनाए रखने के लिए हर स्तर पर सक्रियता और पारदर्शिता आवश्यक है।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि जिले स्तर पर टोल फ्री नंबर, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल व अन्य जनसंपर्क माध्यमों के जरिए आने वाली सभी शिकायतों पर सतत निगरानी रखी जाय।

अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक करते ऊर्जा मंत्री एके शर्मा।

अमृत विचार

शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

भारत झुकने वाला देश नहीं

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर का श्रेय लेने के लिए लगातार अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में पहले विदेश मंत्री फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद कि इस बारे में उनसे कोई बात नहीं हुई, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे की तर्ज पर भारत को मित्र देश बताते हुए 25 फीसदी टैरिफ का बम फोड़ने के बाद अर्थव्यवस्था को ही 'डेड' बता दिया। ट्रंप ने अपने टैरिफ कदम को अमेरिका का व्यापार घाटा कम करने के लिए जरूरी बताया, लेकिन वास्तव में यह फैसला इससे कहीं ज्यादा, भारत और रूस की दोस्ती तथा ब्रिक्स समूह के अलावा भारत की आर्थिक ताकत से जुड़ा है। ट्रंप प्रशासन भारत के रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने से नाराज है। वह भारत की सदस्यता वाले ब्रिक्स समूह को अपना विरोधी मानता है। फिलहाल, ट्रंप के टैरिफ ऐलान से बीते छह माह से चल रही भारत-अमेरिका ट्रेड डील वार्ता में गतिरोध और गहरा गया है। ट्रंप अपने पक्ष में नतीजे के लिए भारत पर दबाव बनाना चाहते हैं। लेकिन, भारत अपने किसानों, व्यापारियों, छोटे उद्यमियों के हितों पर मजबूती से अड़ा है और यह क्षेत्र मुक्त व्यापार के लिए नहीं खोलना चाहता है, जबकि अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों की भारत के बाजार में बेहतर पहुंच चाहता है। भारत ने डेयरी उत्पादों पर शर्त लगा रखी है कि ये मांसाहारी चारा खाने वाले जानवरों से प्राप्त नहीं होने चाहिए। इसी तरह यह भी साफ कर दिया है कि मक्का, सोयाबीन, गेहूं और एथेनॉल पर टैरिफ में कटौती करना उसके लिए संभव नहीं है, क्योंकि इससे अमेरिकी रियायती कृषि उत्पादों से प्रतिस्पर्धा बढ़ जाएगी। यही नहीं, अमेरिका की उससे ही हथियार खरीदने की शर्त भी भारत को मंजूर नहीं है।

अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ट्रंप व्यापार में फायदे के लिए धमकाने और दबाव बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह पहले भी कई देशों के साथ ऐसा कर चुके हैं। लेकिन भारत अपने हितों की रक्षा में जिस मजबूती से खड़ा है, उससे साफ है कि मोदी सरकार दुनिया को अपनी आर्थिक ताकत का अहसास करा रही है। सरकार ने अपना रुख जरा भी ढीला करने की बजाय साफ कर दिया है कि राष्ट्रीय हित में वह सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे, जैसे कि ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते में उठाए गए थे। ट्रंप को नहीं भूलना चाहिए कि उनके टैरिफ का अमेरिका पर भी नकारात्मक असर होगा। वहां स्मार्टफोन, रेडीमेड गारमेंट्स, ऑटो पार्ट्स, आभूषण और फार्मास्युटिकल उत्पादों की कीमत बढ़ जाएगी, क्योंकि भारत इनका प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। ट्रंप की घोषणा का तात्कालिक असर डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और शेयर बाजार में गिरावट के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह संकट भारत के लिए सुधार और भारतीय कंपनियों को नए बाजार बनाने का मौका दिला सकता है। इसके साथ ही ट्रंप जिस तरह अपने फैसलों से पलटते और पीछे हटते रहे हैं, उसके मद्देनजर यह उम्मीद भी है कि जल्दी ही रास्ता निकल आएगा और आगामी वार्ता में एक हितकारी व्यापार समझौते को आकार दिया जा सकेगा।

प्रसंगवश

टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएगा भारत!

राजेश जैन

कोटा

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की वापसी के बाद, उनकी अमेरिका फर्स्ट 2.0 नीति के तहत भारत समेत कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाने की रणनीति अपनाई जा रही है और डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत को साफ तौर पर 1 अगस्त तक की समय सीमा दी है। अगर तब तक कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय उत्पादों पर 16 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा। यह शुल्क पहले से लागू 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के अलावा होगा, जिससे कुल शुल्क 30 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक चेतावनी है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा-खासकर टैक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, जेम्स-ज्वेलरी और फार्मा सेक्टर पर। जब एक अमेरिकी ग्राहक भारतीय गारमेंट या फार्मा उत्पाद खरीदने की सोचेगा, तो उसे 25 प्रतिशत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे में भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर भारत हर साल अमेरिका को लगभग 9 अरब डॉलर के कपड़े निर्यात करता है। ऐसे में अगर टैरिफ बढ़ गया, तो बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश इस मौके का फायदा उठा सकते हैं, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें शुल्क रियायतें दे रखी हैं। यह टैरिफ संकट केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। भारत की छवि अनिश्चित व्यापारिक वातावरण वाले देश की बन सकती है, जिससे संभावित विदेशी निवेशक हिचक सकते हैं। भारत की ओर से संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। भारत चाहता है कि टैरिफ 10 प्रतिशत से कम रखा जाए और बदले में अमेरिका को कुछ क्षेत्रों में रियायतें दी जाएं। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह कृषि और डेयरी क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के लिए नहीं खोलेगा। अमेरिका लंबे समय से इन क्षेत्रों में प्रवेश चाहता रहा है, लेकिन भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि अन्नदाता के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

भारत गैर-कृषि क्षेत्रों में समझौते के लिए तैयार है और अमेरिका को यह भी प्रस्ताव दे चुका है कि यदि शुल्क घटाए जाते हैं, तो भारत अमेरिकी औद्योगिक सामानों पर टैक्स पूरी तरह खत्म करने को तैयार है। इतना ही नहीं, भारत ने बोइंग से विमान खरीदने की संभावना भी जताई है, ताकि व्यापार घाटा संतुलित हो सके।

इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका की ट्रेड टीम 25 अगस्त को भारत आ रही है। उम्मीद है कि सितंबर-अक्टूबर तक दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते तक पहुंच सकते हैं। पिछली बैठक वॉशिंगटन में हुई थी, जहां भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी। ट्रंप के हालिया बयान भारत पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं। उनका यह कहना कि "अब मैं इंचार्ज हूं और यह सब खत्म होगा", संकेत देता है कि वह भारत को शीघ्र समझौते के लिए बाध्य करना चाहते हैं जबकि भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी साफ किया है कि भारत किसी भी समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर नहीं करेगा। भारत सिर्फ उन्हीं शर्तों पर समझौता करेगा, जो देश के हित में हों और पूरी तरह से परखी गई हों। कूटनीतिक स्तर पर भारत की भूमिका और भी ज़िम्मेदार हो गई है। भारत और अमेरिका के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं-हम रक्षा, तकनीक, साइबर सुरक्षा और 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय मंचों पर साझेदार हैं। अमेरिका के लिए भी यह समझदारी भरा कदम होगा कि वह भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को खराब न होने दे। जब युद्ध तलवारों से नहीं, व्यापार की शतरंज पर लड़ा जाए, तो हर चाल का असर करोड़ों लोगों की जेब और भविष्य पर पड़ता है। अगर व्यापार युद्ध है, तो समझौता उसकी शांति है-लेकिन शांति हमारी शर्तों पर होनी चाहिए, झुकाव की मुद्रा में नहीं। भारत को इस लड़ाई में अपनी ज़मीन पर टिके रहकर, नीतिगत मजबूती और कूटनीतिक संतुलन के साथ आगे बढ़ना होगा। तभी हम इस टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएंगे।

"सच्चा ज्ञान केवल यही है कि आप कुछ भी नहीं जानते।"

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश

डॉ. रमेश ठाकुर

नई दिल्ली

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाईयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाईयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वनिर्मित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है।

इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

> अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है।

आमने

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हम इसे विस्तार से देखेंगे और उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा (ऊपरी अदालत जाने पर)। जो बातें सामने आ रही हैं, उनसे साफ पता चलता है कि यह एक साजिश थी।"

सामने

2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए कोर्ट द्वारा सभी आरोपियों को बरी किए जाने पर कांग्रेस सांसद रजनी पाटिल ने कहा, "जहां तक मुझे पता है, एनआईए ने उन्हें कड़ी सज़ा देने को कहा था। हालांकि, अब अदालत ने फैसला सुना दिया है।"

आखिर मौतघर क्यों बन जाते हैं सीवर

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा कराए गए एक सोशल ऑडिट की एक ताजा रिपोर्ट से बेहद दर्दनाक सच्चाई सामने आई है कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफ़ाई के दौरान जान गंवाने वाले 90 प्रतिशत से ज्यादा मज़दूरों के पास किसी भी तरह के सुरक्षा उपकरण नहीं थे। जांचकर्ताओं ने 2022 और 2023 के बीच 8 राज्यों के 17 ज़िलों में हुई में हुईं 54 मौतों की गहराई से पड़ताल की। पाया गया कि 54 मौतों में से 49 मामलों में मज़दूरों ने कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं पहना था। सिर्फ़ पांच मामलों में उनके पास दस्ताने थे और सिर्फ़ एक मामले में दस्ताने और गमबूट दोनों थे। इससे भी ज़्यादा गंभीर बात यह है कि 47 मामलों में मज़दूरों को सफ़ाई के लिए कोई भी मशीनी उपकरण नहीं दिया गया था। यही नहीं, 27 मामलों में तो मज़दूरों से काम के लिए सहमति तक नहीं ली गई थी, और जिन 18 मामलों में लिखित सहमति ली भी गई, वहां उन्हें काम में शामिल जान के ख़तरों के बारे में कुछ नहीं बताया गया।

सरकार ने संसद में स्वीकार किया कि 'नमस्ते' योजना के तहत 'खतरनाक तरीक़े से सीवर की सफ़ाई' की समस्या के निराकरण पर काम करना बचा है। नमस्ते योजना के तहत, अब तक देश भर में 84,902 सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों की पहचान की गई है, जिनमें से आधे से कुछ ज़्यादा को ही पीपीई किट और सुरक्षा उपकरण दिए गए हैं। विदित हो कोई पांच साल पहले सुप्रीम कौर्ट ने आदेश दिया है कि यदि सीवर की सफाई के दौरान कोई श्रमिक मारे जाते हैं उनके परिवार को सरकारी अधिकारियों को 30 लाख रुपये मुआवजा देना होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने साथ ही कहा था कि सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता का शिकार होने वालों को न्यूनतम मुआवजे के रूप में 20 लाख रुपये और अन्य किसी विकलांगता से ग्रस्त होता है तो उसे 10 लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। यह आदेश भी क्रियान्वयन के धरातल पर उतर नहीं पाया क्योंकि अधिकांश सीवर सफाई करने वालों को कार्य सौपने का कोई दस्तावेज ही नहीं होता। एक तरफ कम खर्च में श्रम का लोभ है तो दूसरी तरफ पेट भरने की मजबूरी और तीसरी है आम मजदूरों को सरकारी कानूनों की जानकारी न होना।

सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। यही नहीं अब नागरिक भी अपने घर के सैप्टिक टैंक की सफाई के लिए अनियोजित क्षेत्र से मजदूरों को बुला लेते हैं और यदि उनके साथ कोई दुर्घटना होती है तो ना तो उनके आश्रितों को कोई मुआवजा मिलता है और ना ही कोताही करने वालों को कोई समझाईश। शायद यह पुलिस को भी नहीं मालूम है कि इस तरह सीवर सफाई का ठेका देना हाईकोर्ट के आदेश के विपरीत है। समाज के जिम्मेदार लोगों ने कभी महसूस ही नहीं किया कि नरक-कुंड की सफाई के लिए बगैर तकनीकी ज्ञान व उपकरणों के निरीह मजदूरों को सीवर में उतारना अमानवीय है।

यह विडंबना है कि सरकार व सफाई कर्मचारी आयोग सिर पर मैला ढ़ोन की अमानवीय प्रथा पर रोक लगाने के नारों से आगे इस तरह से हो रही मौतों पर ध्यान ही नहीं देता है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और मुंबई हाईकोर्ट ने 12 साल पहले सीवर की सफाई के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे, जिनकी परवाह और जानकारी किसी को नहीं है। सरकार ने भी सन 2008 में एक अध्यादेश लाकर गहरे में सफाई का काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करने की अनिवार्यता की बात कही थी। कोर्ट के निर्देशों के अनुसार सीवर की सफाई करने वाली एजेंसी के पास सीवर लाईन के नक्शे, उसकी गहराई से संबंधित आंकड़े होना चाहिए। सीवर सफाई का दैनिक रिकार्ड, काम में लगे लोगों की नियमित स्वास्थ्य की जांच, आवश्यक सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाना, काम में लगे कर्मचारियों का नियमित ट्रेनिंग, सीवर में गिरने वाले कचरे की हर दिन जांच कि कहीं इसमें कोई रसायन तो नहीं गिर रहे हैं, जैसी आदर्श स्थिति कागजों से ऊपर कभी आ नहीं पाई। सुप्रीम कोर्ट का ताजा आदेश है तो ताकतवर लेकिन समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में मजदूरों को काम अपर लगाने का कोई रिकार्ड ही नहीं होता। यह सिद्ध करना मुश्किल होता है कि अमुक व्यक्ति को अमुक ने इस काम के लिए बुलाया था या काम सौंपा था।

यह एक शर्मनाक पहलू है कि यह जानते हुए भी कि भीतर जानलेवा गैसें और रसायन हैं, एक इंसान दूसरे इंसान को बगैर किसी बचाव या सुरक्षा-साधनों के भीतर ढकेल देता है। वैसे यह कानून है कि सीवर सफाई करने वालों को गैस-टेस्टर (जहरीली गैस की जांच का उपकरण), गंदी हवा को बाहर फैंकने के लिए ब्लोअर, टार्च, दस्ताने, चश्मा और कान को ढंकने का कैप, हैलमेट मुहैया करवाना आवष्यक है। मुंबई हाईकोर्ट का निर्देष था कि सीवर सफाई का काम ठेकेदारों के माध्यम से कतई नहीं करवाना चाहिए। सफाई का काम करने के बाद उन्हें पीने का स्वच्छ पानी, नहाने के लिए साबुन व पानी तथा स्थान उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी भी कार्यकारी एजेंसी की है। काश कानून इतनी कड़ी से लागू हो कि मुआवजा दने की नौबत आये नहीं और सफाई कार्य से पहले ही जिम्मेदार एजेंसियां सुरक्षा उपकरण और कानून के प्रति संवेदनशील हों।

> सीवर के मौतघर बनने का कारण सीवर की जहरीली गैस बताया जाता है। हर बार कहा जाता है कि यह लापरवाही का मामला है। पुलिस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है।

सामयिकी

सोशल मीडिया से बच्चों में बढ़ता मानसिक प्रदूषण

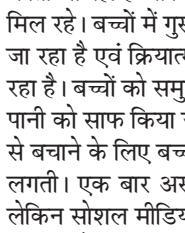

अंजलि ओझा

प्रतापगढ़

हाल ही में आस्ट्रेलिया नें तमाम सोशल मीडिया ऐप्स सोलह वर्ष से कम बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गए हैं। आस्ट्रेलियाई सरकार ने बच्चों को विचलन से बचाने के लिए ऐसा किया है। हालांकि यूट्यूब इसमें शामिल नहीं है। आस्ट्रेलिया ने माना है कि यूट्यूब शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन है न कि सोशल मीडिया।

सोशल मीडिया प्रतिबंध के संबंध में आस्ट्रेलिया का कथन महत्वपूर्ण है-सोशल मीडिया समुद्र की तरह है, बच्चों को तैरने के लिए खुले समुद्र में छोड़ देना ठीक नहीं है। हम चाहते हैं कि पहले वे निजी तालाब में तैरना सीखें। समुद्र में शार्क का खतरा रहता है। बच्चों को खतरनाक शार्क से बचाना हमारी जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया पर किसी तरह का प्रतिबंध शत-प्रतिशत प्रभावी नहीं होता। किन्तु आस्ट्रेलिया के इस प्रयास को सराहा जा सकता है। हर हाथ स्मार्टफोन के समय में मोरल पुलिसिंग कठिन है, किन्तु कोशिश तो की ही जा सकती है।

> भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं।

भारत ने हाल ही में कई ओटीटी को बैन किया है। जो सालों से अश्लील कंटेंट बेचकर कमाई कर रहे थे। भारत में सोशल मीडिया का हाल अत्यंत चिंताजनक है। पांच साल से छोटे बच्चे अश्लील गीतों पर नाचते नजर आते हैं। अश्लील इशारे अश्लील बोल आम तरीके हो गए हैं व्यू कमाने के। भारत में सोशल मीडिया पर तैर रही अश्लील सामग्रियों पर कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में मोबाइल है, और उनकी आंखों के आगे अनपेक्षित दृश्य तैर रहे हैं जो बच्चों की उम्र और समझ के अनुकूल नहीं होते। एक तरह का मानसिक प्रदूषण बच्चों के मस्तिष्क में भरता जा रहा है और उसके दुष्परिणाम भी हमें आए दिन देखने को मिल रहे। बच्चों में गुस्सा, ईर्ष्या, अनुशासनहीनता, विचलन बढ़ता जा रहा है एवं क्रियात्मकता एवं रचनात्मकता का अभाव होता जा रहा है। बच्चों को समुद्र से नहीं बचाया जा सकता लेकिन समुद्र के पानी को साफ किया जा सकता है। बदला भी जा सकता है। शार्क से बचाने के लिए बच्चों को समुद्र से दूर रखना भी समझदारी नहीं लगती। एक बार असली समुद्र से हम बच्चों को बचा सकते हैं लेकिन सोशल मीडिया के समुद्र से ज्यादा दिन तक दूर रख पाना असंभव है।

सोशल फोरम

ट्रंप के भारत को लेकर नित्य नए फरमान

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ थोपते हुए कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो हम उसपर भारी जुर्माना के रूप में अभी और अतिरिक्त टैरिफ लगाएंगे। 'रात गई, बात गई' की तर्ज पर कुछ अच्छे मूड में न्यूज देख रहा था। देखा कि ट्रंप साहब एक नए शगूफे के साथ छाए हुए हैं। फरमान जारी कर दिया कि "हम और पाकिस्तान मिलकर एक नए तेल के प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं, भारत अब पाकिस्तान से तेल खरीदेगा।"

अब उनके इस उद्घघोषणा के तरह-तरह से अर्थ निकाले जाएंगे। इस संदर्भ में सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करना होगा कि क्या हथियारों का सौदागर, अब तेल माफिया के रूप में अवतरित हो रहा है? विश्लेषक मानकर चलें कि ट्रंप के मुंह से निकली सारी बातें सिर्फ शगूफा ही नहीं होती। अमेरिका की ज्यादातर दूरगामी पॉलिसी ऐसी होती हैं, जिनपर उनकी संसद काफी चिंतन-मंथन के बाद अपनी मोहर लगाती है। संसद में पिछले दो दिनों के बहस के दौरान, यह बात भी खुलकर सामने आ गई है कि भारत सरकार का झुकाव अभी भी अमेरिका की तरफ ही है। यद्यपि बहस के दौरान सरकार को किसी भी अप्रिय प्रकरण में, अमेरिका के साथ ही साथ, चीन का भी खुलकर नाम लेने से परहेज करते और किसी भी टकराव से बचते देखा गया, परंतु अब वो दिन ज्यादा दूर नहीं लगता जब हमें खुलकर, इन दो महाशक्तियों में से किसी एक के साथ, सामने आना होगा। बेहद ही नाजुक स्थिति के इस दौर में, जबकि एकतरफ अमेरिका अपनी शर्तों पर दादागिरी के साथ, हमसे संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ चीन हमारी कुछ शर्तों के साथ, हमसे बात करने को राजी होता दिखाई नहीं देता है, ऐसी विषम स्थिति में हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि हमारा पारंपरिक मित्र रूस, पहले से ही अपनी नाजुक आर्थिक व व्यापारिक स्थिति को भांपते हुए, चीन के साथ हांथ मिला चुका है।

विजय सिंह

रुद्रपुर, उत्तराखंड

ट्रंप महोदय की ऐसी मानसिकता देखकर, इतना तो स्पष्ट है कि इस शख्स को आतंकवाद से अब कोई गुरेज नहीं रहा है। यह वो महत्वकांक्षी इंसान है, जो अपनी दादागिरी के बलबूते, अपनी महत्वकांक्षा पूरे विश्व पर थोपने को उतारू हो चला है। शक्तिशाली देश रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझाकर, अब उसे भांति-भांति के धमकी निरंतर दे रहा है कि रूस युद्ध विराम करे। एशिया के अन्य एक शक्तिशाली देश चीन को घेरने के लिए उन्होंने तरह-तरह के व्यूह रचनाएं शुरू कर दी है। जहां तक भारत की बात है वो आर्थिक विकास की ओर अग्रसर हमारे देश को कई मोर्चे पर एक साथ आर्थिक क्षति पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे हैं। क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

> क्या ट्रंप की ये हरकतें, किसी भी संप्रभुता संपन्न देश को विचलित करने के लिए पर्याप्त नही है? सच तो यह है कि ट्रंप की ट्रेड-वार से शुरू कहानी, अब धीरे-धीरे जमीनी सामरिक विश्व युद्ध की बढ़ चली है। जितनी जल्दी हो सके, इस संकट से उबरने की जिम्मेदारी हमे ही उठानी है।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-amritvichar.moradabad@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

- सूर्य की ऊर्जा ही पृथ्वी पर संभव बनाती है जीवन, ब्रह्मांड के नियम जानने के लिए सूर्य को समझना जरूरी
- आईआईटी कानपुर के स्पेस विभाग में इसरो के आदित्य एल-1 मिशन से प्राप्त डेटा पर चल रहा शोध-अनुसंधान

सूरज के आंखें तरेरने पर कैसे होगी जीवन की रक्षा

सूर्य सिर्फ प्रकाश और गर्मी का स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक प्रयोगशाला है, जो ब्रह्मांडीय रहस्यों को सुलझाने में हमारी मदद कर सकता है। इसके अध्ययन से हम न सिर्फ ब्रह्मांड को बेहतर समझ सकते हैं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन सुरक्षित भी बना सकते हैं। सूर्य से आने वाली ऊर्जा ही पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाती है। ऐसे में वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि सूर्य कैसे स्थिर रूप से इतना ऊर्जा उत्सर्जित करता है और क्या इसमें कोई परिवर्तन भविष्य में जीवन को प्रभावित कर सकता है। सूर्य के ऐसे ही रहस्यों से ही पर्दा उठाने के लिए आईआईटी कानपुर के अंतरिक्ष, ग्रह एवं खगोलीय विज्ञान और इंजीनियरिंग (स्पेस) विभाग ने शोध-अनुसंधान की तरफ कदम बढ़ाए हैं। इसके लिए वैज्ञानिक इसरो के एल-1 मिशन से प्राप्त होने वाले डेटा का विश्लेषण कर रहे हैं। नासा और ईएसए जैसी संस्थाएं अपने सौर मिशनों पारकर सोलर प्रोब और सोलर आर्बिटेटर के जरिए सूर्य की आंतरिक परतों और कोरोना की जांच में पहले से ही जुटी हैं।

यह शोध तारों और ग्रहों की समझ के लिए जरूरी

- ब्रह्मांड में बड़े पैमाने पर काम करने वाले नियम जानने के लिए वैज्ञानिक सूर्य की गतिविधियां, चुम्बकीय क्षेत्र, तापमान, गुरुत्वाकर्षण को समझना चाहते हैं। यह शोध ब्रह्मांड के अन्य तारों और ग्रहों की समझ के लिए भी जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूर्य एक विशाल न्यूक्लियर रिएक्टर है। इसके भीतर हो रही न्यूक्लियर फ्यूजन प्रक्रिया को समझकर स्वच्छ और असीम ऊर्जा के स्रोत विकसित किए जा सकते हैं।

तारों के जन्म लेने व मरने की कहानी आएगी सामने

- सूर्य का अध्ययन करके वैज्ञानिक यह भी समझना चाहते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते हैं, कैसे जीवन चक्र पूरा करते हैं और कैसे मरते हैं। सूर्य की सतह पर होने वाले विस्फोट (सौर ज्वालाएं या सोलर फ्लेअर्स) और कोरोनल मॉस इजेक्शन पृथ्वी पर संचार प्रणाली, सेटेलाइट्स और बिजली ग्रिड को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में वैज्ञानिक इनकी सटीक भविष्यवाणी करना चाहते हैं ताकि समय रहते सावधानी बरत कर भारी नुकसान को बचाया जा सके।

अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाएं पता लगाने में जुटे हैं वैज्ञानिक

- आईआईटी कानपुर का स्पेस विभाग अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में गहन शोध और बाहरी अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के काम में जुटा है। यह विभाग अंतरिक्ष मिशनों और खगोलीय वेधशालाओं के लिए उपकरण, अंतरिक्ष यान डिजाइन और अंतरिक्ष मिशन योजना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए इंजीनियरों, खगोलविदों, खगोल भौतिकविदों और ग्रहीय वैज्ञानिकों को एक साथ लाने पर भी काम कर रहा है। चंद्रमा से जुड़े अलग-अलग रहस्यों को उजागर करने के लिए वैज्ञानिकों की टीम यहां पहले से ही शोध करने में जुटी है।

गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी घटाने की कोशिश

- ग्लोबल वार्मिंग को लेकर पूरी दुनिया चिंता में है। पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इससे समुद्र का पानी गर्म हो रहा है और पहाड़ों पर मौजूद ताजे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं। इस बड़े परिवर्तन से लड़ने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक सूरज की रोशनी को ठंडा करने के उपाय खोज रहे हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि तेजी से गर्म होती धरती को ठंडा करने के लिए सूरज की रोशनी को कम किया जा सकता है या परावर्तित करके वापस अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। इस काम के लिए यूके के वैज्ञानिकों ने तकनीक खोजने का दावा किया है, जिस पर प्रयोग चल रहे हैं।

ब्रिटिश सरकार की एडवांस रिसर्च एंड इनवेंशन एजेंसी की ओर से इस प्रयोग के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये फंड तय किया गया है। एजेंसी के एरिया प्रोग्राम डायरेक्टर प्रोफेसर मार्क साइम्स ने बताया कि अभी यह प्रयोग कुछ ही स्थानों पर किया जाएगा और हम जो कुछ भी करेंगे वह बेहद सुरक्षित होगा। इस प्रयोग के जरिए वैज्ञानिक प्रयोगशाला से इतर असल दुनिया में आने वाले परिणाम के आंकड़े जुटाएंगे, ताकि इसे बड़े स्तर पर लागू करने के जोखिम का पता किया जा सके। यह भी बताया गया है कि बारिश के समय और तरीके में बदलाव हो सकता है।

अमेरिका में एआई क्रांति के पीछे अप्रवासियों का दिमाग

इस बात को चाहे कोई पसंद करे या न करे, अमेरिका का निर्माण अप्रवासियों ने ही किया था। अल्बर्ट आइंस्टीन से लेकर एलन मस्क तक, अप्रवासियों ने अमेरिका को एक महान देश बनाया है और एक बार फिर से अप्रवासी ताकत अमेरिका को महान बनाने के काम में लगी है, इस बार लक्ष्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए दुनिया पर राज करने का है।

इसी इरादे से इस समय सिलिकॉन वैली की दिग्गज कंपनियों के बीच एआई को लेकर वर्चस्व की होड़ मची है। ऐसे में मेटा भी वैश्विक एआई की दौड़ में खुद को आगे रखने में जुटा है। लेकिन, उसकी सुपरइंटेलिजेंस टीम की संरचना इस बात का साफ संकेत दे रही है कि अप्रवासी प्रतिभा के बिना अमेरिका में कोई एआई क्रांति नहीं हो सकती। मार्क जुकरबर्ग के महत्वकांक्षी एजीआई (कृत्रिम सामान्य बुद्धिमता) अभियान के लिए फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने अपनी नई सुपर इंटेलिजेंस लैब में 11 शीर्ष कृत्रिम बुद्धिमता शोधकर्ताओं को काम पर रखा है। मजे की बात है कि इस टीम में कोई भी अमेरिकी शामिल नहीं है। सभी सदस्य अप्रवासी हैं और भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन तथा आस्ट्रेलिया जैसे देशों से जुड़े हैं। यहीं नहीं इन सभी 11 विशेषज्ञों में से किसी के भी पास अमेरिका से स्नातक की डिग्री नहीं है। ये सभी शोधकर्ता ओपन एआई, गूगल, डीप माइंड तथा एंथ्रोपिक में काम कर चुके हैं। इन विशेषज्ञों ने चैट जीपीटी, जेमिनी और चिनचिला जैसे उन्नत एआई मॉडलों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इससे साफ है कि अमेरिकी कंपनियों के नेतृत्व में एआई प्रौद्योगिकी के भविष्य को आकार देने में अप्रवासी प्रतिभा की आधार भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता है। इन्हीं 11 विशेषज्ञों की टीम में मेटा ने विगत दिनों आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र तृपित बंसल को शामिल किया है। वह पहले ओपन एई में अपना कौशल दिखा चुके हैं। आईआईटी कानपुर से गणित और सांख्यिकी में स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के बाद तृपित ने मैसाचुसेट्स एमर्हस्ट विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी पूरी की थी, इसमें उन्होंने मेटा-लर्निंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग (एनएलपी) में खास विशेषज्ञता हासिल की थी। यही वजह है कि उन्हें डीप लर्निंग, रीजनिंग और नेचुरल लैंग्वैज प्रोसेसिंग का गहरा जानकार माना जाता है। ओपन एआई को छोड़कर मेटा एआई की नई सुपरइंटेलिजेंस यूनिट ज्वाइन करने वाले तृपित बंसल ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि अब सुपरइंटेलिजेंस की संभावना नजर आ रही है।

नए उत्पाद गैजेट

आईफोन 17 सीरीज में दो कैमरा कंट्रोल बटन के साथ होगा एप भी

- नए आईफोन बाजार में आने के लिए तैयार हैं। दीपावली से पहले एपल आईफोन 17 सीरीज आपके हाथ में होगी। बेस मॉडल आईफोन 17 नए रंगों में दिखाई देगा। इस बार भी सीरीज को चार नए डिवाइस आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स मॉडल में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। आईफोन 16 सीरीज में एक कैमरा कंट्रोल देखने को मिला था। जानकारी के मुताबिक आईफोन 17 सीरीज में अलग कैमरा मॉड्यूल दिया जाएगा। इस बार कंपनी एक नहीं बल्कि दो कैमरा कंट्रोल बटन देगी। इसके साथ एक कैमरा ऐप भी उपलब्ध होगा।

सेल्फी स्टिक, ईयरबड्स व नई पॉवर केबल

- स्मार्ट एक्सेसरी और ऑडियो ब्रांड्स में लिन ओरिजनल्स ने अपनी प्रीमियम टेक लाइनअप का विस्तार करते हुए चार नए लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट्स कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस, फ्लेम 14 सेल्फी स्टिक, फ्लेम 15 सेल्फी स्टिक और फ्लेक्सी 54सी केबल लॉन्च किए हैं। कंपनी का मानना है कि इन लेटेस्ट गैजेट्स की डिजाइन और फीचर्स ऐसे हैं जो आधुनिक यूजर्स के लिए फंक्शनैलिटी और यूजर फ्रेंडली अनुभव प्रदान करते हैं। वह भी रुपये 799 की शुरुआती कीमत से।
- फ्लेम 14 और 15 सेल्फी स्टिक को खासतौर पर उन लोगों के लिए डिजाइन की गई है, जो सफर के दौरान पैनोरमिक और सीनिक व्यूज कैप्चर करना पसंद करते हैं। इन दोनों स्टिक में स्टेबल कैमरा शॉट्स के लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। कूलपॉड्स 11 टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स की मदद से बिना किसी रुकावट के कहीं भी और कभी भी अपने पसंदीदा म्यूजिक या पॉडकास्ट का मजा लिया जा सकता है। इन बड्स की लंबी बैटरी लाइफ और कनेक्टिविटी इन्हें ट्रैवलर्स और म्यूजिक लवर्स को खास भाएगी। इसी तरह फ्लेक्सी 54सी केबल एक भरोसेमंद और फास्ट चार्जिंग सॉल्यूशन है, जो मोबाइल और टैबलेट दोनों को आसानी से पॉवर देता है।

अंतरिक्ष से सुरक्षित लौटकर दोबारा उड़ान भर सकेगा त्रिशूल रॉकेट

कानपुर स्थित निजी इंजीनियरिंग संस्थान पीएसआईटी के छात्रों ने अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने के इस्तेमाल में लाया जाने वाला एक ऐसा रॉकेट 'त्रिशूल' तैयार किया है, जिसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। त्रिशूल अपना काम पूरा करने के बाद वापस धरती पर लौट आएगा और इसे फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसरो के वैज्ञानिकों की देखरेख में रॉकेट त्रिशूल अक्टूबर माह में कुशीनगर से उड़ान भरेगा। इस रॉकेट को अंतरिक्ष में सेटेलाइट या पेलोड भेजने के लिए तैयार किया गया है। त्रिशूल रॉकेट को दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाने के लिए, इसमें एक विशेष सेंसर युक्त पैराशूट लगाया गया है, जो उसे सुरक्षित जमीन पर उतार लाएगा। इस रॉकेट को पीएसआईटी स्टार्टअप इनक्यूबेशन फाउंडेशन (पीएसआईटी एसआईएफ) के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप रमन रिसर्च एंड इनोवेशन ने तैयार किया है। संस्थान का दावा है कि उसके स्टार्टअप्स राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उपस्थिति दर्ज कराने के साथ उस सपने को साकार कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य भारत को नवाचार और तकनीकी उत्कृष्टता में अग्रणी बनाना है।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने स्टार्ट अप के जरिए बनाया उपग्रह भेजने वाला अपनी तरह का पहला रॉकेट

विशेष तरह का ब्लैक बॉक्स इसरो का 'नाविक' नेविगेशन

त्रिशूल रॉकेट में एक विशेष प्रकार का ब्लैक बॉक्स लगाया गया है, जो आपातकालीन परिस्थितियों में भी रॉकेट में डेटा को सुरक्षित रखेगा। यदि किसी कारणवश रॉकेट से संपर्क टूट जाए, तब भी यह मोबाइल पर अपनी जीपीएस लोकेशन भेज देगा। रॉकेट में लोकेशन और नेविगेशन के लिए इसरो द्वारा विकसित किए स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम 'नाविक' का इस्तेमाल किया गया है, जिसके परिणाम आशानुरूप सटीक स्थिति वाले मिले हैं।

शुरू में शोध पेलोड्स लॉन्च करने की योजना

त्रिशूल रॉकेट एक किलोग्राम भार के पेलोड को पांच किलोमीटर ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम है। शुरुआत में इस रॉकेट की मदद से शोध पेलोड्स को लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। छात्रों द्वारा तैयार विभिन्न शोध पेलोड्स को लॉन्च करने में इसका प्रयोग होगा। रॉकेट का मल्टीपरपज उन्नत वर्जन बनाने को लेकर भी विचार चल रहा है।

'युविका' से सामने आ रहीं अंतरिक्ष विज्ञान में प्रतिभाएं

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन स्कूली बच्चों के लिए युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम 'युविका' का आयोजन करता है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। मौजूदा समय में युवाओं के बीच अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी का काफी रुझान है। यही देखकर इसरो ने युवाओं को अंतरिक्ष की तरफ आकर्षित करने के लिए यह कार्यक्रम डिजाइन किया है। इस कार्यक्रम से छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित अनुसंधान या करियर आगे बढ़ाने के लिए सुगम रास्ता मिलता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,185 .58	24,768 .35
बढ़त	296 .28	86 .70
प्रतिशत में	0 .36	0 .35

सोना : 98,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,12,000 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, ट्रंप का बयान अनुचित

विश्लेषकों ने कहा- भारत विदेशी निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों ने कहा कि भारत तेज वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' बताना 'सरासर अनुचित' है। ऐसे समय जब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष समेत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में पेश कर रही हैं, ट्रंप का बयान कहीं से भी उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र बना हुआ है और दुनिया की कई प्रमुख कंपनियां विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए इस देश की ओर देख रही हैं। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभाओं की विशेष रूप से तकनीकी क्षेत्र में सबसे अधिक मांग है और यह अमेरिका सहित कई देशों को सेवाओं का एक प्रमुख निर्यातक रहा है। भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और रूस के साथ व्यापार पर 'जुर्माना' लगाने की घोषणा के एक दिन बाद, ट्रंप ने बृहस्पतिवार को एक सोशल मीडिया मंच पर लिखा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अपनी 'मृत अर्थव्यवस्थाओं' को एक साथ कैसे नीचे ले जा सकते हैं। परामर्श कंपनी ईवाई इंडिया ने भारत के खिलाफ ट्रंप की टिप्पणियों को काफी अनुचित बताया और कहा कि वास्तव में, विश्व अर्थव्यवस्था का केंद्र धीरे-धीरे 'ग्लोबल साउथ' की ओर स्थानांतरित हो रहा है और जिसके लिए भारत ने खुद को अग्रणी भूमिका में रखा है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने बताया, दूसरी ओर, पूर्व विकसित अर्थव्यवस्थाएं तेजी से उम्मदराज हो रही हैं और इन अर्थव्यवस्थाओं में प्रवासी भारतीयों के योगदान के कारण ही ये अर्थव्यवस्थाएं लगातार सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ के कार्यकारी निदेशक मंडल ने फरवरी, 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के अपने आकलन में अधिकारियों की सूझबूझ वाली वृहद आर्थिक नीतियों और सुधारों' की सराहना की थी। इन नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दिया है। आईएमएफ ने यह भी कहा था कि भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। ईवाई के श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे जीवंत और गतिशील है और इसकी आबादी सबसे युवा लोगों में से है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या सांख्यिकी (2024) के अनुसार, भारत की जनसंख्या की औसत आयु 28.8 वर्ष है, जबकि अमेरिका की 38.5 वर्ष और यूरोप की 42.8 वर्ष है।

श्रीवास्तव ने कहा, ये विकसित अर्थव्यवस्थाएं ही हैं जो औसत आयु और विकास की संभावनाओं, दोनों ही दृष्टि से पुरानी पड़ चुकी हैं। इसके अलावा, भारत के पास प्रचुर मानव संसाधन भी हैं जो तकनीकी रूप से कुशल हैं और अंतरिक्ष, एआई (कृत्रिम मेध) और सृजन से जुड़े एआई के भविष्य के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। आईएमएफ के विश्व आर्थिक परिदृश्य पर अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2025 और 2026 में 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आईएमएफ के अप्रैल के क्रमशः 6.2 और 6.3 प्रतिशत के अनुमान से अधिक है। विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और पेरिस स्थित आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) जैसी अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भी इसी तरह के अनुमान लगाए हैं।

जीडीपी वृद्धि में 0.30% की गिरावट संभव

नई दिल्ली। वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने कहा कि अमेरिका की तरफ से भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क और जुर्माना लगाए जाने से चालू वित्त वर्ष में देश की जीडीपी की वृद्धि दर में 0 .30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। हालांकि, बार्कलेज ने कहा है कि घरेलू मांग पर आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था पर इस शुल्क वृद्धि का व्यापक असर पड़ने की आशंका नहीं है।

भारत के प्रति अमेरिकी नीति दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले रही : बसु

नई दिल्ली। विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कहा कि भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप का भारत के प्रति कठोर रुख हैरान करने वाला है। इसके अलावा ट्रंप ने रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने का भी फैसला किया है। इस घोषणा को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। बसु ने कहा, भारत के प्रति अमेरिकी आर्थिक नीति ने दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ ले लिया है। कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ बड़ा व्यापार घाटा होने का हवाला देते हुए भारतीय आयातों पर भारी शुल्क लगाने की घोषणा की है। बसु ने कहा, हालांकि भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा केवल 41 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो चीन (270 अरब अमेरिकी डॉलर) या वियतनाम जैसे छोटे देशों (113 अरब अमेरिकी डॉलर) के साथ घाटे के आसपास भी नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को अत्यधिक कर वसूलने वाला करार दिया है।

टैरिफ से कानपुर के निवेशकों को लगा 450 करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शेयर बाजारों में अस्थिरता का माहौल, निवेशकों में भूचाल
- मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई

अमृत विचार। अमेरिकी टैरिफ ने शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में अस्थिरता ला दी। शुरुआती गिरावट के बाद दोपहर तक बाजार में थोड़ी रिकवरी रही, लेकिन आखिरी घंटे में भारी बिकवाली ने निवेशकों को फिर निराश किया। कुल मिलाकर हालात यह हुए कि इससे शहर के निवेशकों को लगभग 450 करोड़ रुपये का झटका लगा।

शेयर बाजार के हाल पर केश्री ब्रोकिंग के को-फाउंडर राजीव सिंह ने बताया कि शेयर बाजार में बेंचमार्क इंडेक्स के अलावा मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। बाजार के रुख में कई बड़े समूह के शेयरों ने निवेशकों को निराश किया। हांलाकि गिरावट भरे शेयर बाजार में ऐसे सेक्टर भी रहे जो हरे निशान पर बंद हुए।

सबसे अधिक लाभ निफ्टी एफएमसीजी को हुआ। राजीव सिंह ने बताया कि ट्रंप का भारत की अर्थव्यवस्था को 'डेड' कहना एक अपरिपक्व और जल्दबाजी भरा

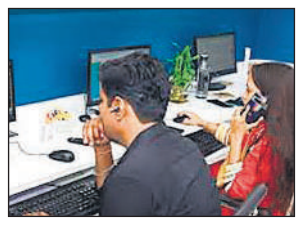

मूल्यांकन है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व मंच पर एक ब्रांडेड पहचान बना रही है। एक ऐसा ब्रांड जो स्थिरता, संभावनाओं और समावेशी विकास का प्रतीक बन चुका है। इसकी वजह तेज विकास दर, स्थिर नींव है।

इसके अलावा आईएमफ ने भी यह अनुमान लगाया है कि 2025 में भी 6.5 फीसदी विकास दर बनाए रखने में भारत सक्षम है। तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर भी भारत तेजी से कदम बढ़ा रहा है। उधर यूपीआई ने डिजिटल लेन-देन में भारत को अग्रणी बना दिया।

गांवों में 76 प्रतिशत से अधिक परिवारों की खपत बढ़ीः नाबार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के 76.6 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों ने खपत में वृद्धि की सूचना दी है जो उपभोग-आधारित वृद्धि की निरंतर गति को दर्शाता है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह बात कही है। ग्रामीण आर्थिक स्थिति और धारणा सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) के जुलाई, 2025 चरण से संकेत मिलता है कि मुद्रास्फीति की चिंताएं कम हो गई हैं और 78.4 प्रतिशत से अधिक परिवारों की राय में वर्तमान मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत या उससे कम है। यह बेहतर मूल्य स्थिरता को दर्शाता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित ग्रामीण मुद्रास्फीति मार्च के 3.25 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 2.92 प्रतिशत और

मई में 2.59 प्रतिशत हो गई। खाद्य मुद्रास्फीति भी मई में घटकर 1.36 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण परिवारों का वित्तीय स्वास्थ्य सुधरा है। ग्रामीण क्षेत्रों के 20.6% परिवारों ने अधिक बचत की सूचना दी है जबकि 52.6% ने संगठित क्षेत्रों से ऋण लिया है। ऋण के विभिन्न असंगठित स्रोतों में से दोस्तों एवं रिश्तेदारों की हिस्सेदारी साहूकारों की हिस्सेदारी से अधिक थी।

जेन स्ट्रीट के खिलाफ मामले में सर्वेक्षण अभियान चलाया

मुंबई। आयकर विभाग ने बाजार में हेरफेर की आरोपी अमेरिकी स्वामित्व वाली ट्रेडिंग कंपनी जेन स्ट्रीट के खिलाफ कथित कर चोरी की जांच के तहत कुछ ब्रोकिंग कंपनियों के परिसरों में सर्वेक्षण अभियान चलाया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विभाग जेन स्ट्रीट के खिलाफ हाल ही में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की कार्रवाई की पृष्ठभूमि में 'सत्यापन' अभियान चला रहा है। अधिकारी कार्यालय परिसर में सर्वेक्षण के तहत अमेरिकी कंपनी के खाता बही और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। बीएसई ने कहा कि उसने इस मामले में कर विभाग द्वारा की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट के संबंध में जेन स्ट्रीट के घरेलू व्यापारिक साझेदार बताए जा रहे नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है।

भारत में सोने की मांग अप्रैल से जून तिमाही में 10 % घटी

मुंबई, एजेंसी

- विश्व स्वर्ण परिषद ने दी जानकारी 134.9 टन रही

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोने के दाम में रिकॉर्ड तेजी के कारण भारत में मूल्यवान धातु की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 134.9 टन रही। एक साल पहले इसी तिमाही में मांग 149.7 टन थी।

डब्ल्यूजीसी ने 'स्वर्ण मांग रुख, दूसरी तिमाही 2025' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा कि मूल्य के लिहाज से, इस साल दूसरी तिमाही में सोने की मांग 30 प्रतिशत बढ़कर 1,21,800 करोड़ रुपये हो गई। जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 93,850 करोड़ रुपये थी। कीमतें पहली बार 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गईं। सोने की बढ़ती

कीमतों ने देश में आभूषणों की मांग को प्रभावित किया। आलोच्य तिमाही के दौरान यह 17 प्रतिशत घटकर 88.8 टन रह गई, जबकि 2024 की इसी तिमाही में यह 106.5 टन थी। हालांकि, मूल्य के अनुसार आभूषणों की मांग 20 प्रतिशत बढ़कर 80,150 करोड़ रुपये रही, जो 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में 66,810 करोड़ रुपये थी।

सरकार ने एनसीडीसी के लिए 2,000 करोड़ की अनुदान सहायता को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चार वर्षों के लिए सहायता को दी है मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को चार साल के लिए 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता को मंजूरी दे दी। इस कदम से संगठन को कर्ज देने के लिए और अधिक कोष जुटाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए 2,000 करोड़ रुपये के व्यय के साथ केंद्रीय योजना 'एनसीडीसी को सहायता अनुदान' को मंजूरी दे दी है (प्रत्येक वर्ष 500 करोड़ रुपये)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं

को बताया, मंत्रिमंडल ने एक अच्छे वित्तीय मॉडल को और मजबूत करने के लिए एनसीडीसी को चार वर्षों के लिए 2,000 करोड़ रुपये की पूंजी अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय सहायता से, एनसीडीसी आगे कर्ज देने के लिए 20,000 करोड़ रुपये अतिरिक्त जुटा सकेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, एनसीडीसी की कर्ज वसूली दर 99.8 प्रतिशत है और उसका एनपीए (फंसा कर्ज) शून्य है। एक बयान के अनुसार, इस निर्णय से डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और शीत भंडारण जैसे विभिन्न क्षेत्रों की 13,288 सहकारी समितियों के लगभग 2.9 करोड़ सदस्यों को लाभ होने की संभावना है।

बयान के अनुसार, ''एनसीडीसी को 2,000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के आधार पर, वह 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों में बाजार से 20,000 करोड़ रुपये जुटा सकेगी।

राष्ट्रीय

राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, दिनभर के लिए बैठक स्थगित

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामा

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक गुरुवार को तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न चार बज कर 45 मिनट पर दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। पूर्वाह्न 11 बजे उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाए।

इसके बाद उपसभापति ने इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की साझेदारी के तहत बुधवार को जीएसएलवी रॉकेट से निसार उपग्रह को कक्षा में स्थापित किये जाने का जिक्र किया। उपसभापति ने इसरो से संबद्ध वैज्ञानिकों, अधिकारियों और अन्य सभी लोगों तथा नासा की समन्वय टीम को सदन और पूरे देश

संसद परिसर में प्रदर्शन करते कांग्रेस व अन्य नेता। ● एजेंसी

की ओर से बधाई दी। इसके बाद हरिवंश ने सदस्यों ने शून्यकाल तथा प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध करते हुए कहा कि सत्र की शुरूआत से गतिरोध के कारण करीब 30 घंटे का समय बर्बाद हो चुका है। उन्होंने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत 28 नोटिस मिले हैं जिनमें बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, ओडिशा में महिलाओं और बच्चों के कथित उत्पीड़न, बंगाली कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी, अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 25 फीसदी कर के दुष्प्रभाव तथा उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के मुद्दे पर नियत कामकाज स्थगित कर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की गई है। उपसभापति ने कहा कि ये नोटिस आसन द्वारा पूर्व में दी गई व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। नोटिस स्वीकार नहीं किए जाने पर विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया और हंगामा करने लगे। हरिवंश ने हंगामे को देखते हुए 11 बजकर 15 मिनट पर बैठक को दोपहर बारह बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। एक बार के स्थगन के बाद दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होते ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर चर्चा की अपनी मांग दोहराई और हंगामा करने लगे। इसी दौरान सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि बुधवार को सदन में जब गृह मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा का जवाब देना शुरू किया, तो कुछ विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

बर्बाद अर्थव्यवस्था पर ट्रंप का बयान सही प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था खत्म की: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बर्बाद अर्थव्यवस्था है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है। उन्होंने कहा, क्या आपको मालूम नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था एक बर्बाद अर्थव्यवस्था है।

मैंगो मेला

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में 18वें भारत आम महोत्सव का जायजा लेते हुए।

टैरिफ की घोषणा सौदेबाजी की रणनीति हो सकती हैः थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी

- पाकिस्तान के साथ तेल भंडारण पर काम करने के लिए अमेरिका पर किया कटाक्ष

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क (टैरिफ) और जुर्माना लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को कहा कि व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत के बीच यह सिर्फ एक सौदेबाजी की रणनीति हो सकती है।

थरूर ने यह भी कहा कि अगर कोई अच्छा सौदा संभव नहीं है, तो हमें पीछे हटना पड़ सकता है। थरूर ने अमेरिका पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ''तेल भंडार'' विकसित करने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने जा रहा है और पाकिस्तान में तेल खोजने के लिए उन्हें शुभकामनाएं हैं। उन्होंने संसद परिसर में कहा, हम सब (भारत-पाकिस्तान) एक समय एक देश थे। मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी कि आज के पाकिस्तान में बहुत सारा तेल मिल सकता है। थरूर का कहना था, लेकिन अमेरिकी लोग (तेल) तलाशना चाहते हैं, तो उन्हें तलाशने दीजिए।

भारत में मानसून के दूसरे चरण में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमानः आईएमडी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में मानसून ऋतु के दूसरे चरण (अगस्त और सितंबर) में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के आसपास के इलाकों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में अगस्त में सामान्य बारिश होने का अनुमान है।

उन्होंने बताया कि सितंबर में बारिश सामान्य से अधिक होने का अनुमान है।

देश में मानसून के पहले चरण यानी जून और जुलाई में सामान्य से अधिक वर्षा हुई तथा विशेषकर हिमाचल प्रदेश समेत कुछ राज्यों में अचानक बाढ़ आई। उन्होंने कहा, भौगोलिक दृष्टि से, देश के ज्यादातर भागों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर के कई भागों और पूर्वी भारत के समीपवर्ती क्षेत्रों के अलावा मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिण-पश्चिमी भागों में सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है। देश में एक जून से 31 जुलाई तक 474.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सामान्य आंकड़ा 445.8 मिमी है। आईएमडी प्रमुख ने बताया कि इस दौरान देश में भारी वर्षा की 624 और अत्यधिक वर्षा की 76 घटनाएं दर्ज की गईं हैं।

ईसी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को दिया अंतिम रूप

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल को अंतिम रूप दे दिया है। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के पद से इस्तीफा देने के कारण आवश्यक हो गया है। आयोग ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य, मनोनीत सदस्य और लोकसभा के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल की सूची को अंतिम रूप दे दिया है।

इसने कहा कि निर्वाचक मंडल की सूची अधिसूचना की तारीख से निर्वाचन आयोग कार्यालय में स्थापित एक काउंटर पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगी, जिसकी घोषणा जल्द ही होने की संभावना है। धनखड़ ने अपने कार्यकाल की समाप्ति से लगभग दो साल पहले, 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 तक के लिए था।

दुर्गा पूजा समितियों के लिए अनुदान बढ़ाकर 1.10 लाख रुपये किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार राज्य भर में लगभग 40 हजार दुर्गा पूजा समितियों में से प्रत्येक को 1.10 लाख रुपये का अनुदान देगी, कर माफ करेगी तथा 80 प्रतिशत बिजली रियायत देगी।

इस घोषणा से आयोजकों में खुशी है जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना करते हुए इसे 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले चुनावी उपहार करार दिया।

रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये या शरणार्थी, ये पहला मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- इसके बाद ही उठाए जा सकते हैं दूसरे मुद्दे

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि रोहिंग्याओं से संबंधित मामलों के निपटारे में पहला महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि वे शरणार्थी हैं या अवैध घुसपैठिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एक बार यह तय हो जाने के बाद अन्य मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं।

पीठ ने देश में रोहिंग्याओं से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, पहला महत्वपूर्ण मुद्दा सरल है, क्या वे शरणार्थी हैं या अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये। पीठ ने रोहिंग्याओं से जुड़ी याचिकाओं में उसके विचार योग्य व्यापक मुद्दों पर गौर किया। उसने पूछा, क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं। अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार या अधिकार हासिल हैं।

पीठ ने कहा कि दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और अवैध रूप से प्रवेश करने वाले घुसपैठिये हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्य सरकारों की कार्रवाई उचित थी। उसने सवाल किया, अगर रोहिंग्याओं को अवैध घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकता है या फिर उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सकता है, बशर्ते कि अदालत उन पर ऐसी शर्तें लगाए, जिन्हें वह उचित समझे।

पीठ ने कहा कि याचिकाओं में उठाया गया एक अन्य मुद्दा यह है कि क्या उन रोहिंग्याओं को, जिन्हें हिरासत में नहीं लिया गया है और जो शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं, पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। उसने कहा, अगर रोहिंग्या अवैध घुसपैठिये हैं तो क्या भारत सरकार और राज्य सरकारें कानून के अनुसार उन्हें निर्वासित करने के लिए बाध्य हैं।

हर बुधवार सुनवाई

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया। पहला, जो रोहिंग्याओं से संबंधित है, दूसरा, जो रोहिंग्याओं से जुड़े मुद्दों से संबंधित नहीं है और तीसरा जो पूरी तरह से अलग मामले से संबंधित है। उसने कहा कि तीनों समूह की याचिकाओं का निर्धारण अलग-अलग किया जाएगा और उन पर सुनवाई हर बुधवार को की जाएगी।

पीएमएलए : ईडी की शक्तियों को चुनौती देने वाली पुनर्विचार याचिकाओं की तय होगी पोषणीयता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले उन याचिकाओं की वैधता पर दलीलें सुनेगा जिनमें 2022 के उसके उस फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया है, जिसमें ईडी को पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी, संपत्तियां जब्त करने और तलाशी लेने की शक्तियां बरकरार रखी गई थीं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने 13 प्रश्न उठाए हैं। चूंकि प्रस्तावित मुद्दे समीक्षा कार्यवाही में उठ रहे हैं, इसलिए हम सबसे पहले विभिन्न पक्षों की ये दलीलें सुनेंगे कि पुनर्विचार याचिकाएं सुनवाई योग्य हैं या नहीं। उसके बाद याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए जाने वाले प्रस्तावित बिंदुओं पर सुनवाई की जाएगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई छह अगस्त के लिए सूचीबद्ध की।

कई भारतीय उद्योग हो सकते हैं प्रभावित

भारत पर अमेरिकी टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा की है जो एक अगस्त से लागू होगा। रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर अनिर्दिष्ट जुर्माना भी लगाया गया है। यह घोषणा चौंकाने वाली है क्योंकि दोनों देशों में व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है। आयात शुल्क दरअसल वस्तुओं के आयात पर लगाया गया सीमा शुल्क या आयात शुल्क हैं जो आयातक को सरकार को देना होता है। कंपनियां इनका बोझ उपयोगकर्ताओं पर डालती हैं लेकिन इसका सबसे बड़ा असर खुद कंपनियों के कारोबार पर ही पड़ता है।

35% प्रतिशत तक हो जाएगा टैरिफ

अमेरिका ने स्पष्ट नहीं किया है कि जुर्माना कितना होगा और यह कैसे लगाया जाएगा। व्हाइट हाउस का एक कार्यकारी आदेश शुल्क संरचना को स्पष्ट करेगा। भारत के सभी उत्पादों पर 10 प्रतिशत मूल शुल्क पहले से ही लगा है। भारत से आने वाले इस्पात व एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और वाहन व उसके घटकों पर भी पहले से 25 प्रतिशत शुल्क लगा है। ये शुल्क मौजूदा शुल्क के अतिरिक्त लगाए जाते हैं। यानी जैसे वर्तमान में वस्त्र उद्योग पर छह से नौ प्रतिशत शुल्क लगता है, इसलिए 25 प्रतिशत शुल्क जोड़ने के बाद एक अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय वस्त्र उत्पादों पर 31-34 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

ये वृद्धि कितनी

दूरसंचार पर 25 प्रतिशत, रत्न व आभूषण पर 30 से 38.5 प्रतिशत जो वर्तमान में 5-13.5 प्रतिशत है। खाद्य एवं कृषि उत्पाद पर 29 से 30 प्रतिशत जो वर्तमान में 14-15 प्रतिशत है। परिधान पर 12 प्रतिशत के अलावा 25 प्रतिशत शुल्क लगेगा। एक अगस्त से दंडात्मक घटक भी लागू हो सकता है।

मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार

भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और द्विपक्षीय व्यापार में 10.73 प्रतिशत है। 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात और 45.3 अरब अमेरिकी डॉलर आयात) तक पहुंच गया। अमेरिका के साथ भारत का व्यापार अधिशेष (आयात व निर्यात का अंतर) 2024-25 में 41 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह 2023-24 में 35.32 अरब अमेरिकी डॉलर और 2022-23 में 27.7 अरब अमेरिकी डॉलर था।

आयात और निर्यात

अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में 2024 में दवा निर्माण तथा जैविक निर्यात 8.1 अरब अमेरिकी डॉलर का था। दूरसंचार उपकरण 6.5 अरब अमेरिकी डॉलर, कीमती व अर्धकीमती पत्थर 5.3 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 4.1 अरब डॉलर, सोने के आभूषण 3.2 अरब डॉलर, सूती वस्त्र 2.8 अरब डॉलर और लोहा व इस्पात के उत्पाद 2.7 अरब डॉलर के थे। आयात में कच्चा तेल 4.5 अरब डॉलर, पेट्रोलियम उत्पाद 3.6 अरब डॉलर, कोयला, कोक 3.4 अरब डॉलर, तराशे व पॉलिश किए गए हीरे 2.6 अरब डॉलर, इलेक्ट्रिक मशीनरी 1.4 अरब डॉलर, विमान, अंतरिक्ष यान तथा कलपुर्जे 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर और सोना 1.3 अरब डॉलर शामिल हैं। आयात शुल्क आयातक देश में वस्तुओं को महंगा बना देता है।

क्या बहुत ज्यादा है भारत में शुल्क

अमेरिका दुग्ध उत्पादों पर 188%, फलों-सब्जियों पर 132%, कॉफी, चाय, कोको व मसालों पर 53%, अनाज एवं खाद्य पदार्थों पर 193%, तिलहन, वसा व तेल पर 164%, पेय पदार्थ एवं तंबाकू पर 150%, खनिज व धातु पर 187%, और रसायन पर 56% का उच्च शुल्क है। भारत की औसत शुल्क दर 17% है, जो अमेरिका की 3.3% से अधिक है लेकिन दक्षिण कोरिया 13.4% और चीन 7.5% जैसी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समान है।

दक्षिण कोरिया: चुनाव घोटाले में पूर्व राष्ट्रपति का गिरफ्तारी वारंट

सोल। दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल का गिरफ्तारी का वारंट जारी किया है। उन पर चुनावों में दखलंदाजी करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

यून को दो बार समन जारी हुआ लेकिन वे दोनों बार नहीं आए। यून पर आरोप है कि उन्होंने और और उनकी पत्नी ने साल 2022 के चुनावों से पहले एक जनमत सर्वेक्षण करवाया था। संदेह है कि सर्वेक्षण एक राजनीतिक दलाल ने निशुल्क किया और इसकी एवज में उसने अपनी पसंद के एक व्यक्ति का नामांकन संसद में करवाया।

भारी बारिश से बंद हुआ केदारनाथ हाईवे, दो दिन के लिए रोकी गई यात्रा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में बुधवार रात हुयी भारी बारिश से सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में सड़क क्षतिग्रस्त होने से केदारनाथ वाला हाईवे पूरी तरह से बंद होने से इस धाम की यात्रा को अब दो दिन के लिए रोक दिया गया है।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से लगभग दो हज़ार यात्री बीच में ही रोक दिए हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस के जवान केदारनाथ में फंसे ढाई हजार यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाने में जुटे है। मुनकटिया के पास भूस्खलन से केदारनाथ हाईवे पर करीब 50 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त हो जाने से इस रास्ते पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। बारिश के कारण वैकल्पिक पैदल मार्ग को भी नुकसान हो गया है जिससे केदारनाथ से आने वाले श्रद्धालु गौरीकुंड में फंस गए। डीएम प्रतीक जैन ने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भूस्खलन के बाद केदारनाथ धाम के रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं को उतारते बचाव दल के सदस्य। ● एजेंसी

वर्ल्ड ब्रीफ

रक्षा सहयोग बढ़ाने को भारत-ब्राजील की बैठक

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील के शीर्ष अधिकारियों ने ब्राजील में एक महत्वपूर्ण रक्षा बैठक की, जिसका उद्देश्य हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय सुरक्षा को मज़बूत बनाना और सैन्य सहयोग व रक्षा उद्योग संबंधों को प्रगाढ़ करना था। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 30 जुलाई को ब्रासीलिया में 8वीं संयुक्त रक्षा समिति की बैठक में हिंद-प्रशांत और लैटिन अमेरिका में सैन्य सहयोग, प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

म्यांमार में नई संघीय सरकार की घोषणा

यांगून। म्यांमार राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद ने मंगलवार को नई संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

सिंगापुर : भारतीय को 14 साल की सजा

सिंगापुर। सिंगापुर में 11 साल की बच्ची का दो बार यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागरिक को 14 साल से अधिक की सजा सुनाई। रामलिंगम सेल्वासेकरन (58) की उम्र अधिक होने के कारण उसे कोड़े नहीं मारे जाएंगे लेकिन उसे सुनाई गई 14 वर्ष, तीन महीने और दो सप्ताह की सजा में 15 कोड़ों के बदले बदले अतिरिक्त कारावास की सजा शामिल है।

गाजा: कुपोषण से सात और लोगों की मौत

दुबई, एजेंसी

गाजा पट्टी में भुखमरी के हालात लगातार विकराल होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटों में यहां कुपोषण से सात और लोगों की मौत हो गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीनी क्षेत्र में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 2023 में इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या अब 154 हो गई जिसमें 89 बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र समर्थित वैश्विक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि गाज़ा में अकाल की सबसे खराब स्थिति वर्तमान में चल रही है।

इज़राइल ने कहा है कि वह गाज़ा में आने वाली सहायता पर प्रतिबंध नहीं लगा रहा है , लेकिन उसका ये दावा यूरोप में उसके करीबी सहयोगियों, संयुक्त राष्ट्र और गाज़ा में सक्रिय अन्य एजेंसियों ने स्वीकार नहीं किया है। इस बीच अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को गाजा संकट पर चर्चा करने के लिए इज़राइल की यात्रा पर जाएंगे।

● दो साल में कुपोषण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 154 हुई

खाने का इंतजार करते लोगों पर चलाईं गोलियां, 48 मारे गए

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री की प्रतीक्षा कर रहे कम से कम 48 फलस्तीनी मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राजदूत संघर्ष समाप्त कराने संबंधी वार्ता के लिए इजराइल पहुंच रहे हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल ने बताया कि ये लोग ज़िकिम क्रॉसिंग पर मौजूद भीड़ का हिस्सा थे। इसी क्रॉसिंग से उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाई जाती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि गोलीबारी किसने की और क्रॉसिंग पर नियंत्रण रखने वाली इजराइल की सेना ने भी इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यूक्रेन: रूसी हमलों में 9 मरे, 124 घायल

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों में नौ लोग मारे गए और 124 घायल हो गए।

कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि मृतकों में एक छह साल का बच्चा भी है। शहर में 27 जगह हमला हुआ जहां बचाव अभियान जारी है, पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस ने 300 से ज्यादा ड्रोन हमले किए और आठ मिसाइलें दागीं।

तमिलनाडु: मां-बेटी ने साथ पास की नीट

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में 49 वर्षीय एक फिजियोथेरेपिस्ट महिला और उसकी बेटी ने मजबूत इरादों से अपने सपनों को पूरा करने की एक अद्भुत मिसाल कायम की है। दोनों ने अपनी लगन और मेहनत से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पास कर ली।

नीट पास करने के बाद महिला को अपने गृह जिले के नज़दीकी सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट मिल गई जबकि बेटी भी चिकित्सा क्षेत्र में सफर शुरू करने के लिए तैयार है। अमुथवल्ली मणिवन्नन को अपने स्कूल के दिनों की तुलना में इस बार पाठ्यक्रम बहुत अलग और काफी कठिन लगा लेकिन फिर भी अपनी बेटी की राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की तैयारी से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी तैयारी शुरू की।

अमुथवल्ली ने कहा, अपनी बेटी को नीट की तैयारी करते देखकर मेरी महत्वाकांक्षा फिर से जागृत हो गई और वह मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा थी। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की। सीबीएसई की छात्रा एम. संयुक्ता ने कोचिंग क्लास ली और जिन किताबों का उसने गहन अध्ययन किया था, उनसे ही उसकी मां को भी मदद मिली।

● अमुथवल्ली ने बेटी की किताबों से ही पढ़कर की नीट की तैयारी

इमरान की पार्टी के कई सांसदों समेत 166 सदस्यों को 10-10 साल कैद

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई।

खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-

● आईएसआई भवन और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले का मामला

ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया।

पाकिस्तान के साथ विशाल तेल भंडार विकसित करेगा अमेरिका

समझौते पर हस्ताक्षर कर ट्रंप ने की घोषणा, शगूफा भी छोड़ा- क्या कभी भारत को तेल बेचेगा पाकिस्तान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हु कहा कि अमेरिका विशाल तेल भंडार विकसित करने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि ट्रंप पाकिस्तान में किस विशाल तेल भंडार की बात कर रहे थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर यह भी सवाल उठाया कि क्या पाकिस्तान कभी भारत को तेल बेच सकता है। ट्रंप ने बुधवार को 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत अमेरिका पाकिस्तान के विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेगा। उन्होंने कहा, हम उस तेल कंपनी को

पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने ट्रंप को कहा शुक्रिया

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को बृहस्पतिवार को ऐतिहासिक बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया और इससे दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ने की उम्मीद जाहिर की। शरीफ ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को और मजबूत करेगा ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार हो सके।

चुनने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। कौन जानता है, शायद वे किसी दिन भारत को तेल बेचेंगे। पाकिस्तान लंबे समय से अपने अपतटीय क्षेत्र पर बड़े तेल भंडार होने का दावा करता रहा है, लेकिन इन भंडारों का दोहन करने में कोई प्रगति नहीं हुई है। वह इन भंडारों का दोहन करने के लिए निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। देश फिलहाल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पश्चिम एशिया से तेल आयात करता है।

चीन से प्रक्षेपित किया रिमोट सेंसिंग उपग्रह

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान ने जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों की निगरानी और प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाने के लिए चीन के सिचुआन प्रांत से एक नए रिमोट सेंसिंग उपग्रह का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। पाकिस्तान के अंतरिक्ष एवं ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग के तकनीकी सहयोग से शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र पर कुआइझोउ-1ए (केजेड-1ए) रॉकेट के जरिये पाकिस्तान रिमोट-सेंसिंग सैटेलाइट (पीआरएसएस-1) को प्रक्षेपित किया गया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 अगस्त, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

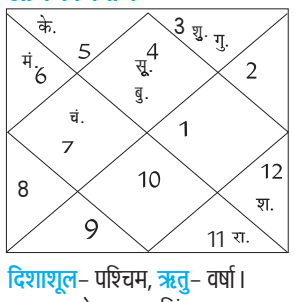

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-स्वाती 02 अगस्त 03.40 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष — आज बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलने से प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों से आपको सहायता मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को शानदार परिणाम मिल सकते हैं।

वृष — आज विदेश से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। गले में खराश जैसी समस्या हो सकती है। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। धार्मिक कार्यों में आप रुचि लेंगे। कारोबार को बढ़ाने के नए तरीके अपनायेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिये दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

मिथुन — आज अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में मधुरता आयेगी। पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। सामाजिक कार्यों में आप सहयोग देंगे। प्रेम संबंधों से जुड़ी परेशानियां कम होंगी।

कर्क — आज बड़े निर्णय लेते समय आपको व्यवहारिक रहना होगा। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर करेंगे। अधिक मसालेदार भोजन करने से बचें। त्वचा में एलर्जी जैसी परेशानी हो सकती है। किसी मूल्यवान वस्तु के गुम होने की आशंका है।

सिंह — आज समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पुराने मित्रों के साथ मिलने का अवसर मिलेगा। बदनदर्द की शिकायत हो सकती है। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपकी प्रतिभा उभरकर सामने आयेगी। बुद्धिमान लोगों के बीच आपका उठना-बैठना होगा।

कन्या — आज कारोबार में नई डील कर सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य की कुछ चिंता हो सकती है। आपको भरपूर नींद लेनी चाहिए। किसी व्यक्ति से थोड़ी बहस हो सकती है। बड़े-बुजुर्गों से मार्गदर्शन लेते रहें। नौकरीपेशा लोग नयी जॉब का विचार बनायेंगे।

तुला — आज घर में मेहमान आ सकते हैं। यात्रा सामान्य रूप से काफी अच्छी रहेगी। कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त हो सकती है। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को शानदार लाभ होगा। अच्छे कार्यों में आप रुचि लेंगे। तकनीकी संबंधी कार्यों में रुचि लेंगे।

वृश्चिक — आज आपको अपनी वर्तमान परियोजनाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है। परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। मेहमानों पर आप धन खर्च करेंगे। आपको नया काम शुरू करने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

धनु — आत धार्मिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। विद्यार्थियों को कम मेहनत से ही सफलता मिल जायेगी। पुराने मामलों में आपको बेहतरीन सफलता मिलेगी। जूनियर्स के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। कोई बड़ा लक्ष्य आप प्राप्त कर लेंगे।

मकर — आज भूमि-संपत्ति से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ प्राप्त होगा। नवविवाहित लोग आज किसी उत्सव समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। रेस्टोरेन्ट के व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं।

कुंभ — आज विवाह से जुड़े मामलों का समाधान प्राप्त होगा। शरीर में ऊर्जा की कमी रहेगी। सन्तान की शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति होगी। विश्वासपात्र लोगों की सलाह आपको बहुत काम आयेगी। लवमेट के साथ रिश्तों में गहराई आयेगी। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में पूंजी निवेश से आपको लाभ प्राप्त होगा। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें। पर्याप्त मात्रा में जल पियें। दांपत्य संबंधों में परेशानी आ सकती है। एक से ज्यादा काम हाथ में न लें। किसी प्रियजन से आपकी बहस हो सकती है।

सुडोकू-56

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5	6		1		8		7
			7				3	
	3					5		2
		7		9	4			
1								5
			8	2		4		
9		5			6		8	
	4				3			
8		3				2	1	

सुडोकू - 55 का हल

6	1	7	3	2	4	9	8	5
2	9	8	5	6	1	3	4	7
5	3	4	9	8	7	1	2	6
9	8	5	4	1	3	6	7	2
1	7	2	8	9	6	4	5	3
4	6	3	7	5	2	8	9	1
3	2	9	1	4	5	7	6	8
8	5	1	6	7	9	2	3	4
7	4	6	2	3	8	5	1	9

विदेश की चुनौतियों से पार पाना हमेशा विशेष होता है। अगर आप विदेश में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो लोग आपको ऊंचा दर्जा देंगे, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं। मैं बस मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करना चाहता हूं।
–ध्रुव जुरेल, विकेटकीपर-बल्लेबाज

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेस्सी के करिश्मे से जीता इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेस्सी ने मैच के अंतिम पलों में दिखाए गए करिश्मे से इंटर मियामी ने लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में एटलस को 2-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर द्वारा ऑल-स्टार भाग नहीं देने से एक मैच के लिए निलंबित किए जाने के बाद मेस्सी और उनके साथी जोर्डी अल्बा का यह पहला मैच था। उन्होंने स्टॉपेज टाइम के आखिरी मिनट में मार्सेलो वीगन्ड्ट की विजयी गोल करने में मदद की। वीडियो समीक्षा प्रणाली के बाद ही यह गोल मान्य माना गया। मेस्सी ने इससे पहले 58वें मिनट में टेलास्को सेगोविया के गोल में भी मदद की थी।

राष्ट्रमंडल खेलों की माल्टा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। माल्टा 2027 में राष्ट्रमंडल युवा खेलों के आठवें चरण की मेजबानी करेगा, जिसमें 74 देशों के 14 से 18 वर्ष के खिलाड़ी आठ खेलों में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों की संचालन संस्था ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रमंडल खेलों की संस्था ने हालांकि इनकी तारीखों की घोषणा नहीं की कि लेकिन कहा कि यह 2027 के अंत में आयोजित होंगे। राष्ट्रमंडल खेल के अनुसार, माल्टा 2027 में 74 देशों और क्षेत्रों के 14 से 18 वर्ष के 1150 खिलाड़ियों का स्वागत करेगा।

स्क्वाश चैंपियनशिप नई दिल्ली में 23 अगस्त से

नई दिल्ली। सीनियर राष्ट्रीय स्क्वाश चैंपियनशिप 23 से 28 अगस्त तक नई दिल्ली में होगा। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसआरएफआई) ने गुरुवार को यह घोषणा की। एसआरएफआई के महासचिव साइरस पोंचा ने कहा, सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तीन हफ्ते बाद दिल्ली के ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित होगी। एसआरएफआई ने टेक दिग्गज एचसीएल के साथ मिलकर एचसीएल इंडिया स्क्वाश टूर 2025-26 का भी शुभारंभ किया। पेशेवर स्क्वाश संघ (पीएसए) टूर का भारत के छह शहरों में विस्तार हो चुका है और पीएसए देश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा लाएगा।

चार शहरों में खेली जाएगी प्रो कबड्डी लीग

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12वां सत्र 29 अगस्त से शुरू होगा और इसे चार शहरों विशाखापट्टनम, जयपुर, चेन्नई और नई दिल्ली में खेला जाएगा। आयोजकों ने गुरुवार को बताया कि नए सत्र के पहले दिन विशाखापतनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगू टाइटन्स का सामना तमिल थलाइवाज से और बेंगलुरु बुल्स का पुनेरी पल्टन से होगा। विशाखापट्टनम में 2018 के बाद पहली बार पीकेएल के मैच खेले जाएंगे। पीकेएल का दूसरा चरण 12 सितंबर से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर हॉल में होगा, जहां टूर्नामेंट ने 2023-24 के सत्र में अपने 1,000 मैच पूरे किए थे।

इंडिया ने सेमीफाइनल से नाम लिया वापस

नई दिल्ली। डब्ल्यूसीएल के अनुसार, भारतीय टीम के आधिकारिक रूप से नाम वापस लेने के बाद, विश्व चैंपियनशिप लीग (डब्ल्यूसीएल) में इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच होने वाला सेमीफाइनल रद्द हो गया है। एक्स पर डब्ल्यूसीएल ने कहा, डब्ल्यूसीएल ने हमेशा खेल की शक्ति में विश्वास किया है जो दुनिया को प्रेरित करती है और सकारात्मक बदलाव लाती है। हम इंडिया चैंपियंस के सेमीफाइनल से नाम वापस लेने के फैसले का सम्मान करते हैं, और हम पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा के लिए तत्परता का भी उतना ही सम्मान करते हैं।

जू. महिला राष्ट्रीय हॉकी में 30 टीमें लेंगी भाग

काकीनाडा। हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुक्रवार से शुरू होगी, जिसमें कल 30 टीम भाग लेंगी। इस बार यह प्रतियोगिता डिवीजन आधारित प्रारूप में खेली जाएगी, जिसमें टीमों को तीन डिवीजन ए, बी और सी में बांटा गया है। ए व बी डिवीजन में नीचे की दो टीमें अगले वर्ष बी व सी में रेलीगेट होंगी जबकि बी व सी डिवीजन की शीर्ष दो टीमें ए और बी डिवीजन में जगह मिलेगी। डिवीजन ए में देश की शीर्ष 12 टीमें शामिल हैं।

बारिश बनी बाधा, भारत ने 5 विकेट पर बनाए 137 रन

गिल ने रन आउट होकर गंवाया विकेट, लंच से पहले बारिश के कारण दूसरा सत्र देर से हुआ शुरू

लंदन, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रन आउट होकर अपना विकेट गंवाया, जिससे भारत ने वर्षा से प्रभावित पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को चाय तक 3 विकेट पर 85 रन बनाए। बारिश के कारण लंच और चाय के बीच सिर्फ छह ओवर का खेल हो गया, जिसमें भारत ने गिल का विकेट गंवाकर 13 रन बनाए। इसकी के साथ ही भारतीय टीम पहली पारी में 45.2 ओवर तक पांच विकेट के नुकसान पर 137 रन बनाकर खेल रही थी। पिच पर करुण नायर (18 रन) व ध्रुव जुरेल (7 रन) खेल रहे थे।

चाय के समय साई सुदर्शन 28 रन बनाकर खेल रहे थे। लंच से पहले अचानक आई बारिश से दूसरे सत्र का खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर तीन बजे शुरू हुआ। क्रीज पर नजर जमाने के बाद गिल (21) ने गस एटकिंसन की गेंद पर गैर जरूरी रन लेने का प्रयास किया और इस तेज गेंदबाज के सटीक निशाने का शिकार बनकर पवेलियन लौटे। इसके कुछ देकर बाद फिर बारिश होने लगी और खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा, जिसके कुछ देकर बाद चाय का ब्रेक लिया गया। भारत ने घास की मौजूदगी वाली पिच पर सुबह के सत्र में अपने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल के विकेट गंवाए लेकिन लंच तक दो विकेट पर 72 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया। श्रृंखला की अब तक की सबसे अधिक घास की मौजूदगी वाली पिच पर इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

लंच से पहले बारिश होने के कारण पवेलियन की ओर जाते भारतीय बल्लेबाज। एजेंसी

गेंद उम्मीद के मुताबिक सीम तो कर रही थी लेकिन बहुत ज्यादा स्विंग नहीं कर रही थी। श्रृंखला का अपना पहला मैच खेल रहे गस एटकिंसन ने अपने दूसरे ओवर में जायसवाल (2) को आउट किया। मैदानी अंपायर ने आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें फैसला बदलना पड़ा क्योंकि अंदर आती गेंद स्टंप्स पर लगती। अन्य तेज गेंदबाजों जोश टंग और जेमी ओवरटन को नियंत्रण बनाए रखने में दिक्कत हुई। टंग ने अपने पहले ओवर में 12 रन दिए, जिसमें स्टंप के दोनों ओर दो वाइड के जरिए 10 रन शामिल थे। खेल के पहले घंटे में भारत का स्कोर एक विकेट पर 36 रन हो गया। अच्छी फॉर्म में चल रहे राहुल (14 रन) आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। क्रिस वोक्स की शॉर्ट गेंद को कट करने की कोशिश में वह विकेटों पर खेल गए। सुदर्शन ने टंग और वोक्स की गेंदों पर चौके जड़े जबकि मौजूदा श्रृंखला के सबसे सफल बल्लेबाज गिल ने ओवरटन की गेंद को कवर के ऊपर से चार रन के लिए भेजा और फिर पुल करके दोनों ओर बाउंड्री लगाई।

भारत की पहली पारी में बारिश से पहले बल्लेबाजी करते कप्तान शुभमन गिल।

शुभमन गिल ने गावस्कर को पछाड़ा

लंदन। कप्तान शुभमन गिल वर्षा से प्रभावित पांचवें टेस्ट मैच के पहले दिन महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को पछाड़कर एक टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। गिल इस श्रृंखला में अब तक 743 रन बना चुके हैं और उन्होंने गावस्कर को पछाड़ा जिन्होंने 1978-79 की टेस्ट श्रृंखला में वेस्टइंडीज के खिलाफ 732 रन बनाए थे। गिल को पांचवें टेस्ट से पूर्व गावस्कर के 47 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए सिर्फ 11 रन की दरकार थी। भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन की गेंद को कवर क्षेत्र में चौके के लिए खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। भारतीय कप्तान हालांकि 21 रन बनाने के बाद तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की गेंद पर गैरजरूरी रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। गिल ने इस श्रृंखला के दूसरे टेस्ट में 269 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी भी खेली थी।

कुलदीप को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में खेलना चाहिए था : सौरभ गांगुली

कोलकाता, एजेंसी

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि कुलदीप यादव को लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में नहीं खिलाकर भारत बड़े मौके से चूक गया क्योंकि टेस्ट मैच के आखिरी दो दिन यह स्पिनर अहम भूमिका निभा सकता था। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप को इंग्लैंड के खिलाफ चल रही पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

गांगुली ने गुरुवार को कहा, काश कुलदीप मैनचेस्टर में, लॉर्ड्स में और बर्मिंघम में भी खेलते क्योंकि बेहतरीन स्पिन गेंदबाजी के बिना टेस्ट के चौथे और पांचवें दिन टीमों को आउट करना मुश्किल होता। गांगुली ने मैनचेस्टर में हुए चौथे टेस्ट का उदाहरण दिया जहां भारत के निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को निराश किया और पांचवें दिन की पिच पर 143 ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने कहा कि आपने देखा कि इंग्लैंड के साथ क्या हुआ जब भारत ने एक ऐसी पिच पर बल्लेबाजी की जो थोड़ी टूट चुकी थी और थोड़ा टर्न भी मिल रहा था लेकिन एक भी अच्छा स्पिनर नहीं था इसलिए इंग्लैंड 20 विकेट नहीं ले सका।

सौरभ गांगुली, पूर्व भारतीय कप्तान

गांगुली ने कहा कि अतीत में महान टीमों के पास बेहतरीन स्पिनर होते थे, चाहे वह शेन वॉर्न हों, मुरलीधरन हों, इंग्लैंड के ग्रीम स्वान हों, मोंटी पनेसर हों, भारत के अनिल कुंबले हों, हरभजन सिंह हों या रविचंद्रन अश्विन हों। इसलिए मुझे लगता है कि कुलदीप ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारत भविष्य में खिलाने पर विचार करता रहेगा। गांगुली का मानना है कि भारत का पांचवें टेस्ट के लिए कुलदीप को बाहर रखना ठीक है क्योंकि विकेट से तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिल सकती है। पिच पर थोड़ी अधिक घास हो और भारत ने तीसरा स्पिनर नहीं उतारा क्योंकि उनके पास रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर हैं।

विश्व कप में भारत-इंग्लैंड को हराना मुश्किलः हीली

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भविष्यवाणी की कि इस साल होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत और इंग्लैंड दो ऐसी टीमें होंगी जिन्हें हराना सबसे मुश्किल होगा। हीली ने गुरुवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रायोजन कार्यक्रम में खुलासा किया कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सब कुछ सही दिशा में है क्योंकि वे 37 सालों में महिलाओं के 50 ओवरों के विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने की कोशिश में हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व कप्तान शेरोन ट्रेड्रिया के नेतृत्व में 1982 और 1988 में लगातार दो विश्व कप जीते थे और सात बार की चैंपियन टीम इस साल भारत और श्रीलंका में होने वाले इस ट्रॉफी को उठाने की दावेदारों में से एक के रूप में उतरेगी। लेकिन हीली दुनिया की नंबर 1 वनडे टीम को लेकर कुछ भी हल्के में नहीं ले रही हैं और उन्होंने रैंकिंग में अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों इंग्लैंड (दूसरे) और भारत (तीसरे) को 30 सितंबर से शुरू होने वाले 8 टीमों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बाधा के रूप में नामित किया।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली।

हीली ने कहा कि मैं अभी इंग्लैंड को पूरी तरह से खारिज नहीं करूंगी, मुझे लगता है कि वे लोटी (शार्लोट एडवर्ड्स) के नेतृत्व में अपनी लय हासिल कर लेंगे, मुझे लगता है कि जिस तरह से भारत घरेलू परिस्थितियों में खेल रहा है, उसे हराना मुश्किल होगा। हीली पिछले साल आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप में लगी पैर की चोट से वापसी के करीब हैं और प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी के लिए भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की आगामी घरेलू श्रृंखला पर नजर गड़ाए हुए हैं।

आईसीसी के अनुसार, 35 वर्षीय हीली ने फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले एकमात्र टेस्ट मैच के बाद से ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है और आखिरी बार उन्होंने साल की शुरुआत में जनवरी में इसी टीम के खिलाफ एकदिवसीय मैच में विकेटकीपिंग की थी। हीली भारत ए के साथ आगामी श्रृंखला के एकदिवसीय मैच के दौरान विकेटकीपिंग में वापसी करने की योजना बना रही हैं और उन्होंने अपने कमजोर शरीर के लिए विकेट के पीछे की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। हीली ने कहा कि मैंने जनवरी के बाद से किसी प्रतिस्पर्धी मैच में विकेटकीपिंग नहीं की है और इससे मुझे कुछ चीजों में सुधार करने और अपने शरीर के लिए इसे थोड़ा आसान बनाने का समय मिला है। उन्होंने कहा कि हमें एक खास तरीके से विकेटकीपिंग करना सिखाया गया है और आखिरकार यह हमारे शरीर के लिए बहुत प्रभावी नहीं है और 35 साल की उम्र में ऐसा करना आदर्श नहीं है।

क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित

- छह से 10 अगस्त तक म्यांमा के यांगून में आयोजित की जाएगी प्रतियोगिता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने गुरुवार को 2026 एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की जो छह से 10 अगस्त तक म्यांमा के यांगून में होगा। भारतीय टीम ग्रुप डी में है। उसका सामना छह को इंडोनेशिया, 8 को तुर्कमेनिस्तान और 10 अगस्त को मेजबान म्यांमा से होगा।

ग्रुप विजेता व सभी आठ ग्रुप में से तीन सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान की टीम अगले साल अप्रैल में थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत क्वालीफायर के लिए बेंगलुरु स्थित पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में ट्रेनिंग ले रहा था और अपनी तैयारियों के तहत इस महीने की शुरुआत में उज्बेकिस्तान अंडर-20 के खिलाफ दो मैत्री मैच खेलने के लिए ताशकंद गया था। भारत ने पहले मैच में 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे मैच में 4-1 से जीत हासिल की। खिलाड़ियों ने लौटने के बाद बेंगलुरु में शिविर जारी रखा।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप

भारतीय टीम

गोलकीपर : मेलोडी चानू कीशम, मोनालिशा देवी मोइरंगथेम, रिबांसी जामू। **डिफेंडर :** एलिना चिंगखम, सिंडी रेमरूअटपुई कोल्नी, जूही सिंह, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, साहेना टीएच, शुभांगी सिंह, थोईबिसाना चानू तोइजाम, विक्सित बारा। **मिडफील्डर :** अंजू चानू कायेनपाइबम, अरीना देवी नामीराकपम, भूमिका देवी खुमुकचम, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा। **फॉरवर्ड :** बबीता कुमारी, दीपिका पाल, खुशबू काशीराम सरोज, सिबानी देवी नोंगमेइकापम, सुलंजना राउल।

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

- महिला एकल में रक्षिता व मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो हारीं

मकाऊ, एजेंसी

भारत के तरूण मन्नेपल्ली शीर्ष वरीयता प्राप्त हांगकांग के ली चियुक यू को हराकर मकाऊ ओपन बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। वहीं लक्ष्य सेन ने भी जीत के साथ अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली है।

तरूण ने दुनिया के 15वीं रैंकिंग वाले ली को 19-21, 21-14, 22-40 से हराया। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे थे। अब उनका सामना चीन के हू झे अन से होगा। राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया के चिको औरा द्वि वार्डोयो को 21-14, 14-21, 21-17 से मात दी। वहीं आयुष शेट्टी को मलेशिया के जस्टिन होह ने 21-18, 21-16 से हरा दिया।

लक्ष्य सेन

महिला एकल में रक्षिता रामराज को थाईलैंड की बुसानन आंगबामरूंगफान ने 14-21, 21-10, 21-10 से मात दी। मिश्रित युगल में पांचवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को मलेशिया के जिम्मी वोंग और लेइ पेइ जिंग की जोड़ी ने 19-21, 21-13, 21-18 से हराया। पुरुष युगल में पृथ्वी रॉय और के साइ प्रतीक को मलेशिया के चौथी वरीयता प्राप्त जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप ने 21-18, 21-18 से मात दी।

बस प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही थी : ग्रैंडमास्टर दिव्या

नागपुर, एजेंसी

ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने कहा है कि हमवतन कोनेरू हम्पी के खिलाफ फिडे महिला विश्व कप फाइनल खेलते समय उन पर किसी भी तरह का दबाव नहीं था क्योंकि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं था। दिव्या बुधवार को जॉर्जिया के बातुमी से यहां पहुंचीं और एक विश्व चैंपियन के तौर पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

19 साल की दिव्या ने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन 38 वर्षीय हम्पी को दो क्लासिकल दौर के ड्रॉ रहने के बाद समय-नियंत्रित टाई-ब्रेक में हराया। यह दिव्या के करियर की सबसे बड़ी सफलता रही। फाइनल में दबाव पर दिव्या ने कहा, मुझे नहीं लगा कि मैं मुश्किल में थी। मुझे लगता है कि उन्होंने (हम्पी) जो आखिरी गलती की, उसी ने मुझे जीत दिलाई। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रही थी। मैं किसी और चीज के बारे में नहीं सोच रही थी। दिव्या ने इस प्रतियोगिता में एक छुपीरूस्तम के तौर पर प्रवेश किया था और उनका लक्ष्य ग्रैंडमास्टर नॉर्म जीतने का था और आखिरकार वह ग्रैंडमास्टर बन गईं। दिव्या ने सिर्फ ग्रैंडमास्टर नॉर्म ही नहीं हासिल किया बल्कि टूर्नामेंट भी जीत लिया और अगले साल के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह पक्की की।

साथ ही 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की। इस खिलाड़ी को उम्मीद है कि उनकी सफलता के बाद भारत में महिला शतरंज काफी लोकप्रिय होगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस सफलता के बाद महिलाएं विशेषकर युवा खिलाड़ी इस खेल को बड़े पैमाने पर अपनाएंगी और सपना देखना शुरू करेंगी कि कुछ भी असंभव नहीं है। दिव्या ने कहा कि मेरे पास युवा पीढ़ी के लिए नहीं बल्कि उनके माता-पिता के लिए संदेश है कि उन्हें अपने बच्चों का पूरे दिल से समर्थन करना चाहिए क्योंकि उन्हें सफलता के समय उतनी नहीं, अपनी असफलताओं के दौरान उनकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। बुधवार रात हवाई अड्डे पर पहुंचने पर दिव्या ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ने मेरे करियर में सबसे अहम भूमिका निभाई है। उनके बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती।

ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख।

नेशनल बैंक ओपन | इगा स्वियातेक ने अपने विजय अभियान को 24 मैच तक पहुंचा

तीसरे दौर में पहुंचीं विंबलडन चैंपियन इगा

मॉन्ट्रियल, एजेंसी

विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन की गुओ हान्यू को 6-3, 6-1 से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। विंबलडन के फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराने के बाद पहली बार कोई मैच खेल रही स्वियातेक ने 4-0 की बढ़त बना ली और फिर अपने विजय अभियान को 24 मैच तक पहुंचा दिया।

पोलैंड की विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा, जिन्होंने रूस की अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। अमेरिका की दो बार की गत विजेता जेसिका पेगुला ने भी यूनान की मारिया सक्कारी को 7-5, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका की पांचवीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा ने न्यूज़ीलैंड की लुलु सुन को 6-4, 7-6 (5) से हराया। अमेरिका की ही छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ ने जर्मनी की लॉरा सीगेमंड को 6-2, 6-1 से और जापान की नाओमी ओसाका ने रूस की लियुडमिला सैमसोनोवा को 4-6, 7-6 (6), 6-3 से हराया।

कनाडा के गैब्रियल डायलो भी आगे बढ़े

टोरंटो। कनाडा के लंबे कद के खिलाड़ी गैब्रियल डायलो ने इटली के माटेओ गिगांटे को 6-3, 7-6 (5) से हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। मॉन्ट्रियल के रहने वाले छह फुट आठ इंच लंबे दाएं हाथ के खिलाड़ी डायलो ने बारिश से प्रभावित मैच में एक घंटे 46 मिनट में जीत दर्ज की। डायलो ने पिछले महीने नीदरलैंड में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। अब उनका सामना अमेरिका के दूसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज़ से होगा, जिन्होंने स्पेन के रॉबर्टो कार्बालेस बाएना को 7-5, 7-6 (1) से हराया। दूसरे दौर के अन्य मैचों में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के क्वालीफायर एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से और रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराया।

इगा स्वियातेक

गैब्रियल डायलो

- पोलैंड की स्वियातेक का अगला मुकाबला जर्मनी की ईवा लिस से होगा